E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 248 | गुवाहाटी | रविवार, 7 अप्रैल, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

जेपी नड्डा समेत छह नवनिर्वाचित रास सांसदों ने ली शपथ — पेज 2

हताश कांग्रेस गठबंधन की साजिशों को उखाड़ फेकेंगे : सोनोवाल — पेज 3

कांग्रेस की सोच पर मुस्लिम लीग और वामपंथी हावी : मोदी — पेज 5

शेफील्ड पर जीत से लिवरपूल फिर शीर्ष पर, जीत पाने के लिए करना पड़ा संघर्ष — पेज 7

न्यायाधीशों और वकीलों को सीजेआई ने दिया संदेश, कहा-

पार्टियों के नहीं, बल्कि संविधान के प्रति रहें वफादार

नागपुर। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ ने एक स्वतंत्र बार का आह्वान करते हुए कहा है कि इसका न्यायपालिका की स्वतंत्रता के साथ घनिष्ठ संबंध है। सीजेआई ने एएनआई द्वारा उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन नागपुर के शताब्दी वर्ष समारोह में अपने संबोधन के दौरान कहा कि हमारे जैसे जीवंत और तर्कशील लोकतंत्र में अधिकांश व्यक्तियों के पास अरस्तू को उद्धृत करने की राजनीतिक विचारधारा या प्रवृत्ति होती है मनुष्य राजनीतिक जानवर हैं। वकील कोई अपवाद नहीं हैं। हालांकि, बार के सदस्यों के लिए किसी की सर्वोच्च निष्ठा पक्षपातपूर्ण हितों के साथ-साथ अदालत और संविधान के प्रति होनी चाहिए। कई मायनों में यह स्वतंत्र बार है जो कानून के शासन और संवैधानिक शासन की रक्षा के लिए नैतिक कवच है। एक संस्था के रूप में बार न्यायिक स्वतंत्रता, संवैधानिक मूल्यों और अदालतों की गरिमा को बनाए रखने के लिए आवश्यक है। चंद्रचूड़ ने कहा कि न्यायपालिका बार-बार अपनी स्वतंत्रता और गैर-पक्षपातपूर्णता, कार्यपालिका, विधायिका और निहित राजनीतिक स्वार्थ से शक्ति को अलग करने के लिए आगे आई है। सीजेआई ने कहा कि -शेष पृष्ठ दो पर

असमिया गमछा पीएम मोदी को प्रेरणा देता है : सीएम

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि असमिया फुलाम गमछा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को प्रेरणा देता है। प्रधानमंत्री मोदी दिल्ली में भी कार्यक्रम करते हैं तो गले में असमिया गमछा होता है। यहां तक कि कॉविड-19 का वैक्सीन लेने के समय भी प्रधानमंत्री के गले में असमिया गमछा था। मुख्यमंत्री आज जोरहाट लोकसभा क्षेत्र के तीताबर में भाजपा तथा एनडीए गठबंधन के उम्मीदवार तपन गोगोई के समर्थन में एक विशाल चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान मुख्यमंत्री के साथ शोणितपुर के निवर्तमान सांसद पल्लब लोचन दास, राज्य की वित्त आदि मामलों की मंत्री अजंता नेओग समेत भाजपा सरकार के कई मंत्री, विधायक तथा अन्य नेता मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के कई प्रधानमंत्री देश में बन चुके हैं। पंडित जवाहरलाल नेहरू से लेकर मनमोहन सिंह तक। इनमें से किसी ने अपने गले में असमिया गमछा नहीं पहना। लेकिन, प्रधानमंत्री मोदी हर समय अपने गले में असमिया गमछा पहनते हैं। यह गमछा हमारी बुनकर माता-बहनों द्वारा तैयार किया जाता है। प्रधानमंत्री असम की माताओं और बहनों को सम्मान देते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का असम से विशेष लगाव रहा है। यही वजह है कि प्रधानमंत्री बनने के बाद से नरेंद्र मोदी 26 बार असम आ चुके हैं। प्रधानमंत्री ने असम के लिए एक से बढ़कर एक पुल, सड़कें, ओवर ब्रिज आदि से लेकर घर-घर में रसोई गैस सिलेंडर पहुंचने -शेष पृष्ठ दो पर

पाकिस्तान चुनाव के लिए बना है कांग्रेस का घोषणापत्र : मुख्यमंत्री

जोरहाट। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा को जोरहाट के तिताबर बोकाहोला बागिसा में एक चुनाव अभियान के दौरान मंच पर नृत्य करते देखा गया। यह प्रचार रैली जोरहाट संसदीय क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार तपन कुमार गोगोई के समर्थन में थी। शर्मा ने उत्साहपूर्वक तालियां बजाईं और एक लोकप्रिय झुमुर गीत पर नृत्य किया। इस लोकसभा चुनाव 2024 में असम में भाजपा 14 में से 11 सीटों पर -शेष पृष्ठ दो पर

निर्वाचन अधिकारी ने आचार संहिता के उल्लंघन को लेकर भाजपा को भेजा नोटिस

गुवाहाटी/नई दिल्ली। असम के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) ने आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के संबंध में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा आरोप लगाए जाने के बाद सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को शुक्रवार को कारण बताओ नोटिस जारी किया। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने गुरुवार को आरोप लगाया था कि भाजपा ने सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण करने के बहाने राज्य सरकार की योजना के लाभार्थियों का आंकड़ा एकत्र करके आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) का उल्लंघन किया है। भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष को नोटिस जारी कर आठ अप्रैल को सुबह 10 बजे तक जवाब देने के लिए कहा गया है। माकपा ने आरोप लगाया था कि सर्वेक्षण के नाम पर राज्य भर में भाजपा द्वारा जो फॉर्म वितरित किए जा रहे हैं, उनमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

राजनीति का संबंध केवल अपने राज्य को समृद्धि प्रदान करने वाले मामलों से होता है।

– आचार्य चाणक्य

कांग्रेस मतलब नीम चढ़ा करेला, एक तो परिवारवादी दूसरी भ्रष्टाचारी : मोदी

अजमेर (हि.स)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान और राष्ट्र के गौरव एवं उत्थान के लिए मतदाताओं का आह्वान किया कि लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को पूर्ण बहुमत देकर वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए उन्हें मजबूती प्रदान करें। मोदी ने कहा कि देश के करोड़ों लोगों का सपना ही मोदी का संकल्प है। पिछले 10 साल में मतदाताओं के दर्शाए भरोसे की शक्ति से उन्होंने जो किया वह तो सिर्फ ट्रेलर है आने वाले वर्षों में बहुत कुछ करना शेष है। मोदी ने कहा कि वे तो पूरी तैयारी कर बैठे हैं। अबकी बार चार जून को चार सौ पार कराने की जिम्मेदारी देश की जनता की है। मोदी अजमेर के तीर्थराज पुष्कर स्थित विश्राम स्थली पर आयोजित चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। मोदी ने मंच पर संबोधन के लिए खड़े होते ही सबसे पहले मतदाताओं को राम राम सा कह कर उनका अभिवादन किया। फिर कहा कि राजस्थान -शेष पृष्ठ दो पर

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का असम कार्यक्रम रद्द

गुवाहाटी (हि.स.)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का रविवार और सोमवार का दो दिवसीय असम कार्यक्रम रद्द कर दिया गया है। असम सरकार के प्रवक्ता तथा राज्य के लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण आदि मामलों के मंत्री जयंत मल्लबरुवा ने आज मीडिया को बताया कि चुनावी व्यस्तता की वजह से गृहमंत्री का कार्यक्रम रद्द किया गया है। उल्लेखनीय है कि गृहमंत्री राज्य के होजाई, लखीमपुर तथा गोहपुर में चुनावी रैली को संबोधित -शेष पृष्ठ दो पर

चुनाव में 200 से भी नीचे सिमट जाएगी भाजपा : खड़गे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक बार फिर केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला है। खड़गे ने कहाकि मोदी सरकार 2024 के आम चुनाव को लेकर भले ही बहुत आत्मविश्वास जता रही है लेकिन जमीनी हालात बता रहे हैं कि इस बार के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के वही हाल होना हैं जो 2003 04 के आम चुनाव में उसके *इंडिया शाइनिंग* नारे का हुआ था। खड़गे ने ट्वीट किया कि मोदीजी दुनिया भर के हर विषय पर चर्चा करते हैं लेकिन कभी आपने सुना कि महंगाई, बेरोजगारी, अमीर और गरीब की बढ़ती खाई, किसानों की आमदनी पर कोई चर्चा हुई। मोदी सरकार का 2024 के चुनाव में वही हाल होगा जो 2003-04 में *इंडिया शाईनग* नारे का हुआ था। भाजपा 200 से भी नीचे सिमट जाएगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने 2024 -शेष पृष्ठ दो पर

असम : लोकसभा के दूसरे चरण के लिए तीन नामांकन खारिज

गुवाहाटी। असम में पांच संसदीय क्षेत्रों के लिए 26 अप्रैल को होने वाले दूसरे चरण के मतदान की तैयारी में, नामांकन पत्रों की जांच से पता चला है कि 65 में से तीन उम्मीदवारों को अस्वीकृति का सामना करना पड़ा है। एक अधिकारी के मुताबिक, नामांकन खारिज होने की घटनाएं मुख्य रूप से नगांव और करीमगंज निर्वाचन क्षेत्रों में हुईं। नगांव में, स्वतंत्र उम्मीदवार बिश्वजीत बरदलै और हमार राज पार्टी के होरेन भूमिज को अस्वीकृति का सामना करना पड़ा, जबकि 13 अन्य उम्मीदवारों के कागजात वैध थे। नगांव में उल्लेखनीय दावेदारों में मौजूदा कांग्रेस सांसद प्रोद्युत बरदलै, भाजपा के -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

बेंगलुरु में धार्मिक कार्यक्रम के दौरान 120 फुट ऊंचा रथ गिरा

बेंगलुरु। बेंगलुरु (ग्रामीण) में अनेकल के पास एक धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान शनिवार को 120 फुट ऊंचा मंदिर का रथ ढह गया। जब यह घटना घटी तब 10 से अधिक गांवों के हजारों श्रद्धालु हुस्कुर मदुरम्मा मंदिर के वार्षिक मेले में भाग ले रहे थे। सैकड़ों भक्त चारों ओर से बंधी रस्सियों की मदद से विशाल और जटिल रूप से सजाए गए रथ को -शेष पृष्ठ दो पर

भागवत की सुरक्षा में चूक, बुलेट लेकर प्लेटफार्म पर पहुंचा युवक

इंदौर (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत के मध्यप्रदेश प्रवास के दौरान इंदौर में उनकी सुरक्षा में बड़ी चूक का मामला सामने आया है। सरसंघचालक डॉ. भागवत शुक्रवार रात इंदौर रेलवे स्टेशन पहुंचे थे। इस दौरान यहां एक युवक बुलेट मोटर साइकिल लेकर प्लेटफार्म तक पहुंच गया। बुलेट में लगे मॉडिफाई साइलेंसर से गोलियों जैसी आवाज सुनाई पड़ी तो पुलिस अलर्ट हो गई। पुलिस ने तुरंत युवक को गिरफ्तार किया। घटनाक्रम इतनी तेजी से हुआ कि अधिकारी भी हैरान रह गए। हालांकि, युवक की तलाशी में पुलिस को कुछ नहीं मिला। सरसंघचालक डॉ. मोहन -शेष पृष्ठ दो पर

हिंसा झेल चुके मणिपुर में चुनावी माहौल ही गायब, पार्टियों के बैनर-झंडे नदारद

इंफाल। हिंसा प्रभावित मणिपुर में लोकसभा चुनाव शुरू होने में दो सप्ताह से भी कम का समय रह गया है। फिर भी यहां की राजनीति में कोई हलचल नहीं है। राजनीतिक दलों के पोस्टर, बड़ी रैलियां और नेताओं की आवाजाही जैसा कुछ भी यहां नहीं देखा जा रहा है। यहां महज स्थानीय चुनाव अधिकारियों द्वारा लगाए गए होर्डिंग देखे जा सकते हैं, जिसमें नागरिकों से वोट डालने का आग्रह किया गया है। देशभर में चुनाव के उत्साह के बीच पार्टी के प्रमुख नेताओं ने चुनाव प्रचार करने या चुनावी वादे करने के लिए मणिपुर का दौरा करने से परहेज किया है। जहां भाजपा ने प्रधानमंत्री -शेष पृष्ठ दो पर

बंगाल में ईडी के बाद अब एनआईए टीम पर हमला, गाड़ी पर पथराव, दो अधिकारी घायल

कोलकाता (हि.स.)। पूर्वी मेदिनीपुर के भूपतिनगर में हुए विस्फोट की जांच के सिलसिले में पहुंची एनआईए की टीम पर शनिवार को उपद्रवियों ने घेर कर हमला कर दिया। एनआईए अधिकारियों की कार पर पथराव किया गया जिसमें दो अधिकारियों को चोटें आई हैं। इससे पहले 5 जनवरी को उत्तर 24 परगना के संदेशखाली में तृणमूल कांग्रेस नेता शाहजहां के घर की तलाशी के दौरान ईडी की टीम पर तृणमूल नेता के समर्थकों ने हमला कर दिया था। दिसंबर 2022 -शेष पृष्ठ दो पर

ईसी ने मांगी हमले की विस्तृत रिपोर्ट

कोलकाता (हि.स.)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की टीम पर शनिवार को पश्चिम बंगाल के पूर्व मेदिनीपुर जिले के भूपतिनगर में एक आक्रामक भीड़ के हमले से सियासी तूफान खड़ा हो गया है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एनआईए अधिकारियों पर ही महिलाओं पर हमले के -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

जेपी नड्डा समेत छह नवनिर्वाचित रास सांसदों ने ली शपथ

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और राज्यसभा के पांच अन्य नवनिर्वाचित सदस्यों ने शनिवार को शपथ ली। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने सभी को शपथ दिलाई। शपथ लेने वाले अन्य सदस्यों में गुजरात से जेपी नड्डा, महाराष्ट्र से अशोकराव शंकरराव चव्हाण, राजस्थान से चुन्नीलाल गरासिया, तेलंगाना से अनिल कुमार यादव मंडाडी, पश्चिम बंगाल से सुष्मिता देव और मोहम्मद नदीमुल हक शामिल हैं। भारत के उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने राज्यसभा के नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाई। उप राष्ट्रपति कार्यालय द्वारा एक्स पर शपथ ग्रहण समारोह की तस्वीरें साझा की गई हैं। जेपी नड्डा ने हिमाचल प्रदेश से राज्यसभा के सदस्य के तौर पर इस्तीफा दे दिया था। वह गुजरात से राज्यसभा के सांसद बने रहेंगे। बता दें कि राज्यसभा चुनाव में जेपी नड्डा ने गुजरात से निर्विरोध चुने गए थे। जेपी नड्डा उन 57 राज्यसभा सांसदों में एक हैं जिनका कार्यकाल अप्रैल महीने में समाप्त हो गया था। अब उन्होंने गुजरात सीट से राज्यसभा के सदस्य के तौर पर शपथ ली है। बता दें कि राज्यसभा के लिए गुजरात से भाजपा के चार सांसद चुने गए हैं। इनमें पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा, मयंक नायक, जसवन्तसिंह परमार और गोविंदभाई ढोलकिया शामिल हैं। बता दें कि जगत प्रकाश नड्डा उन 41 प्रत्याशियों में शामिल थे, जिन्होंने राज्यसभा चुनावों में निर्विरोध जीत हासिल की। मालूम हो कि भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष के तौर पर जेपी नड्डा का कार्यकाल जून तक बढ़ा दिया गया है। यह पहली बार होगा जब भाजपा जेपी नड्डा के नेतृत्व में लोकसभा चुनाव लड़ेगी।

8 अप्रैल को पूर्ण सूर्य ग्रहण पर नजर रखेगा आदित्य एल1

नई दिल्ली। 8 अप्रैल को दुनिया के कई हिस्सों में पूर्ण सूर्य ग्रहण दिखाई देगा। सूर्य, चंद्रमा और पृथ्वी के एक सीधी रेखा में आने पर करीब चार मिनट के लिए अंधेरा छा जाएगा। इस दौरान आदित्य एल-1 भी सूर्य ग्रहण के दौरान सूर्य को लैग्रेंज प्वाइंट-1 से को ऑब्जर्व करेगा, जो पृथ्वी और सूर्य की 15 लाख किलोमीटर दूरी पर है। आदित्य एल1 अंतरिक्ष यान ने 2023 में पृथ्वी छोड़ने के बाद इस साल की शुरुआत में लैग्रेंज प्वाइंट 1 पर अपनी हेलो कक्षा में प्रवेश कर गया था। अंतरिक्ष यान को एल1 पर अंतरिक्ष की ठंडक में कैलिब्रेट किया जा रहा है और इसने विज्ञान अवलोकन शुरू कर दिया है। आदित्य एल-1 के 6 इंस्ट्रूमेंट्स सूर्य को ऑब्जर्व करत हैं, लेकिन इसमें से दो इंस्ट्रूमेंट्स विसिबल एमिशन लाइन कोरोनाग्राफ और सोलर अल्ट्रावॉयलेट इमेजिंग टेलीस्कोप (सूट) प्राथमिक रूप से सूर्य ग्रहण को ऑब्जर्व करेंगे। इनमें से कोरोनोग्राफ सूर्य की डिस्क को अवरुद्ध करता है और स्पेसक्राफ्ट पर एक कृत्रिम ग्रहण बनाकर सूर्य की बाहरी परत कोरोना का अध्ययन करता है। वहीं इस बीच, सूट निकट पराबैंगनी में सौर प्रकाशमंडल और क्रोमोस्फीयर की तस्वीरें लेता है। आदित्य एल-1 दुर्लभ ग्रहण के दौरान सूर्य को ऑब्जर्व करने वाला एकमात्र अंतरिक्ष यान नहीं होगा, 4 अप्रैल को सूर्य के सबसे करीब पहुंचे यूरोप के सोलर ऑर्बिटर के उपकरण भी ग्रहण को ऑब्जर्व करने के लिए सक्रिय हो जाएंगे। ग्रहण के दौरान, सूर्य की बाहरी पर कोरोना दृश्य होती है, क्योंकि चंद्रमा सौर डिस्क को अवरुद्ध करता है और बाहरी चमकदार परतों को चमकता हुआ दिखाता है और इसे पृथ्वी से एक संक्षिप्त क्षण के लिए देखा जा सकता है। अन्य समय कोरोना पृथ्वी से दिखाई नहीं देता है। आदित्य-एल1 पर लगे आदित्य पेलोड के लिए प्लाज्मा एनालाइजर पैकेज ने फरवरी में कोरोनल मास इजेक्शन के पहले सौर पवन प्रभाव का पता लगाया।

लोस चुनाव : गुवाहाटी में आबकारी विभाग का अभियान

गुवाहाटी (हिंस)। आसन्न लोकसभा चुनावों के मद्देनजर कामरूप (मेट्रो) आबकारी विभाग ने पिछले दो दिनों में जिले के विभिन्न हिस्सों में छापेमारी की और 1,235 लीटर शराब जब्त की। शहर के विभिन्न स्थानों जैसे भूतनाथ, आठगांव, उजानबाजार, नंबर 1 कार्बी रोड, नूनमाटी आदि से जब्त की गई शराब को नश्ट कर दिया गया। इस सिलसिले में असम आबकारी अधिनियम 53 (1) (ए) के तहत दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। सार्वजनिक स्थानों पर कथित तौर पर शराब पीने के लिए असम उत्पाद शुल्क अधिनियम 61 (बी) के तहत दो लोगों पर जुर्माना भी लगाया गया है। इसी तरह आबकारी विभाग ने सोनापुर इलाके में छापेमारी कर एक वाहन में 22.5 लीटर नकली शराब जब्त की।

भूपेन बोरा के नेतृत्व में कांग्रेस शून्य होगी : पीयूष

गुवाहाटी (हिंस)। असम सरकार के सूचना जनसंपर्क आदि मामलों के मंत्री पीयूष हजारिका ने कहा है कि प्रदेश अध्यक्ष भूपेन बोरा के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी शून्य हो जाएगी। उन्होंने कहा कि भूपेन बोरा हमेशा ही कपोल कल्पना में डूबे रहते हैं। उनके नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी का अंत हो गया है। मंत्री ने कहा कि लोकसभा चुनाव में कांग्रेस बोरा के नेतृत्व में एक भी सीट जीतने वाली नहीं है। ऐसे व्यक्ति से समाज का कोई लाभ नहीं होता है जो कपोल कल्पना में डूबा रहे। मंत्री हजारिका आज एक चुनावी कार्यक्रम में भाग लेने के बाद यहां पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा विकास के एजेंडे पर राजनीति करती है। जनता से जो भी वादे किए गए, सभी पूरे किए गए हैं। आज पूरी जनता भाजपा के साथ है। एक के बाद एक कांग्रेस नेता पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए हैं।

मणिपुर के बैंक से दो करोड़ चुराने वाला दिल्ली से गिरफ्तार

इंफाल (हिंस)। मणिपुर पुलिस ने राज्य के विष्णुपुर स्थित स्टेट बैंक से दो करोड़ रुपए चोरी कर भागने वाले व्यक्ति को दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया है। मणिपुर पुलिस ने आज बताया कि दिल्ली पुलिस के सक्रिय समन्वय से मणिपुर पुलिस ने दिल्ली के पटेल चेस्ट क्रिश्चियन कॉलोनी से मोनार्क लैशराम नामक एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। वह एसबीआई, बिष्णुपुर से दो करोड़ रुपए नकद की चोरी करके फरार होने का अभियुक्त है।

रूस पर यूक्रेन ने 53 ड्रोन से किया अब तक का सबसे बड़ा हवाई हमला

कीव (हि.स.)। रूस और यूक्रेन के बीच जारी पिछले 2 साल से जारी युद्ध के बीच यूक्रेन ने रूस पर अब तक का बड़ा हमला बोला है। यूक्रेन ने रूसी सीमा के रोस्तोव क्षेत्र में 53 ड्रोन से हमला किए जिसे यूक्रेन की तरफ से अबतक के सबसे बड़े हवाई हमलों में एक माना जा रहा है। वहीं, रूस ने गुरुवार को ड्रोन से यूक्रेन के खार्किव इलाके पर हमला बोला। हमले में चार लोगों की मौत हो गई। हालांकि, रूसी सेना ने सभी ड्रोन मार गिराने का दावा किया है। इनमें से 44 ड्रोन को मोरोजोस्की में मार गिराया गया। रोस्तोव गवर्नर ने कहा कि हमले में एक पावर सवस्टेशन को क्षति पहुंची है। यूक्रेन के अधिकारियों की ओर से इस संबंध में कोई टिप्पणी नहीं की गई है। रूसी मीडिया की ओर से कहा गया है कि मोरोजोस्की के पास सैन्य हवाई क्षेत्र स्थित है। हालांकि, साफ नहीं हो पाया है कि उनका निशाना सैन्य हवाई क्षेत्र था या नहीं। वहीं, रूसी रक्षा मंत्रालय की ओर से कहा गया है कि नौ अन्य ड्रोन को रूस के सीमावर्ती क्षेत्र कुर्स्क, बेलगोरोद, क्रास्नोडार और निकटवर्ती सेराटोव में इंटरसेप्ट कर लिया गया। सेराटोव क्षेत्र में रूसी बमवर्षक विमान का एयरबेस स्थित है। रूस ने गुरुवार को ड्रोन से यूक्रेन के खार्किव इलाके पर हमला बोला। हमले में चार लोगों की मौत हो गई। हमले में 12 लोगों के घायल होने की भी सूचना है। वहीं जमीवस्का थर्मल पावर प्लांट को भी निशाना बनाया। जिसके कारण खार्किव इलाके में करीब 3,50,000 लोग के घरों में अंधेरा छा गया। यूक्रेन के छह इलाकों में पावर सप्लाई के दौरान कुछ कटौती भी करनी पड़ी।

पृष्ठ एक का शेष

पार्टियों के नहीं...

हालांकि, हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता और बार की स्वतंत्रता के बीच घनिष्ठ संबंध है। अपने संबोधन के दौरान सीजेआई ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक पीठों के फैसले कठोर कार्यवाही, संपूर्ण कानूनी विश्लेषण और संवैधानिक सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्धता की परिणति हैं। लेकिन एक बार फैसला सुनाए जाने के बाद, यह सार्वजनिक संपत्ति है। एक संस्था के रूप में हमारे कंधे चौड़े हैं। हम प्रशंसा और आलोचना दोनों प्राप्त करने के लिए तैयार हैं। हाल ही में मैं बार एसोसिएशन के सदस्यों की लंबित मामलों और निर्णयों पर टिप्पणी करने की प्रवृत्ति से बहुत परेशान हो गया हूं।

असमिया गमछा पीएम...

का काम कर चुके हैं। प्रधानमंत्री मोदी असम को विकास के शिखर पर देखना चाहते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आप सभी जानते हैं कि नरेंद्र मोदी का तीसरी बार देश का प्रधानमंत्री बना तय हो चुका है। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्वगुरु और एक विशाल अर्थव्यवस्था वाला देश बनने जा रहा है। उन्होंने कहा कि 19 अप्रैल को जोरहाट लोकसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी तपन गोगोई को वोट देने से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हाथ और अधिक मजबूत होगा। मुख्यमंत्री ने सभी लोगों से कमल निशान पर वोट देने का आग्रह किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने असम सरकार द्वारा चलाई जा रही बसुंधरा, अरुणोदय, लखपति बाईदेओ आदि योजनाओं की चर्चा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के विकास के साथ-साथ देश के गरीब और जरूरतमंद लोगों के कल्याण के लिए इस सरकार ने अनेक कारगर कदम उठाए हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार द्वारा इन 10 वर्षों में असम के लिए लागू की गई बड़ी योजनाओं को भी चर्चा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री अभी हाल ही में गुवाहाटी के खानापाड़ा तथा जोरहाट में लाचित बरफूकन की समाधि के अनावरण के समय अनेक बड़ी-बड़ी परियोजनाओं की घोषणा एवं उद्घाटन कर चुके हैं। प्रधानमंत्री ने काजीरंगा में रात विताकर विश्व का ध्यान काजीरंगा नेशनल पार्क की ओर आकर्षित किया। प्रधानमंत्री ने असम को दुनिया के मानचित्र पर एक विकसित राज्य बनाने की दिशा में हर संभव कार्य किया है। तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेंद्र मोदी असम के लिए और भी खुलकर कार्य कर सकेंगे।

पाकिस्तान चुनाव के ...

चुनाव लड़ रही है, जबकि उसकी सहयोगी पार्टियां, असम गण परिषद (अगप), दो सीटों (बरपेटा और धुबड़ी) और यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल (यूपीपीएल) एक सीट (कोकराझाड़) पर चुनाव लड़ रही हैं। कांग्रेस के घोषणापत्र पर सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि उनका घोषणापत्र पूरी तरह से तुष्टिकरण के बारे में है...वे समाज को विभाजित करना चाहते हैं और सत्ता में आना चाहते हैं। हम उनकी तुष्टिकरण की राजनीति की निंदा करते हैं। कांग्रेस के घोषणापत्र को देखकर ऐसा लग रहा है कि उन्होंने पाकिस्तान चुनाव के लिए घोषणापत्र जारी कर दिया है। असम में कुल 14 संसदीय क्षेत्र हैं। असम की 14 लोकसभा सीटों के लिए तीन चरणों में 19 अप्रैल, 26 अप्रैल और 7 मई को चुनाव होंगे। उन्होंने कहा कि आज हमारी पार्टी का स्थापना दिवस है। भाजपा ने देश के लिए काम किया है। राष्ट्र हमारा धर्म है...मैं पार्टी के स्थापना दिवस के मौके पर लोगों को भाजपा में शामिल होने के लिए आमंत्रित करता हूं। 2014 के लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने असम की 14 में से 7 सीटें हासिल कीं। कांग्रेस और ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) दोनों ने तीन-तीन सीटों का दावा किया। 2019 के चुनावों के दौरान, भाजपा ने अपनी सीटों की संख्या बढ़ाकर 9 कर ली, जबकि कांग्रेस ने अपनी तीन सीटें बरकरार रखीं और एआईयूडीएफ ने एक सीट जीती।

निर्वाचन अधिकारी ने ...

तस्वीरें हैं, और लोगों को योजनाओं में शामिल करने का आश्वासन दिया गया है, जो सरकार का नीतिगत मामला है। इसमें कहा गया है कि प्रथम दृष्टया जांच में यह प्रतीत होता है कि भाजपा के स्टार प्रचारकों के प्रतीक और तस्वीरों वाले ये फॉर्म आदर्श आचार संहिता दिशानिर्देशों का उल्लंघन हैं।

कांग्रेस मतलब नीम...

एक बार फिर से इतिहास लिखने जा रहा है। उन्होंने राजस्थानी भाषा का इस्तेमाल करते हुए जय पुष्कर राज री, जय परमपिता ब्रह्मा जी री, जय श्रीमन नारायण री, जय सावित्री माताजी री कहते हुए अजमेर और नागौर की धरती के वीर तेजाजी और मीरा बाई की आध्यात्मिक शक्ति को नमन किया और पृथ्वीराज चौहान सहित अनगिनत वीर विभूतियों और शूरवीरों को श्रद्धांजलि अर्पित की। मोदी ने कहा कि भाजपा के शासन में राजस्थान विकास की नई ऊंचाई गढ़ रहा है। कांग्रेस के शासन में ना गरीब की परवाह रही, ना महिलाओं की, ना वंचितों की रही और ना ही विद्यार्थियों की। उन्होंने राजस्थान में पेपर लीक प्रकरण, खनन व भूमि माफिया तथा महिलाओं व दलित अत्याचारों की नकारात्मक खबरों के सुर्खियां बने रहने को कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस एक तो करेला और दूसरा नीम चढ़ा। यानी एक तो परिवारवादी और दूसरा भ्रष्टाचारी। जब से भाजपा की सरकार आई है पेपर लीक करने वालों को पकड़ने, माफिया और अपराधियों पर कानून का शिकंजा कसने की ही सूचनाएं अखबारों में पढ़ने को मिल रही हैं। राजस्थान में ईआरसीपी पर सहमति बन गई है। इससे राजस्थान के बड़े इलाके को पानी की समस्या से निजात मिलेगी। मोदी ने कहा कि यह सौभाग्य ही है कि तीर्थराज पुष्कर और भाजपा में कुछ समानता है। उन्होंने उपस्थित जनसमूह को बताया कि तीर्थराज पुष्कर जगतपिता ब्रह्मा जी की नगरी है। ब्रह्माजी हमारे नियंता और निर्माता हैं वैसे ही भाजपा भी नए भारत की रीति और नीति की निर्माता है। उन्होंने कहा कि ब्रह्माजी और भाजपा की पहचान भी कमल का फूल ही है। मोदी ने कहा कि देश के एक-एक मतदाता का फैसला अगले कई वर्षों के लिए देश का भविष्य तय करता है। उन्होंने कांग्रेस के पिछले शासन पर तंज कसते हुए कहा कि बीते सालों में जोड़ तोड़ वाली सरकारें चली। नतीजा रहा कि देश शीर्ष पीछे छूट गया। मोदी ने देश के मतदाताओं का आभार व्यक्त किया कि 2014 के बाद मतदाताओं ने पूर्ण बहुमत की सरकार दी तो देश समुद्र पर पुल बनाने लगा, पहाड़ों से सुरंग निकाल कर भी आगे बढ़ने लगा। राजस्थान अजमेर से वंदे भारत की रफ्तार बढ़ने लगी तो विदेशी भी हैरान रह गए। मोदी ने कांग्रेस के हाल में जारी घोषणा पत्र का जिक्र करते हुए उसे झूठ का पुलिंदा बताया। मोदी ने कहा कि यह कांग्रेस को बेनकाब करने वाला घोषणा पत्र है। इसके हर पन्ने में भारत के टुकड़े करने की बू आ रही है। कांग्रेस के पास सिद्धांत रहे ना नीतियां। सब कुछ ठेके पर दे दिया। कांग्रेस ही आउटसोर्स कर दी गई है। उन्होंने सभा में उपस्थित जनसमूह से पूछा कि ऐसी कांग्रेस देशहित में काम कैसे कर सकती है? उनका घोषणा पत्र देश को पीछे धकेलने वाला है जबकि नया भारत आगे बढ़ने की बात कर रहा है। विकसित भारत की बात कर रहा है। तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बनने की बात कर रहा है। मोदी ने मंच से आधी शक्ति को साधते हुए अपने पिछले कार्यकाल में महिलाओं, दलितों, आदिवासियों, किसानों, सहित सामाजिक, धार्मिक, आध्यात्मिक, सांस्कृतिक उत्थान के लिए किए गए कार्यों और योजनाओं को एक-एक कर गिनाया और उनके लाभार्थियों से मंच से ही हामी भी भरवाई। मोदी ने कहा कि विडम्बना है कि जो लोग नामदार हैं वे कामदार को गाली देते हैं। यह कामदार हर गाली को पचा लेता है। मोदी देश में गांव और गरीब के साथ खड़ा है यही बात वे लोग, वे नाम वाले लोग पचा नहीं पा रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस व आम आदमी पार्टी का नाम लिए बिना ही कहा कि जनता के पैसों को लूटना उन्होंने खानदानी हक समझ लिया है। मोदी ने उनकी लूट की दुकानों के शटर गिरा दिए है। इन परिवारवादी नामदारों के कैसे-कैसे खेल चलते थे, यह खुल रहे हैं। मोदी ने कहा कि 19 और 26 तारीख को वे कमल के निशान पर मत प्रदान करें, उन्हें मजबूती प्रदान करें। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं से कहा कि वे उनके कहने से बस एक काम जरूर करें कि राजस्थान में घर-घर जाकर माताओं-बहनों को बताएं कि मोदी जी पुष्कर आए थे और उन्होंने उन्हें प्रणाम भेजा है। मोदी ने कहा कि यह उनका व्यक्तिगत काम है जो सभा में उपस्थित प्रत्येक जन को करना है। इससे पूर्व, मोदी के अजमेर पुष्कर पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया गया। मंच से राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने उनका अभिनन्दन करते हुए स्वागत भाषण दिया। मोदी के पिछले कार्यकाल की जनकल्याणकारी योजनाओं को गिनाया। मंच से राम मंदिर, अनुच्छेद 370, तीन तलाक, सर्जिकल स्ट्राइक आदि मोदी के ऐतिहासिक कार्यों को गिनाया। मंच का संचालन पूर्व मंत्री एवं विधायक अनिता भदेल ने किया। इस दौरान अजमेर और नागौर के अनेक जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित...

करने वाले थे। सात और आठ अप्रैल को उनका असम भ्रमण तय किया गया था। शुक्रवार को मंत्री जयंत मल्लबरुवा ने गृहमंत्री के दो दिवसीय असम कार्यक्रम की पुष्टि की थी। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी चुनावी कार्यक्रम में भाग लेने के लिए 17 अप्रैल को असम पहुंचने वाले हैं। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम की तैयारियां व्यापक पैमाने पर की जा रही हैं।

चुनाव में 200 ...

के चुनाव के लिए देश के सामने पांच न्याय और 25 गारंटी का एजेंडा रखा है। इसमें युवा न्याय, नारी न्याय, किसान न्याय, श्रमिक न्याय और हिस्सेदारी न्याय शामिल है। युवा न्याय में हर शिक्षित युवा की पहली नौकरी पक्की और एक लाख रुपए सालाना स्टाइपैंड मिलेगा जबकि नारी न्याय में गरीब परिवार की महिला को सालाना एक लाख की मदद देंगे। किसान न्याय में किसानों की कर्ज माफ कर एएसपी की कानूनी गारंटी देंगे। श्रमिक न्याय में मनरेगा में 400 रुपए रोज न्यूनतम मजदूरी मिलेगी और हिस्सेदारी न्याय के तहत सामाजिक, आर्थिक समानता के लिए हर व्यक्ति और हर वर्ग की गिनती या जातीय जनगणना होगी। खड़गे ने कहा कि पांच अप्रैल को मोदीजी ने राजस्थान में कहा कि 10 सालों में उन्होंने विकसित भारत की नींव रख दी है। उन्होंने कहा कि राजस्थान का विकास होगा तभी देश का विकास होगा। जिस व्यक्ति ने 10 सालों में देश को तबाह और बर्बाद किया वो विकसित भारत की नींव रखने की बात कर रहा है। उन्होंने कहा कि इस समय भी भाजपा के लोग आपको असली मुद्दों से भटकाना चाहते हैं। कोई संविधान बदलने की बात कर रहा है, कोई कुछ और। चुनावी बांड्स से अकेले 56 प्रतिशत पैसा भाजपा ने लिया। नकद कितना लिया, वे ही जानें। पर धमकी देकर, डरा कर धन इकट्ठा करते हैं और खुद को दूध का धुला बताते हैं, ये दोहरा चरित्र इनका है। वे दिन रात भ्रष्टाचार हटाने की बात करते रहते हैं पर हकीकत ये है कि जिन 25 नेताओं पर खुद मोदीजी ने आरोप लगाया था, उन्हें भाजपा में शामिल कर 23 को क्लीन चिट भी दे दी। राजस्थान के लोग अच्छी तरह जानते हैं कि ऊंट की चोरी चुपके-चुपके नहीं हो सकती। लेकिन मोदीजी के पास ये कला भी है। उनकी नैतिकता पर ये कहावत फिट बैठती है मुंह में राम बगल में छूरी।

असम : लोकसभा के ...

सुरेश बोरा और एआईयूडीएफ के अमीनुल इस्लाम शामिल हैं। इसी तरह, करीमगंज में, स्वतंत्र उम्मीदवार बिप्लब दास का नामांकन खारिज कर दिया गया, जिससे 24 अन्य उम्मीदवारों के नामांकन वैध रह गए। करीमगंज में उल्लेखनीय हस्तियों में मौजूदा भाजपा सांसद कृपानाथ मल्लाह, कांग्रेस के हाफिज राशिद चौधरी और एआईयूडीएफ के साहिबुल आलम चौधरी शामिल हैं। इसके विपरीत, सिलचर, दरांग-उदलगुरी और दीफू जैसे निर्वाचन क्षेत्रों में जमा किए गए सभी नामांकन जांच के दौरान वैध माने गए। सिलचर में उल्लेखनीय उम्मीदवारों में भाजपा के राज्य मंत्री परिमल शुक्लाबैद्य, कांग्रेस के सूर्यकांत सरकार और टीएमसी के राधेश्याम विश्व शामिल हैं। दरांग-उदलगुरी निर्वाचन क्षेत्र में मौजूदा भाजपा सांसद दिलीप सैकिया, कांग्रेस उम्मीदवार माधब राजबोंगशी, बोडो पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) के दुर्गा दास बोड़ो और अन्य ने नामांकन दाखिल किया।

भागवत की सुरक्षा...

भागवत शुक्रवार को खंडवा जिले ओंकारेश्वर से इंदौर पहुंचे थे। इंदौर रेलवे स्टेशन से उन्हें गांधीनगर ट्रेन से रवाना होना था। इस दौरान पुलिस ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए थे। डॉ. भागवत रात में इंदौर से रवाना होने के लिए रेलवे स्टेशन पहुंचे, तभी एक नंबर प्लेटफार्म पर एक युवक बुलेट लेकर आ गया। मॉडिफाई साइलेंसर लगा होने के कारण बुलेट से पटाखों और गोलियों की आवाज आ रही थी। जैसे ही बुलेट चालक ने आगे बढ़ने की कोशिश की, पुलिसकर्मी अलर्ट हो गए। पुलिस ने स्टंट दिखा रहे युवक को हिरासत में ले लिया। उसके विरुद्ध जीआरपी थाना में केस दर्ज किया है। जीआरपी थाना प्रभारी संजय शुक्ला ने बताया कि युवक ने पूछताछ में अपना नाम इंदर राज दांगी बताया है। वह मूल रूप से विदिशा जिले के नानकपुरा का रहने वाला है और सांवेर रोड स्थित कारखाने में सुपरवाइजर का काम करता है। वह बुलेट से स्टेशन क्यों आया था, इस बारे में पुलिस उससे पूछताछ कर रही है।

हिंसा झेल चुके ...

नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जैसी प्रमुख हस्तियों को स्टार प्रचारक बनाया है। वहीं कांग्रेस की ओर से सोनिया गांधी, राहुल गांधी और अन्य प्रमुख नेता प्रचार कर रहे हैं। हालांकि, इनमें से कोई भी अभी तक मणिपुर में नहीं दिखा है। बता दें, मणिपुर में 19 और 26 अप्रैल को दो चरणों में होने वाले लोकसभा चुनाव होने हैं। मणिपुर के मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रदीप झा का कहना है कि चुनाव प्रचार गतिविधियों पर कोई आधिकारिक प्रतिबंध नहीं है, लेकिन पार्टी प्रतिनिधियों ने राज्य के हालात को बिगड़ने से बचाने के लिए यह कदम उठाया है। ऐसी किसी भी चीज की अनुमति दी जाएगी जो आदर्श आचार संहिता के दायरे में आती है। हालांकि, राज्य में चुनावी मैदान में उतारे गए उम्मीदवार अपनी-अपनी जीत के लिए एक अनूठा समाधान लेकर आए हैं। भाजपा के थोनाओजम बसंत कुमार सिंह, कांग्रेस के अंगोमचा बिमोल अकोइजम, रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के महेश्वर थोनाओजम और मणिपुर पीपुल्स पार्टी (एमपीपी) के राजमुकर सोमेंद्रो सिंह ने समाधान निकाला है। वे गैर-पारंपरिक तरीके से मतदाताओं तक पहुंच रहे हैं, जिसमें उनके आवास या पार्टी कार्यालयों में बैठकें आयोजित करना और उनके समर्थक डोर-टू-डोर प्रचार करना शामिल हैं। घर-घर जाकर प्रचार के लिए स्वयंसेवकों की टीमों को तैनात करने वाले महेश्वर थौनाओजम ने कहा कि बेहतर होता कि मैं जनसभाओं को संबोधित करता और रैलियां करता, लेकिन मैंने प्रचार अभियान को सादगी से रखने का फैसला किया है। मतदाताओं को राज्य के हालात के बारे में पता है। वह अपने वोट के महत्व को समझते हैं इसलिए वह उचित विकल्प चुनेंगे। राज्य के मौजूदा शिक्षा और कानून मंत्री बसंत कुमार सिंह, जो इस बार लोकसभा चुनाव लड़ रहे हैं, अपने आवास और पार्टी कार्यालय पर छोटी बैठकें कर रहे हैं। इसी तरह, दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर अकोइजाम ज्यादातर अपने आवास पर लोगों से मिलते हैं। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के पोस्टर भी कांग्रेस कार्यालय में लगाए गए हैं। राज्य में भाजपा अध्यक्ष ए शारदा देवी ने कहा कि हमारे लिए चुनाव महत्वपूर्ण हैं, लेकिन हम दिखावा करके लोगों के घावों पर नमक नहीं छिड़क सकते। चुनाव भी एक त्योहार की तरह है, लेकिन वर्तमान स्थिति के कारण हम जोर शोर से त्योहार नहीं मना सकते। लोग अपने घरों से दूर रह रहे हैं। हम चाहते हैं कि वे हम पर विश्वास करें, लेकिन हम प्रचार नहीं कर रहे हैं। राज्य सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि किसी भी तरह का जोरदार प्रचार राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति के लिए हानिकारक हो सकता है। अधिकारी ने नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर कहा कि हालांकि स्थिति फिलहाल नियंत्रण में है, लेकिन किसी भी तरह का जोरदार प्रचार राज्य की कानून व्यवस्था के लिए नुकसानदेह हो सकता है और कोई भी पार्टी यह जोखिम नहीं उठाना चाहती।

बंगाल में ईडी के ...

को भूपतिनगर थाने के भगवानपुर 2 ब्लॉक के अर्जुन नगर ग्राम पंचायत के नैराबिला गांव में रात करीब 11 बजे भीषण बम विस्फोट हुआ था। घटना में तृणमूल बूथ अध्यक्ष राजकुमार मन्ना, उनके भाई देवकुमार मन्ना और विश्वजीत गायेन की मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस इलाके में गई। पुलिस ने अपनी पहल पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। बाद में कोर्ट के आदेश पर एनआईए ने घटना की जांच अपने हाथ में ले ली। सूत्रों के मुताबिक, एनआईए ने विस्फोट के सिलसिले में भूपतिनगर के रहने वाले बलाई मैती और मनोब्रत जाना नाम के दो लोगों को तलब किया लेकिन वे उपस्थित नहीं हुए। एनआईए ने दोनों के घरों पर छापेमारी की थी। जैसे ही पूछताछ के लिए ले जाए जाने के लिए दोनों को कार में बिठाया गया, उसके समर्थक तृणमूल कार्यकर्ताओं ने केंद्रीय एजेंसी के वाहन को घेर लिया। सूत्रों का दावा है कि वे बलाई और मनोब्रत को कार से उतारने की मांग कर रहे थे। इस दौरान उपद्रवियों ने गाड़ी के शीशे तोड़ दिए। दो अधिकारियों को चोटें आई हैं। हमले के बाद एनआईए टीम थाने पहुंची। बताया जा रहा है कि एनआईए की ओर से लिखित शिकायत की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

ईसी ने मांगी ...

आरोप लगाए हैं तो वहीं विपक्ष ममता बनर्जी के बयान की चौतरफा निंदा कर रहा है। इस बीच चुनाव आयोग ने पुलिस से इस मामले में विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। एनआईए ने कहा कि लोगों ने उनकी टीम पर हमला किया जिसमें उसके एक सदस्य को चोटें आईं और एजेंसी का एक वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। एनआईए ने एक बयान में कहा कि एक आक्रामक भीड़ ने एनआईए टीम और उसकी सुरक्षा कर रहे जवानों को भूपतिनगर थाने की ओर बढ़ने से रोकने की कोशिश की। स्थानीय थाने में भी शिकायत दर्ज की गई है। केंद्रीय एजेंसी दिसंबर 2022 में भूपतिनगर में हुए विस्फोट में शामिल आरोपित तृणमूल कांग्रेस के दो नेताओं बलाई चरण मैती और मोनोब्रत जाना को हिरासत में लेने के बाद लौट रही थी। उस विस्फोट में तीन लोग मारे गए थे। एनआईए ने कहा कि बलाई चरण मैती और मोनोब्रत जाना को जाना के घर सहित पांच स्थानों पर व्यापक तलाशी के बाद गिरफ्तार किया गया। स्थानीय निवासियों की भीड़ ने एनआईए टीम को रोकने की कोशिश की। एजेंसी ने बताया कि एनआईए टीम के एक सदस्य को मामूली चोट आई है और हमलावर भीड़ ने एजेंसी के आधिकारिक वाहन को भी क्षतिग्रस्त कर दिया है। केंद्रीय एजेंसी ने कहा कि मैती और जाना को आतंकवाद फैलाने के लिए देशी बमों के निर्माण और विस्फोट करने की साजिश रचते पाया गया है। एजेंसी ने कहा कि एनआईए ने अपनी जांच में पाया था कि दोनों लोगों ने देशी बम बनाने की साजिश में सक्रिय रूप से भाग लिया था और इसके लिए समर्थन भी दिया था, जिसके कारण शनिवार को तलाशी और गिरफ्तारियां हुईं। इस बीच, भारतीय चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय के माध्यम से पूर्वी मेदिनीपुर जिले के जिला मजिस्ट्रेट से हमले के बारे में विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। पश्चिम बंगाल में तीन महीने में केंद्रीय जांच एजेंसी पर यह दूसरा हमला है।

बेंगलुरु में धार्मिक ...

ऊपर उठाने की कोशिश कर रहे थे, तभी उसका संतुलन बिगड़ गया और वह दुर्घटनाग्रस्त होकर जमीन पर आ गिरा। घटना में किसी को चोट नहीं आई। बाद में ट्रैक्टर और बैलगाड़ियों की मदद से रथ को वापस उसकी मूल स्थिति में लाया गया। हुस्कुर मद्दुरम्मा मेला एक लोकप्रिय वार्षिक रथ उत्सव है, जहां ये रथ मुख्य आकर्षण होते हैं। एक दशक पहले तक, सौ से अधिक रथ इस लोकप्रिय उत्सव की शोभा बढ़ाते थे, लेकिन हाल के वर्षों में यह संख्या भारी गिरावट के साथ केवल 10 से 15 रह गई है।

हताश कांग्रेस गठबंधन की साजिशों को उखाड़ फेकेंगे : सोनोवाल

डिब्रूगढ़ (हिंस)। असमिया विरोधी कांग्रेस के साथ हाथ मिलाने से तथाकथित क्षेत्रीयतावादी नेता लोगों का न्यूनतम् समर्थन भी खो देंगे। हम हताश कांग्रेस और उनके सहयोगियों की साजिश को उखाड़ फेकेंगे। ये बाते केंद्रीय मंत्री और डिब्रूगढ़ लोकसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार सर्बानंद सोनोवाल ने शनिवार को खोवांग विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर आयोजित चुनाव अभियानों के दौरान कही। सोनोवाल का जमीरा टी एस्टेट ऑडिटोरियम के साथ ही विभिन्न स्थानों पर भाजपा व सहयोगी दल असम गण परिषद (अगप) कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने बड़े उत्साह के साथ स्वागत किया। चुनाव अभियान शुरू करने से पहले केंद्रीय मंत्री सोनोवाल ने डिब्रूगढ़ में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ शनिवार को पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर पार्टी का झंडा फहराया। सर्वानंद सोनोवाल ने कहा कि खोवांग (पूर्व में मोरान) विधानसभा क्षेत्र से विधायक के रूप में इस क्षेत्र के लोगों से मिली समर्थन को कभी नहीं भूल सकता। एक समय यह क्षेत्र बाढ़, नदी भू-कटाव आदि जैसी विभिन्न समस्याओं से पीड़ित था,

लेकिन आज इस खोवांग विधानसभा क्षेत्र की तस्वीर काफी बदल गई है। विकास की लहर आज मोरान के हर गांव को छू चुकी है। इसका श्रेय मेरे सहयोगी केंद्रीय राज्य मंत्री और डिब्रूगढ़ के सांसद रामेश्वर तेली और विधायक चक्रधर गोगोई को देना चाहता हूं। यह उनके ईमानदार प्रयासों के कारण है कि आज का मोरान वह नहीं है जो पहले हुआ करता था। भारतीय जनता पार्टी हमेशा स्वदेशी लोगों के प्रति ईमानदार तथा जिम्मेवार रही है। हमारे खिलंजिया लोगों (स्थानीय समुदाय) को 42 अहोम स्वर्गदेवों (राजाओं) का आशीर्वाद प्राप्त है, जो दो महापुरुषों के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विचारों और विशाल आदर्शों से प्रेरित हैं। उनके आशीर्वाद से तथा भाजपा के नेतृत्व में क्षेत्र की प्रगति को कोई नहीं रोक सकता। सर्वांगीण शांति, प्रगति और समृद्धि की इस निरंतर यात्रा को नया आकार देने के लिए मैं दृढ़ संकल्पित हूं। केंद्रीय मंत्री ने आज विभिन्न चुनावी सभाओं में उपस्थित लोगों के साथ विभिन्न विषयों पर प्रत्यक्ष संवाद भी किया। चाय जनजाति तथा नेपाली भाषा में भी बात करते हुए उन्होंने विभिन्न जनजातीय भाषाओं के प्रति रुचि व्यक्त की। इस दौरान उन्होंने कहा कि हमारा यह बहुरंगी समाज सृष्टिकर्ता की महान रचना है, जिसमें सभी जातियां और जनजातियां मिलकर रहती हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी झूठ बोलने वाली पार्टी है। आजादी के बाद से उन्होंने हमें केवल धोखा दिया है। कांग्रेस सिर्फ डराने-धमकाने की राजनीतिक करती है और कांग्रेस का हाथ स्वदेशी लोगों की खून से रंगा हुआ है। ऐसी कांग्रेस को सत्ता में वापस लाना जागरूक तथा समाज हितैषी लोगों का काम नहीं हो सकता है। एक समय असम में क्षेत्रीयतावादी संगठनों ने कांग्रेस का विरोध किया करता था। उनकी भेदभावपूर्ण नीतियों का विरोध किया था, लेकिन अब कुछ तथाकथित क्षेत्रीयवादी संगठनों के उपजे राजनीतिक दलों के नेता भ्रश्टाचारी कांग्रेस का साथ दे रहे हैं। इससे विड़ंबना और क्या हो सकती है। विभिन्न सभाओं में उपस्थित चाय समुदाय को संबोधित करते हुए सोनोवाल ने कहा कि अगर किसी समुदाय के आदर्श व्यक्तियों को उचित सम्मान नहीं दिया जाता है, तो समुदाय का मनोबल कम हो जाता है। कांग्रेस ने इस साधारण तथ्य को क्यों नहीं समझा? संतोष कुमार तप्न, साइमन सिंह हरो, मंगरी ओरांग जैसे चाय आदिवासियों की प्रमुख हस्तियों के नाम भाजपा सरकार के दिनों में ही व्यापक रूप से चर्चा में आए। साइमन सिंह हरो स्पेशल स्कॉलरशिप के तहत कक्षा 10वीं और 12वीं पास करने वाले चाय समुदाय के छात्रों को 10 हजार रुपए दिए गए। दयाल दास पनिका स्वरोजगार योजना के तहत युवाओं को 25-25 हजार रुपए दिए गए। चाय बागान क्षेत्र की लगभग सभी सड़कें पक्की हो चुकी हैं, कई करोड़ रुपए की लागत से मॉडल हाई स्कूल, मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र बनाए गए हैं। यह चाय बागान के लोगों के लिए भाजपा के प्यार का संकेत है। इस दौरान केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल के साथ केंद्रीय राज्य मंत्री रामेश्वर तेली, खोवांग के विधायक चक्रधर गोगोई और पार्टी के सहयोगी और पदाधिकारी मौजूद थे।

पीपीए विधानसभा चुनाव के बाद ही गठबंधन पर विचार करेगी

इटानगर (हिंस)। पीपुल्स पार्टी ऑफ अरुणाचल (पीपीए) ने कहा कि आगामी राज्य विधानसभा चुनाव 2024 के बाद भाजपा नेतृत्व वाले नॉर्थ ईस्ट डेमोक्रेटिक गठबंधन (एनईडीए) के साथ गठबंधन पर विचार किया जाएगा। आज यहां अरुणाचल प्रेस क्लब में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए पीपीए के महासचिव कलिंग जेरांग ने बताया कि हाल ही में हमारी एनईडीए संयोजक हिमंत विश्व शर्मा के साथ बैठक हुई और हमने आगामी विधानसभा चुनाव 2024 में चुनाव के बाद ही गठबंधन को कायम करने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि हम विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा उम्मीदवारों के खिलाफ अपने उम्मीदवार खड़े कर रहे हैं, क्योंकि पीपीए से हमारे विधान सभा सदस्य (एमएलए) की कमी के कारण हमने अपना उम्मीदवार उतारा है। इसलिए चुनाव से पूर्व गठबंधन बनाए रखने और सीट बांटने में विफल रहे। लेकिन हम चुनाव के बाद गठबंधन बनाए रखेंगे। उन्होंने कहा कि पीपीए ने एनईडीए के साथ राज्य में भाजपा के साथ संसदीय चुनाव में गठबंधन बनाए रखने का फैसला किया है, इसलिए हम पश्चिमी अरुणाचल और पूर्वी अरुणाचल संसदीय क्षेत्र दोनों सीटों पर कोई उम्मीदवार नहीं खड़ा कर रहे हैं। पीपीए भाजपा के दोनों सांसद उम्मीदवारों का पूरा समर्थन करेगी। पूर्वी अरुणाचल विधानसभा क्षेत्र में हमारे 8 उम्मीदवार लड़ रहे हैं और वेस्ट अरुणाचल में 4 उम्मीदवार लड़ रहे हैं, वे सभी भाजपा सांसद उम्मीदवारों का समर्थन कर रहे हैं। इसके अलावा पीपीए अपने सभी विधानसभा क्षेत्र के उम्मीदवारों और अपने समर्थकों से दोनों संसदीय सीटों के दोनों भाजपा संसदीय उम्मीदवारों का समर्थन करने की अपील की है। यह बयान पूर्व मुख्यमंत्री पेमा खांडू के उस बयान के बाद आया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि इस बार भाजपा शुद्ध भाजपा विधायकों के साथ सरकार बनाएगी और इसमें अन्य पार्टी के सदस्यों को शामिल नहीं किया जाएगा, क्योंकि, भाजपा पूर्ण बहुमत से जीत रही है।

भय और प्रलोभन में आकर वोट न करें : देवब्रत

काजीरंगा (हिंस)। असम विधानसभा में प्रतिपक्ष कांग्रेस के नेता देवब्रत सैकिया ने वोटरों से अपील की है कि वह राजनीतिक प्रलोभन अथवा भय में आकर मतदान नहीं करें। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग द्वारा निर्धारित आदर्श आचार संहिता के रहते हुए किसी को भय करने की आवश्यकता नहीं है। देवब्रत सैकिया आज काजीरंगा लोकसभा सीट से कांग्रेस की उम्मीदवार रोजलीना तिर्की के समर्थन में चुनावी सभा को संबोधित करने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। देवब्रत सैकिया ने कहा कि काजीरंगा सीट कांग्रेस उम्मीदवार रोजलीना तिर्की काजीरंगा क्षेत्र की हैं, जबकि भाजपा उम्मीदवार तपन गोगोई यहां के रहने वाले नहीं हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी लोगों से किए गए वादे के अनुसार लोगों के खाते में 15 लाख रुपए देने, ढाई करोड़ लोगों को रोजगार देने, एक्सप्रेस हाईवे बनाने, ब्रह्मपुत्र का उत्खनन करने से लेकर तमाम वादे पूरा करने में विफल रही। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं द्वारा लगातार चुनावी आचार संहिता का उल्लंघन किया जा रहा है। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि यह सरकार आशा तथा आंगनबाड़ी कर्मियों को उनका न्यूनतम् मजदूरी देने में भी विफल रही है। पत्रकारों से बातचीत के दौरान कांग्रेस नेता ने भाजपा पर कई आरोप लगाए।

मणिपुर जेल में विस्फोटक बरामद

इंफाल (हिंस)। मणिपुर में भारी मात्रा में जेल विस्फोटक बरामद किया गया है। मणिपुर पुलिस ने आज बताया कि सुरक्षा बलों ने राष्ट्रीय राजमार्ग-37 के किनारे नोनी जिले के नुंगबा थानाक्षेत्र के तहत कंबिरोन गांव के पास पश्चिमी तरफ पहाड़ी ढलान से कुल 41.875 किलोग्राम वजन वाले 335 जेल विस्फोटक बरामद किए।

लोस चुनाव: भारत-म्यांमार और बांग्लादेश की सीमा पर सुरक्षा कड़ी

आइजोल (हिंस)। मिजोरम के मुख्य चुनाव अधिकारी मधुप व्यास ने बताया है कि आसन्न लोकसभा चुनाव के मद्देनजर भारत-म्यांमार तथा भारत-बांग्लादेश सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। भारी मात्रा में सुरक्षा बलों को सीमावर्ती इलाकों में तैनात कर दिया गया है। मिजोरम के पुलिस महानिदेशक अन्य तीन राज्यों के साथ महानिदेशक स्तर की बैठकें कर चुके हैं। वहीं, सीमावर्ती जिलों के डीसी तथा एसपी के साथ भी कई दौर की बैठकें हो चुकी हैं। सीमा पार से किसी भी प्रकार की गड़बड़ी चुनाव के दौरान नहीं हो इसे सुनिश्चित करवाने की कोशिश में की गई है। मुख्य चुनाव अधिकारी मधुप व्यास आज यहां अपने कार्यालय कक्ष में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि राज्य में निष्पक्ष और शांतिपूर्ण तरीके से मतदान कराने की तैयारियां की जा रही है। चालू वर्ष के 6 फरवरी को प्रकाशित मतदाता सूची के अनुसार मिजोरम में 8 लाख 56 हजार मतदाता हैं। उन्होंने कहा कि मतदान के लिए पर्याप्त संख्या में ईबीएम और वीवीपीएटी मशीन तैयार किए गए हैं। छह हजार चार सौ मतदान कर्मियों को तीन चरणों के मतदान का प्रशिक्षण दिया गया है। 58 माइक्रो आब्जर्वर एक आरओ तथा 12 एआरो बनाए गए हैं। कानून की अलग-अलग धाराओं के उल्लंघन के सिलसिले में 280 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया है।

अगरतला में हेरोइन के साथ महिला गिरफ्तार

अगरतला (हिंस)। त्रिपुरा पुलिस ने राजधानी अगरतला के खेजूर बागान इलाके के निकटवर्ती गुआला बस्ती से एक महिला को चार लाख रुपये कीमत की हेरोइन के साथ गिरफ्तार कर लिया। आज यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए त्रिपुरा पश्चिम जिला के पुलिस अधीक्षक डॉ. किरण कुमार ने बताया कि गिरफ्तार महिला लंबे समय से गुप्त रूप से ड्रग्स बेच रही थी। हालांकि, उसे पहले भी गिरफ्तार कर लिया गया था, लेकिन वह जमानत पर रिहा हो गई थी। गिरफ्तार महिला की पहचान कला देवी के रूप में की गई है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि अगरतला शहर के खेजूर बागान इलाके के पास स्थित गुआला बस्ती में एक दुकान से काफी समय से ड्रग्स बेची जा रही है। सूचना के आधार पर महिला के आवास पर छापेमारी की गई। छापामारी के दौरान, उसके पास से एक सौ हेरोइन से भरी छोटी शीशियों और 18 हजार खाली शीशियों के साथ लगभग 33 ग्राम हेरोइन जब्त किया गया। महिला के विरुद्ध एक प्राथमिक की दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू की गई है।

दरंग के पूर्व पुलिस अधीक्षक मोहन राज बर्खास्त

गुवाहाटी (हिंस)। दरंग जिले के पूर्व पुलिस अधीक्षक मोहन राज को असम पुलिस द्वारा सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। राज्य के पुलिस महानिदेशक जीपी सिंह ने आज सोशल मीडिया के जरिए बताया कि भ्रश्टाचार, नारी अपराध तथा बाल अपराध के मुद्दे पर असम पुलिस की शून्य सहनशीलता रही है। मामले की पूरी तरह जांच करने के बाद एपीएस अधिकारी मोहन राज को असम पुलिस की सेवा से न सिर्फ बर्खास्त कर दिया गया है, बल्कि उन्हें किसी भी प्रकार की सेवा के लिए अयोग्य घोषित किया गया है। उल्लेखनीय है कि 2022 में दरंग जिले के धूला में एक नाबालिग घरेलू नौकरानी के साथ दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या के मामले को आत्महत्या करार देने की साजिश में जिले के तत्कालीन पुलिस अधीक्षक मोहन राज को शामिल पाया गया। इस मामले में जिले के एक कार्यकारी मजिस्ट्रेट और तीन डॉक्टरों की भी गिरफ्तारी हो चुकी है। इस मामले को डंठे बस्ते में डाल दिया गया था। लेकिन, मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा द्वारा एसआईटी से मामले की जांच के आदेश दिए

गए। एसआईटी गठित करने के आदेश के बाद से सीआईडी की एक विशेष टीम ने मामले की जांच की। मामले में दोषी पाते हुए मोहन राज को उनकी सेवाओं से बर्खास्त कर दिया गया है। मामले के अन्य आरोपितों के विरुद्ध जांच जारी है।

विश्वनाथ : युवा कवि सैयदा आनोवारा खातून को मिला *सावित्री देवी स्मृति सम्मान*

विश्वनाथ (विभास)। विश्वनाथ चारिआलि असम इकाई की युवा कवियत्री लेखिका, शिक्षिका, प्रचारिका शहर समता महिला काव्य मंच विश्व नाथ इकाई की जिलाध्यक्षा सैयदा आनोवारा खातून की नेतृत्व में सफलता पूर्वक काव्य मंच संचालन करने हेतु शहर समता प्रयागराज (उत्तर प्रदेश) से कुछ दिन पहले मिला *सावित्री देवी स्मृति सम्मान -2024* सैयदा आनोवारा खातून असम इकाई की दूसरी महिला कवियत्री है, जिसे यह सम्मान प्राप्त हूई है। सैयदा आनोवारा खातून एक शिक्षिका है और साथ ही बहुत हिंदी भाषा और हिंदी साहित्य संगठनों के साथ जुड़ी हुई हैं। सैयदा आनोवारा खातून ने 2023 से अपनी लेखन यात्रा शुरू की हैं। सैयदा आनोवारा खातून जी की एक काव्य संग्रह जिंदेगी तेरे लिए 2023 में प्रकाशित हुई है। उत्कृश्ट लेखन के लिए सैयदा जी को अब तक बहुत सारे प्रशस्ति पत्र और सम्मान पत्र भी प्राप्त हुए हैं। अहिंदी भाषी होते हुए भी हिंदी भाषा से प्रेम के कारण ही अपनी कलम हिंदी

में ही चला रही हैं। सैयदा आनोवारा खातून जी की यह सम्मान विश्व नाथ चारिआलि (असम) में खुशी की लहरें छाएं हुए हैं। यह सम्मान सैयदा आनोवारा खातून की अथक प्रयास और परिश्रम के फलस्वरूप प्राप्त हूई है। उनकी इस सम्मान के लिए हम सभी शुभ कामनाएं प्रेषित करते हैं।

बरपेटारोड़ में महिला समिति का गणगौर सिंजारा का आयोजन

बरपेटारोड। बरपेटारोड़ स्थित श्री राधाकृष्ण ठाकुरबाड़ी में धार्मिक महिला समिति बरपेटा रोड ने संयुक्त रूप से मारवाड़ी सम्मेलन महिला शाखा एवं माहेश्वरी महिला समिति के साथ मिलकर 16 दिन की गणगौर के मनमोहक गीत, नृत्य इत्यादि के साथ गणगौर का सिंजारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ गणगौर माता एवं ईसर जी की पूजा-अर्चना करके किया गया। कार्यक्रम के दौरान हाउजी, 1 मिनट गेम, गीत नृत्य, श्लोक व दोहे आदि का रंगारंग कार्यक्रम हुआ। सभी बहनों के लिए अल्पाहार की भी व्यवस्था की गई थी। इस कार्यक्रम में धार्मिक महिला समिति की अध्यक्षा सबिता सराफ, मारवाड़ी सम्मेलन महिला शाखा की अध्यक्षा स्मिता धिरासरिया, माहेश्वरी महिला समिति की अध्यक्षा उर्मिला राठी धार्मिक महिला समिति की सचिव अनु शर्मा, कलावती चौधरी, विनीता चौधरी, गीता धिरासरियी, सुधा सारड़ा, बबिता जैन, ज्ञाना अग्रवाल, रेनू सराफ, तारा सोनी, किरण सोनी, सुमित्रा शर्मा, शांति शर्मा, सुशीला चौधरी, अंजू राठी,वंदना महेश्वरी, सुमिता सराफ, सुमन माहेश्वरी, मंजू जाजोदिया के साथ अतिथि के रूप में दिव्या शर्मा और सोनी शर्मा भी उपस्थित थी, जिन्होनें अपनी सुंदर नृत्य प्रस्तुति से कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। यह कार्यक्रम रंग बिरंगी परिधानों के साथ सजी सभी बहनों की उपस्थिति में बहुत ही सुंदर एवं सुचारु रूप से संपन्न हुआ।

रंगिया में कांग्रेस प्रार्थी माधव राजवंशी का चुनाव प्रचार जोरों पर

रंगिया (विभास)। आगामी लोकसभा चुनाव से पहले दरंग-उदालगुड़ी लोकसभा क्षेत्र के तहत आने वाली कई पंचायतों में प्रचार करने के लिए कांग्रेस पार्टी के संभावित उम्मीदवार माधव राजबंशी आज रंगिया पहुंच कर प्रचार में उतर गए। प्रचार से पहले पत्रकारों से बात करते हुए उम्मीदवार ने भाजपा के खिलाफ भी बात की और कहा कि भाजपा ने हर बैठक में 500 रुपये मजदूरी के एवज में लोगों को इकट्ठा किया है। उन्होंने भाजपा पर मंगलदै निर्वाचन क्षेत्र में मुसलमानों को जबरन पार्टी में शामिल करने का भी आरोप लगाया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने भाजपा शासन में 20 साल तक मंगलदै लोकसभा क्षेत्र पर भी कटाक्ष किया और अरुणोदय योजना और महिलाओं को पैसे देने का झूठा आश्वासन देने के अलावा ज्यादा कुछ नहीं कर सके। उन्होंने निर्वाचन क्षेत्र में कांग्रेस की जीत पर आत्मविश्वास से टिप्पणी की और कहा कि मतदाता भाजपा के झूठे वादों और मामलों की वर्तमान स्थिति और अराजकता से अवगत हो गए हैं। इसलिए भाजपा का पतन और उसकी जीत निश्चित होने का दम भरा।

श्री हनुमान जन्महोत्सव के लिए नई समिति का विस्तार व कार्यभार वितरण

रंगिया। प्रति वर्ष की तरह इस वर्ष भी रंगिया के श्री श्री राधाकृष्ण मंदिर प्रांगण में हनुमान जन्म महोत्सव बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया जाएगा। इस वर्ष मंदिर प्रांगण में 55 वां आयोजन मंदिर संचालन समिति के अध्यक्ष महेश सीकरिया, महामंत्री प्रमोद अग्रवाल, कोषाध्यक्ष प्रदीप जाजोदिया के तत्वावधान में महोत्सव आयोजक समिति के संचालन में आगामी 22-23 अप्रैल 2024 को दो दिवसीय आकर्षक कार्यक्रमो के साथ किया जा रहा है। यह जानकारी महोत्सव आयोजक समिति के अध्यक्ष जितेन्द्र जाजोदिया, सचिव कैलाश छित्रका और कोषाध्यक्ष आशिश लुंडिया द्वारा दी गई है। उन्होंने बताया कि गत 4 अप्रेल की संध्या मंदिर प्रांगण में हुवी सभा में आयोजक समिति को प्रभावी रूप देकर विस्तार किया गया, जिसमे उपरोक्त पदाधिकारी के अलावा उपाध्यक्षद्वय रमेश बजाज व बासुदेव शर्मा, सह सचिवद्वय गोपाल जाजोदिया व आशिक सुरेका के अलावा सभी कार्यक्रमो के सुचारू आयोजन हेतु कई उपसमिति का गठन व कार्यभार वितरित किया गया। महोत्सव के सभी कार्यक्रमो में सभी समाजबंधुओं से सहयोग व उपस्थिति की कामना मंदिर संचालन समिति व आयोजक समिति के साथ सुंदरकांड समिति, रंगिया महिला मंडल, मारवाड़ी सम्मेलन, अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन, मारवाड़ी युवा मंच, रंगिया शाखा व अमृत शक्ति शाखा ने की है।

रंगिया में भाजपा ने मनाया पार्टी का स्थापना दिवस

रंगिया (विभास)। भारतीय जनता पार्टी के उत्तर कामरूप जिलांतर्गत रंगिया नगर मंडल, बरौलिया मंडल और पुबपार मंडल की ओर से शनिवार को पार्टी का स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर रंगिया के मिलनपुर स्थित पार्टी कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष सुबल पाल, मंडल अध्यक्ष सहित भारी संख्या में पार्टी के कार्यकता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ जिलाध्यक्ष द्वारा पार्टी के ध्वजारोहण के साथ सुबह 9 बजे किया गया। इसके पश्चात पार्टी के जिला कार्यालय प्रांगण के सभागार में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, दीनदयाल उपाध्याय और भारत माता के चित्रों पर पुष्प अर्पित किया गया और साथ ही महापुरुषों को स्मरण किया गया। वहीं इस दौरान आयोजित बैठक में उपस्थित वरिष्ठ पदाधिकारियों ने पार्टी का इतिहास के बारे में कार्यकर्ताओं को अवगत कराया। वहीं दूसरी ओर आगामी चुनाव में सभी के सक्रिय सहयोग का आह्वान किया।

तेरापंथ महिला मंडल ने श्री उत्सव मेले का आयोजन किया

गुवाहाटी (विभास)। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में तेरापंथ महिला मंडल गुवाहाटी शाखा ने फैंसी बाजार एमएस रोड स्थित तेरापंथ धर्मस्थल में श्री उत्सव मेले का आयोजन किया। जिसमें समाज की स्वावलंबी महिलाओं ने 47 स्टॉल लगाए। इन स्टॉलो पर डिजाइनदार वस्त्र, आर्टिफिशियल ज्वेलरी, आकर्षक बर्तन, प्रसाधन सामग्री, नमकीन, डिजाइनदार जूते चप्पल, फास्ट फूड आदि सामग्रियां उपलब्ध थी। महिला व पुरुषों ने इन स्टॉलों से काफी खरीदारी भी की। इस अवसर पर श्री उत्सव मेले का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में समाज सेविका माणक देवी सिंघी ने फीता खोलकर किया एवं अपने संबोधन में तेरापंथ महिला मंडल को महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए शुभकामनाएं दी। इससे

पहले तेरापंथ महिला मंडल की बहनों ने णमोकार मंत्र व महिला मंडल गीत का संगान किया। अध्यक्ष अमराव बोथरा ने स्वागत भाषण दिया। इसके अलावा तेरापंथ समाज की विभिन्न संघीय संस्थाओ ने भी अपनी शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर तेरापंथ सभा के अध्यक्ष बजरंग सुराणा, सचिव रायचंद पटावारी, तेरापंथ युवक परिषद के अध्यक्ष जयंत सुराणा,अणुव्रत समिति के सचिव संजय चौरडिया, तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम के अजय भंसाली, तेरापंथ महिला मंडल की राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्या सुचित्रा छाजेड़ का फुलाम गमछा से अभिनंदन किया गया। इस कार्यक्रम की संयोजिका राजश्री दुग्गड, बबीता लुणावत, मीनू दूधोड़िया, समता कुवाड और सुनीता भूतोड़िया थी। कार्यक्रम का संचालन तेरापंथ महिला मंडल की मंत्री ममता दुग्गड़ ने किया।

संपादकीय

मोदी बनाम सुक्खू

हिमाचल में चुनावी बिसात पर इस बार नए दांव पेंच के अलावा केंद्र बनाम राज्य की सीधी टक्कर होने जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगर शतरंज के माहिर खिलाड़ी हैं, तो मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू भी सियासी खेल के उस्ताद तो तसदीक हो चुके हैं। उनके प्रशंसक तथा आलाकमान तक उनके समर्थक यह मानते हैं कि इस बंदे में इतना दम तो है कि यह वीरभद्र सिंह द्वारा बिछाई तमाम सुरंगों तथा दीवारों को लांघ कर स्वीकार्य नेता साबित हुए। सत्ता से पहले संगठन की ताकत में सुक्खू ने अपना जौहर दिखाकर कई किले छीने हैं, लेकिन अब सरकार के दुर्ग को बचाने का इम्तिहान है। बहरहाल हिमाचल में लोकसभा के साथ उपचुनावों का जुडऩा, कहीं तो प्रदेश सरकार की नीति और नीयत को अखाड़े तक ले आया है। हमने इन्हीं कालमों में मुख्यमंत्री के प्रदर्शन का सदैव दो पहलुओं में विश£षण किया है। वह राजनीति के माहिर रहे हैं। वह राजनीति को चलाने का माद्दा व इरादा भी बेहतर रखते हैं, लेकिन सरकार के बीच राजनीति और राजनीति के बीच सरकार को पूर्ण सुरक्षित सांचे में रखने के लिए संतुलन नहीं बना सके। जब सुक्खू सरकार बनी तो मुख्यमंत्री के पक्ष में आस्था के 43 दीप जले थे, जो अब घटकर 34 हो चुके हैं। इसमें दो राय नहीं कि 34 की संख्या को आसानी से 36 या 37 विधायकों तक पहुंचाया जा सकता है, लेकिन बतौर मुख्यमंत्री ऐसी परिस्थिति तक पहुंचना प्रदेश की पूरी राजनीति के लिए घातक है। यहां उनके सवा साल के सफर में मुख्यमंत्री का पद, प्रदेश का शासन तंत्र, प्रशासनिक पकड़, चुनौतियों की राह और पहाड़ी प्रदेश की दुश्वारियों का उल्लेख भी हो रहा है। जाहिर तौर पर सरकार का कद विभिन्न मोर्चों पर दिखाई दिया और व्यवस्था परिवर्तन के मार्गदर्शन पर हिमाचल का नजरिया बदलता हुआ महसूस हुआ। ऐसे में चुनावी दौड़ में हिमाचल अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इतिहास से प्रभावित रहेगा, तो सुक्खू के व्यक्तित्व की धार से भी संबोधित होगा। कम से कम हिमाचल में मोदी को सीधे सुक्खू से टकराना पड़ेगा। इसे हम एक दृष्टि से सुक्खू की बतौर मुख्यमंत्री उपलब्धि तो मान ही सकते हैं, लेकिन दूसरी ओर राजनीतिक घटनाक्रम के अवांछित अध्याय अशांत और रूठे हुए बैठे हैं। कुछ दरारें अब दीवारें बन गईं, लेकिन जमीन का धंसना नहीं रुका। इसमें कोई दो राय नहीं कि सवा साल के परिश्रम में सुक्खू सरकार का आपदा प्रबंधन पूरे देश ने देखा है और जहां केंद्र बनाम हिमाचल के बीच अधिकारों का आमना-सामना भी मुख्यमंत्री को सशक्त बनाता रहा। प्रशासनिक तौर पर कई फैसले सही होंगे, तो कई अन्य नापसंद भी किए गए, लेकिन भूराजस्व महकमे के नजरिए में परिवर्तन लाकर मुख्यमंत्री का रुतबा लोगों का दिल जीत लेता है। जमीनी दस्तावेजों में लंबित इंतकाल और तकसीम मामलों को सुलझाने का रिकार्ड कायम करके साबित कर दिया कि सरकार अगर चाहे तो व्यवस्था परिवर्तन ला सकती है। सुक्खू ने सरकार में अपने हस्ताक्षर प्रशासनिक तौर पर तो सशक्त किए, लेकिन राजनीतिक तौर पर इसकी कीमत तय है। कुछ चुकानी पड़ी, लेकिन कसरतों में अगर वह सफल होते हैं, तो इतिहास उनके साथ खड़ा होगा। कम से कम यह तो आज ही कहा जा सकता है कि हिमाचल में लोकसभा से उपचुनावों तक सुक्खू बनाम मोदी होने जा रहा है। अगर डबल इंजन सरकार का नारा लगा, तो हिमाचली अधिकार तथा आपदा में केंद्र की बेरुखी पर सवाल उठेंगे और अगर केंद्रीय योजनाएं सामने रखी गईं, तो ओपीएस लागू करके सुक्खू आगे खड़े हो जाएंगे। मुकाबले फोरलेन व रेलवे विस्तार की आंखों में आंखें डाल कर वंदे भारत की यात्रा कराएंगे, तब सुक्खू के पैमाने कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार तथा पर्यटन राजधानी तक उतर आएंगे। जो भी हो, मोदी के प्रचार का सामना करने के लिए सुक्खू के पास अपनी सरकार के बचाव के तमाम हथियार मौजूद हैं, लेकिन सत्ता की सेंधमारी में गंवाए छह विधायकों की कचहरी का सामना मुश्किलें पैदा जरूर करेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगर शतरंज के माहिर खिलाड़ी हैं, तो मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू भी सियासी खेल के उस्ताद तो तसदीक हो चुके हैं। उनके प्रशंसक तथा आलाकमान तक उनके समर्थक यह मानते हैं कि इस बंदे में इतना दम तो है कि यह वीरभद्र सिंह द्वारा बिछाई तमाम सुरंगों तथा दीवारों को लांघ कर स्वीकार्य नेता साबित हुए। सत्ता से पहले संगठन की ताकत में सुक्खू ने अपना जौहर दिखाकर कई किले छीने हैं, लेकिन अब सरकार के दुर्ग को बचाने का इम्तिहान है। बहरहाल हिमाचल में लोकसभा के साथ उपचुनावों का जुडऩा, कहीं तो प्रदेश सरकार की नीति और नीयत को अखाड़े तक ले आया है। हमने इन्हीं कालमों में मुख्यमंत्री के प्रदर्शन का सदैव दो पहलुओं में विश£षण किया है। वह राजनीति के माहिर रहे हैं। वह राजनीति को चलाने का माद्दा व इरादा भी बेहतर रखते हैं, लेकिन सरकार के बीच राजनीति और राजनीति के बीच सरकार को पूर्ण सुरक्षित सांचे में रखने के लिए संतुलन नहीं बना सके।

प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर में श्रीराम लला के विग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा के पश्चात प्रत्येक दिन औसतन 2 लाख से अधिक श्रद्धालु अयोध्या पहुंच रहे

भारतीय अर्थव्यवस्था लम्बी छलांग लगाने को तैयार

प्रह्लाद सबनानी

वित्तीय संस्थानों ने भी वर्ष 2024 के लिए भारत की आर्थिक विकास दर के सम्बंध में अपने अनुमानों को बेहतर किया है, परंतु अभी भी इन संस्थानों के यह अनुमान वास्तविक आर्थिक विकास दर की तुलना में बहुत कम हैं। दरअसल, विदेशी आर्थिक एवं वित्तीय संस्थानों द्वारा विशेष रूप से भारत की आर्थिक विकास दर को आंके जाने के सम्बंध में उपयोग किए जा रहे मॉडल अब बोथरे साबित हो रहे हैं।

वित्तीय वर्ष 2023-24 की तृतीय तिमाही (अक्टोबर-दिसम्बर 2023) में भारत में आर्थिक विकास की दर 8.4 प्रतिशत रही है। कुछ विदेशी अर्थशास्त्री भारत की आर्थिक विकास दर को कमतर आंकते हुए दिखाई दे रहे हैं जबकि यह लगातार तिमाही दर तिमाही आगे बढ़ती ही जा रही है। अब तो विश्व की कई आर्थिक एवं वित्तीय संस्थानों ने भी वर्ष 2024 के लिए भारत की आर्थिक विकास दर के सम्बंध में अपने अनुमानों को बेहतर किया है, परंतु अभी भी इन संस्थानों के यह अनुमान वास्तविक आर्थिक विकास दर की तुलना में बहुत कम हैं। दरअसल, विदेशी आर्थिक एवं वित्तीय संस्थानों द्वारा विशेष रूप से भारत की आर्थिक विकास दर को आंके जाने के सम्बंध में उपयोग किए जा रहे मॉडल अब बोथरे साबित हो रहे हैं। हाल ही के समय में भारत के नागरिकों में "स्व" का भाव विकसित होने के चलते देश में धार्मिक पर्यटन बहुत तेज गति से बढ़ा है। उदाहरण के लिए अयोध्या धाम में प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर में श्रीराम लला के विग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा के पश्चात प्रत्येक दिन औसतन 2 लाख से अधिक श्रद्धालु अयोध्या पहुंच रहे हैं। यह तो केवल अयोध्या की कहानी है इसके साथ ही काशी विश्वनाथ मंदिर, उज्जैन में महाकाल लोक, जम्मू स्थित वैष्णो देवी मंदिर, उत्तराखंड में केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री एवं यमनोत्री जैसे कई मंदिरों में श्रद्धालुओं की अपार भीड़ उमड़ रही है। भारत में धार्मिक पर्यटन में आई जबरदस्त तेजी के बदौलत रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित हो रहे हैं, जो देश के आर्थिक विकास को गति देने में सहायक हो रहे हैं। परंतु, यह तथ्य विदेशी आर्थिक एवं वित्तीय संस्थानों को दिखाई नहीं दे रहा है, जो कि केवल भारत की ही विशेषता है। उक्त तथ्यों के अतिरिक्त अन्य कई कारक भी भारत की आर्थिक विकास दर को अब 9 से 10 प्रतिशत की सीमा में ले जाने को तैयार दिखाई दे रहे हैं। आज भारतीय अर्थव्यवस्था की तुलना में भारत से आगे चल रही विश्व के अन्य देशों की अर्थव्यवस्थाओं की विकास दर में ठहराव आ गया है। जैसे अमेरिका एवं यूरोप की अर्थव्यवस्थाएं आगे आने वाले समय में प्रतिवर्ष केवल 2 अथवा 3 प्रतिशत की दर से ही आगे बढ़ पाएंगी। इसी प्रकार चीन की अर्थव्यवस्था भी अब ढलान पर दिखाई दे रही है। जापान एवं जर्मनी की अर्थव्यवस्थाओं में तो आर्थिक मंदी देखी जा रही है। इस प्रकार

विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में भारत के अमृत काल में केवल भारतीय अर्थव्यवस्था ही तेज गति आगे बढ़ती दिखाई दे रही है। वैसे भी भारत में अमृत काल तो अभी शुरू ही हुआ है एवं यह अगले 23 वर्षों अर्थात वर्ष 2047 तक यह खंडकाल जारी रहेगा। कुछ अर्थशास्त्री तो भारत के अमृत काल के बाद भी भारतीय अर्थव्यवस्था के इसी तरह तेज गति से आगे बढ़ते रहने की संभावनाएं व्यक्त कर रहे हैं क्योंकि भारत में वर्ष 1991-92 में प्रारम्भ किए आर्थिक एवं वित्तीय क्षेत्र के सुधार कार्यक्रम को अब 32 वर्ष पूर्ण हो गए हैं, हालांकि वर्ष 1991-92 के बाद भी भारत में आर्थिक एवं वित्तीय क्षेत्रों में सुधार कार्यक्रम लगातार जारी रहे हैं। अतः स्थिर हो चुके इन सुधार कार्यक्रमों के फल खाने का समय अब आ गया है। भारत द्वारा वर्ष 1947 में राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात, पिछले 77 वर्षों के दौरान भारत में लोकतंत्र लगातार मजबूत हुआ है एवं आज पूरे विश्व में भारत इस दृष्टि से प्रथम पायदान पर खड़ा है। भारत में लोकतंत्र के लगातार मजबूत होते जाने से विदेशी निवेशकों का भारत में विश्वास बढ़ा है जिसके चलते भारत में उद्योग जगत को पूंजी की कमी नहीं के बराबर रही है। पर्याप्त पूंजी की उपलब्धता के चलते भारत में आर्थिक विकास को गति ही मिली है। भारत में लगातार तेज हो रही आर्थिक विकास की दर के कारण भारत में बिलिनियर (100 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की सम्पत्ति वाले नागरिक) की संख्या में सुधार हुआ है। पिछले वर्ष भारत में 94 नए बिलिनियर बने हैं। जबकि चीन में 115 बिलिनियर कम हुए हैं। विश्व में बिलिनियर की संख्या के मामले में भारत चीन एवं अमेरिका के बाद तीसरे स्थान पर आ गया है। भारत में आज 271 बिलिनियर हैं जबकि चीन में 814 एवं अमेरिका में 800 बिलिनियर हैं। मुंबई महानगर में तो अब 92 बिलिनियर निवास कर रहे हैं, जो चीन के बीजिंग महानगर के 91 बिलिनियर से अधिक है। इस प्रकार अब एशिया के किसी भी महानगर में सबसे अधिक बिलिनियर भारत के मुंबई महानगर में निवास कर रहे हैं। पूरे विश्व भारत के मुंबई महानगर से आगे अब केवल अमेरिका का न्यूयॉर्क महानगर (119 बिलिनियर) एवं ब्रिटेन का लंदन महानगर (97 बिलिनियर) ही है। वर्ष 2022-23 में चीन में बिलिनियर की संख्या घटी है। चीन में बिलिनियर की सम्पत्ति 15 प्रतिशत से कम हुई है। जबकि भारत में बिलिनियर की सम्पत्ति में वृद्धि दर्ज हुई है। यह भारत में तेज गति से हो रहे आर्थिक विकास दर के चलते सम्भव हो सका है। एक और कारक जो आगे आने वाले समय में भारत की आर्थिक विकास दर को लगातार उच्च स्तर पर बनाए रखने में सहायक हो सकता है वह है भारत में प्रति व्यक्ति वार्षिक औसत आय का लगभग 2500 अमेरिकी डॉलर का होना है जो चीन में 13,000 से 14,000 अमेरिकी डॉलर के एवं दक्षिणी कोरीया में 32,000 से 33,000 अमेरिकी डॉलर के बीच की तुलना में बहुत कम है। इस दृष्टि से भारत को अभी बहुत आगे तक जाना है और यह केवल आर्थिक विकास की औसत दर को 10 प्रतिशत प्रतिवर्ष के आसपास बनाए रखने से ही सम्भव होगा। इस प्रकार भारतीय नागरिकों में अपनी औसत आय को विकसित देशों की तुलना में बेहतर करने की अभी बहुत गुंजाइश है और यह भावना भारत की आर्थिक विकास दर को बढ़ाए रखने में सहायक होगी। दूसरे, भारत में तकनीकी क्षेत्र विशेष रूप से सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विकास की दर बहुत प्रभावकारी है, डिजिटल क्षेत्र में तो भारत आज पूरे विश्व को ही राह दिखाता नजर आ रहा है। सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विकास के चलते भारत में विभिन्न क्षेत्रों में श्रमिकों, व्यवसाइयों, प्रबंधकों, कृषकों आदि की उत्पादकता में भी सुधार दृष्टिगोचर है जो निश्चित ही भारत में आर्थिक विकास की गति को तेज करने में सहायक होगा। आज अमेरिका एवं कनाडा में निवासरत एवं सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कार्य कर रहे भारतीय मूल के नागरिक वापिस भारत आकर बसने के बारे में गम्भीरता से विचार कर रहे हैं क्योंकि अब अमेरिका एवं अन्य विकसित देशों की तुलना में भारत में लगातार तेज हो रही आर्थिक विकास की दर उन्हें आकर्षित कर रही है।

दृष्टि कोण

विद्यार्थियों के लिए फिटनेस कार्यक्रम जरूरी

वर्षों से स्कूली स्तर पर फिटनेस कार्यक्रम शुरू करने की बात इस कॉलम के माध्यम से हो रही है, मगर हिमाचल प्रदेश का कोई भी सरकारी या निजी स्कूल अपने यहां फिटनेस कार्यक्रम लागू करने में नाकाम रहा है। कई बार नए शिक्षा सत्र शुरू होकर खत्म हो गए, मगर फिटनेस कार्यक्रम कहीं भी शुरू नहीं हो पाया है। मगर इस वर्ष हिमाचल प्रदेश सरकार ने राज्य के विद्यालयों में विद्यार्थियों की सामान्य फिटनेस के लिए पहले की तरह अनिवार्य रूप से ड्रिल के पीरियड का प्रावधान किया है। शिक्षण विषयों के रिपोर्ट कार्ड की तरह स्वास्थ्य के मानकों का रिपोर्ट कार्ड भी प्रत्येक विद्यार्थी का हर स्कूल में अनिवार्य रूप से हो, क्योंकि भाषा व अन्य शिक्षण विषयों की तरह ही स्वास्थ्य के मूल स्तंभ स्पीड, सट्रेंथ, इडोरैंस व लचक आदि का प्रायोगिक प्रशिक्षण भी उसी उम्र में शुरू करना होता है। शिक्षण विषयों के लिए तो स्कूलों के पास शिक्षक सहित पूरा प्रबंध है, मगर स्वास्थ्य के घटकों को विकसित करके उनका मूल्यांकन करने की कोई भी सुविधा आज तक उपलब्ध नहीं हो पाई है। इस कॉलम के माध्यम से कई बार इस विषय पर स्कूलों व अभिभावकों को चेताया जा चुका है, मगर कोई भी समझने के लिए तैयार नहीं है। किसी भी देश को इतनी क्षति युद्ध या महामारी से नहीं होती है, जितनी तबाही नशे के कारण हो सकती है। आज जब देश के अन्य राज्यों सहित हिमाचल प्रदेश में भी नशा युवा वर्ग पर ही नहीं किशोरों तक चरस, अफीम, स्मैक, नशीली दवाओं तथा दूरसंचार के माध्यमों के दुरुपयोग से शिकंजा कस रहा है, इसलिए सरकार, स्कूल प्रबंधन व अभिभावकों को इस विषय पर जरूरी कदम जल्दी ही उठा लेने चाहिएं। यदि विद्यार्थी किशोरावस्था में नशे से बच जाता है तो वह फिर युवावस्था आते-आते समझदार हो गया होता है। माध्यमिक से वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों को विभिन्न विधाओं में व्यस्त रखने के साथ-साथ शारीरिक फिटनेस की तरफ मोडऩा बेहद जरूरी हो जाता है। मानव का सर्वांगीण विकास शिक्षा के बिना अधूरा है। शिक्षा की परिभाषा में साफ-साफ लिखा है कि यहां शारीरिक व मानसिक दोनों तरह से बराबर विद्यार्थियों का विकास करना है जिससे वे आगे चलकर जीवन को सफलतापूर्वक खुशहाल जी सकें। शारीरिक विकास के लिए खेलों के माध्यम से फिटनेस कार्यक्रम बहुत जरूरी हो जाता है। खेल ही वह माध्यम है जिसके द्वारा विद्यार्थी को नशे से दूर रखा जा सकता है। पड़ोसी राज्य पंजाब एक समय

तरक्की में देश का अग्रणी राज्य रहा है। खेलों में उत्कृष्टता उस प्रदेश की तरक्की व खुशहाली का भी पैमाना होती है। पंजाब में हजारों प्रशिक्षक विभिन्न खेलों में खेल प्रशिक्षण के लिए नियुक्त होने के साथ-साथ खेल प्रशिक्षण के लिए आधारभूत ढांचा होना वहां के विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का प्रमुख कारण रहा था। बाद में जब पंजाब धीरे-धीरे खेलों से दूर हुआ तो पहले वहां आतंकवाद और फिर आजकल पंजाब नशे का अड्डा बना हुआ है। यही कारण है कि हर क्षेत्र में आज हरियाणा पंजाब से काफी आगे निकल गया है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने एशियाई, राष्ट्रमंडल व ओलंपिक खेलों में पदक विजेता होने पर खिलाडिय़ों को करोड़ों रुपए के नगद ईनाम व सम्मानजनक नौकरी देकर हरियाणा में खेलों के लिए बहुत ही उपयुक्त वातावरण तैयार किया है। उसी का नतीजा है कि आज हरियाणा का हर किशोर व युवा किसी न किसी खेल के मैदान में नजर आता है। हिमाचल प्रदेश में भी पूर्व मुख्यमंत्री प्रोफेसर प्रेम कुमार धूमल ने प्रदेश की खेलों के लिए अपने पहले कार्यकाल से ही कई महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए हिमाचल प्रदेश में कई खेलों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्ले फील्ड, सरकारी नौकरियों में तीन प्रतिशत आरक्षण तथा देश में प्रशिक्षक कैडर डाईंग हो जाने के बाद पहली बार प्रशिक्षकों की भर्ती जैसे बहुत बड़े खेल सुधार किए। हिमाचल प्रदेश की खेल सुविधाओं का प्रयोग राज्य में स्वास्थ्य व खेलों के लिए बड़े स्तर पर करना चाहिए। हिमाचल प्रदेश इस समय शिक्षा के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में गिना जाता है। पिछले कुछ दशकों से हिमाचल प्रदेश के नागरिकों की फिटनेस में बहुत कमी आई है। इसका प्रमुख कारण विद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों के लिए किसी भी प्रकार के फिटनेस कार्यक्रम का न होना है। रट्टे वाली पढ़ाई की होड़ में हम विद्यार्थियों की फिटनेस को ही भूल गए हैं। हिमाचल प्रदेश की अधिकांश आबादी गांव में रहती थी।

कुछ अलग

छिलकों की छाबड़ी

मैं बालों की समस्या से परेशान हो गया हूं। इधर बीस वर्ष पूर्व मेरे बाल काले हुआ करते थे। इधर अब हाल यह हो गया है कि सिर के बाल काले और सफेद मिलकर अजीब तरह की खिचड़ी बन गए हैं। दाढ़ी की सफेदी को तो मैंने रोज शेव बनाकर सलटा दिया है, परंतु ये सिर के बाल मेरी पोल खोलने पर तुले हुए हैं। पत्नी और बच्चे सदैव यह कहते रहते हैं कि मैं समय रहते इनका कोई स्थायी समाधान निकालूं, परंतु मेरा दिमाग बिल्कुल काम नहीं कर रहा। इन बालों की वजह से मेरा चेहरा भी बदल गया है। उम्र ने तो खैर चेहरे का भूगोल बदला ही है, रही-सही कसर बालों ने पूरी कर दी है। बाल भी सख्त होकर खड़े हो गए हैं तथा उनका रेशमीपन जाता रहा है। इस पचपन वर्ष की उम्र ने मुझे लगभग जोकर सा बना दिया है। मेरे बालों को लेकर डॉक्टरों ने तो अपने हाथ खड़े कर दिए हैं, परंतु टीवी पर आने वाले साबुनों, शैम्पुओं तथा डाइयों के विज्ञापनों ने मुझ में एक उम्मीद अवश्य जगा रखी है। बाल तो बदरंग हुए ही, मुझे जबरदस्त डैंड्रब का रोग अलग से है। हमेशा बालों के ऊपर एक गर्द सी छाई रहती है। पत्नी ने अवश्य पचास की होने के बावजूद अपने बालों को मेनटेन कर रखा है। पता नहीं दिनभर क्या-क्या उपाय करती है, जिससे उसके बाल रेशमी, मुलायम, काले और आकर्षक हैं। हालांकि यह कार्य काफी व्ययसाध्य हो रहा है, परंतु स्टेटस के लिए पत्नी को आकर्षक बनाए रखना आज की महती आवश्यकता भी है। मेरे खिचड़ी और भद्दे बालों के कारण वह बाजार, पार्टी अथवा किसी समारोह में न तो मेरे साथ जा पाती है और न अपने साथ मुझे ले जा पाती है। अजीब सी ऊहापोह बन गए हैं मेरे सिर के बाल। विज्ञापनों में आने वाले साबुन, शैम्पू, तेल और डाई रोगन इतने प्रकार के हैं कि तय करना मुश्किल है कि कौनसा साधन सस्ता, टिकाऊ और आकर्षक रहेगा। किसी में क्या विशेषता है तो किसी में क्या कमी है, इस चक्कर में कोई सर्वमान्य निर्णय नहीं कर पा रहा हूं। बच्चों का तो सुझाव यह है कि मैं बालों में कलर करवाकर इस समस्या को ढक सकता हूं, लेकिन पत्नी कहती है कि पहले बालों को ऐसा पोषण दो ताकि ये शूल की तरह खड़ा रहना बंद करें। जब पोषण से ये सतह पर आ जाएं तो इन्हें खूबसूरती से काला करो। मैंने पत्नी को समझाया भी कि जब ये काले थे, तब चेहरे का काला रंग और इनका काला रंग मिलकर क्या गुल खिला रहे थे, इससे तुम अनभिज्ञ नहीं हो। इसलिए बच्चों का कलरिंग वाला आइडिया उचित रहेगा, लेकिन पता नहीं वह क्यों बालों को काला करवाने पर तुली है। मेरे ये बाल अनचाहे बाल बन गए हैं, इस तरह मैं अनचाहे बालों की समस्या से ग्रस्त हूं। एक दिन मैंने विशुद्ध मेहंदी का प्रयोग कर उन्हें नए रूप में देखना चाहा तो वे और अधिक भयावह बन गए। पत्नी ने उसी दिन कहा काली मेहंदी लगाकर और देख लो, यदि ये लुभावने हो जाते हैं तो ठीक है, वरना अपन कोई और आयुर्वेदिक उपाय खोजेंगे। मैंने काली मेहंदी लगाई तो जिसका डर था, वही हुआ, मैं लगभग लंगूर जैसा बन गया। बच्चे हंसने लगे। पत्नी ने उन्हें इस बदतमीजी के लिए डांटा और मुझे आंवला, अरीठा तथा दही से बाल धोने का नुस्खा दिया। मैंने कहा, खाने को दही मिलता नहीं और बालों को दही से सींचो, कितनी असंगत बात है। लेकिन पत्नी के कथन की अनदेखी भी नहीं की जा सकती थी। अतः दो माह तक शीतकाल में मैंने आंवला, अरीठा और दही का प्रयोग किया तो मेरे ठंड ऐसी जमी कि इस उपचार को बंद करके, मैं डॉक्टर की तरफ कफ-खांसी और ज्वर की दवा लेने दौड़ा। दफ्तर से छुट्टी ली, वह अलग थी। पूरे एक सप्ताह बाद जब नाक बहना बंद हुआ तो पत्नी ने मेरे बालों पर एक और नया प्रयोग करने का सुझाव दिया।

देश दुनीया से

वोट में तब्दील होने वाले मुद्दों की तलाश बड़ी चुनौती

लोकसभा के सातों चरणों के मतदान तक राजनीतिक दलों द्वारा चुनाव रैलियों, रोड़ शो सहित विभिन्न मंचों से एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी रहेगा। सौ टके का सवाल यह है कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के चुनावों में चुनाव अभियान के दौरान आखिर मुख्य मुद्दे क्या बनेंगे ? हाल ही पांच विधान सभा चुनावों के दौरान गांरटियों की खूब चर्चाएं रही। एक तरफ गांरटियां थी तो दूसरी और बीजेपी ने मोदी को ही गारंटी बताकर प्रचारित किया। दरअसल देखा जाएं तो पिछले कुछ चुनावों से चाहे वे लोकसभा के हो या विधानसभाओं के चुनाव हो, सीधे जनता से जुड़े मुद्दें तो कहीं नेपथ्य में ही रह जाते हैं। तस्वीर का एक पक्ष यह भी है कि जनता से जुड़े मुद्दों को आमजनता भी अब मुद्दे या चुनावी एजेंडा नहीं मानने लगी है।

18वीं लोकसभा के चुनावों का बिगुल बज चुका हैं वहीं पहले चरण की 102 सीटों के लिए नामांकन का कार्य पूरा होने के साथ ही एनडीए ने 31 मार्च को मेरठ और इंडी गठबंधन ने नई दिल्ली से चुनावी केंपेन का आगाज कर दिया है। लोकसभा के सातों चरणों के मतदान तक राजनीतिक दलों द्वारा चुनाव रैलियों, रोड़ शो सहित विभिन्न मंचों से एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी रहेगा। सौ टके का सवाल यह है कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के चुनावों में चुनाव अभियान के दौरान आखिर मुख्य मुद्दे क्या बनेंगे ? हाल ही पांच विधान सभा चुनावों के दौरान गांरटियों की खूब चर्चाएं रही। एक तरफ गांरटियां थी तो दूसरी और बीजेपी ने मोदी को ही गारंटी बताकर प्रचारित किया। दरअसल देखा जाएं तो पिछले कुछ चुनावों से चाहे वे लोकसभा के हो या विधानसभाओं के चुनाव हो, सीधे जनता से जुड़े मुद्दें तो कहीं नेपथ्य में ही रह जाते हैं। तस्वीर का एक पक्ष यह भी है कि जनता से जुड़े मुद्दों को आमजनता भी अब मुद्दे या चुनावी एजेंडा नहीं मानने लगी है। इसका कारण भी कुछ और ही होता जा रहा है। किसी जमाने में गरीबी हटाओं या भ्रष्टाचार मिटाओं या महंगाई या बेरोजगारी तो सकारात्मक प्रचार अभियान में विकास की बात आदि मुद्दे महत्वपूर्ण होते थे पर अब देखा जाए तो यह मुद्दे वोट में तब्दील नहीं हो पा रहे हैं। पिछले चुनावों के अनुभव हमारे सामने हैं। दरअसल अब नकारात्मक प्रचार राजनीतिक दलों पर उलटा पड़ने लगा है। पिछले दो लोकसभा के चुनावों में चौकीदार, सेना के साक्ष्य, चाय वाला आदि ऐसे वक्तव्य रहे जिसका जितना अधिक उपयोग हुआ वह भाजपा और नरेन्द्र मोदी के पक्ष में ही गया। दरअसल अब वोट विश्वसनीयता यानी की भरोसे और वोल्डनेस पर पड़ने लगे हैं। एक बात यह भी महत्वपूर्ण हो जाती है कि आजादी के 75 साल बाद भी किसी दल का वोट प्रतिषत 50 प्रतिशत का आंकड़ा छू नहीं पाया है। दूसरी और चुनाव आयोग द्वारा लाख प्रयासों के बाद भी 100 में से 33 प्रतिशत मतदाताओं को मतदान केन्द्र पर मतदान के लिए ले जाने में हम सफल नहीं हो पा रहे हैं। खैर यह अलग विचारणीय मुद्दे हैं। विपक्ष के प्रयास है कि सत्तारुढ़ द्वारा संबैधानिक संस्थाओं यथा ईडी, आईटी आदि जांच एजेंसियों का हथियार के रुप में उपयोग, चुनावी बॉण्ड, बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार आदि को प्रभावी तरीके से चुनावी मुद्दा बनाया जाये पर अभी तक जो दिखाई दे रहा है उसमें साफ है कि यह मतदाताओं को प्रभावित करने वाले मुद्दे बन नहीं पा रहे हैं। इसका एक प्रमुख कारण तो विपक्षी खासतौर से इंडी के दलों का जुड़ना बिखरना जारी है। एक तरफ ममता पं.बगांल में कांग्रेस द्वारा वामपंथी दलों के साथ तालमेल कर चुनाव लड़ने को खुले आम भाजपा को लाभ बताने वाला निर्णय बता रही हैं वहीं बिहार, महाराष्ट्र, दिल्ली में कांग्रेस का छोटे पार्टनर के रुप में सामने आने, पंजाब में आप से सीटों के बंटवारें को लेकर समझौता ही नहीं होने, बसपा का अलग रुख, अजित जनता दल का बीजेपी के साथ आना, ओडीसा में बीजद सहित विरोधाभास सामने आ रहे हैं। वहीं दिल्ली की रैली से साफ हो जाता है कि विपक्ष का जो पैनापन होना चाहिए था वह लगभग असरदार नहीं दिखा। चुनावी बॉण्ड का मुद्दा जिस तरह से उछला वह अपनी धार नहीं दिखा पाया क्योंकि चुनावी चंदा सभी ने लिया चाहे वो कम हो या ज्यादा। दूसरी बात आमजन का यह सोच माना जा सकता है कि सभी राजनीतिक दल चुनावी चंदा लेते हैं और साफ है कि इसका

फायदा सत्तारुढ़ दल को अधिक ही मिलता है। चंदा देने वाला अपने निहितार्थ देखता है और यही कारण है कि वह सत्तारुढ़ दल को अधिक चंदा देता है। इसलिए जिस तरह से यह बड़ा मुद्दा बनने की संभावना देखी जा रही थी वह कहीं पीछे ही रह गई। इसी तरह से केजरीवाल सहित आप नेताओं पर ईडी छापों और जेल का मुद्दा भी अधिक असर दिखाता नहीं लग रहा। इसका कारण भी साफ है कि केजरीवाल जो भ्रष्टाचार के खिलाफ ही सत्ता में आये थे पहलीबात तो उनके नेताओं पर शराब ठेकों में भ्रष्टाचार के आरोप लगे, दूसरी और बार बार सम्मन आने पर भी रेस्पांस नहीं करने और गिरफ्तारी के बाद भी पद पर बने रहने का आमजन में अभी तो नकारात्मक असर ही दिखाई दे रहा है। इस मामलें में लोग लालू की बड़ाई करने लगे हैं कि लालू ने गिरफ्तार होते ही अपना पद त्याग दिया और भले ही राबड़ी देवी को मुख्यमंत्री बनाया पर पद की गरिमा को तो बनाये रखा। केजरीवाल द्वारा बार बार सम्मन की अवहेलना करने और त्यागपत्र नहीं देने से लोगों में केजरीवाल के पदलोलुपता का संदेश गया अन्यथा निश्चित रुप से केजरीवाल के प्रति सहानुभूति होती और इसका लाभ समस्त विपक्ष को मिलता पर लगता है एक अच्छा अवसर खो दिया गया है।

आप का नजरीया

बाबा 'एलोपैथी' विरोधी क्यों?

बाबा रामदेव कई मायनों में श्रद्धेय हैं। कमोबेश इस दौर के 'योग-पुरुष' हैं, जिन्होंने एक कड़ी साधना को इतना आसान बना दिया है कि औसत पार्क या सभा-स्थलों पर असंख्य लोग योगासन करते देखे जा सकते हैं। नतीजतन स्वास्थ्य में भी सुधार हो रहा है। ऐसे 'योग-साधक' को सर्वोच्च अदालत में माफीनामा देना पड़े और न्यायिक पीठ उसे स्वीकार करने के बजाय महज 'जुबानी जमा खर्च' करार दे, तो शीर्ष अदालत की इस कड़ी चेतावनी को समझना बेहद जरूरी है। बाबा की कंपनी 'पतंजलि आयुर्वेद' एक लंबे समय से भ्रामक प्रचार करती रही है कि उसके पास ग्लूकोमा, मधुमेह, रक्तचाप, अर्थराइटिस और अस्थमा सरीखी घातक बीमारियों के स्थायी इलाज हैं। दरअसल बाबा रामदेव ही पतंजलि के उत्पादों के सार्वजनिक चेहरा हैं। विज्ञापनों में वह दावे करते देखे जा सकते हैं कि उनकी औषधियां साक्ष्य आधारित, शोधपरक और लोगों पर परखी जा चुकी हैं। इन विज्ञापनों के व्यापक प्रभाव भी होते हैं, क्योंकि करोड़ों लोगों की बाबा में आस्था है। बाबा के दावों को सच मानते हुए असंख्य लोग पतंजलि की दवाएं खरीदते और इस्तेमाल करते हैं। नतीजतन आज बाबा की कंपनियों का टर्नओवर हजारों करोड़ रुपए है। पतंजलि दवाओं के प्रचार करने के साथ-साथ बाबा रामदेव आधुनिक चिकित्सा प्रणाली 'एलोपैथी' के खिलाफ विष-वमन भी करते रहे हैं। बाबा ऐसा क्यों करते हैं? पतंजलि के अलावा, झंडु, बैद्यनाथ, हमदर्द, डाबर आदि प्रख्यात कंपनियां भी आयुर्वेद औषधियों का व्यापक स्तर पर उत्पादन करती हैं। उन्होंने तो कभी भी 'एलोपैथी' के खिलाफ जहर नहीं उगला। सर्वोच्च अदालत ने इस भ्रामक और गलत प्रचार के लिए बाबा रामदेव को मना भी किया था, लेकिन बाबा और पतंजलि समूह के प्रबंध निदेशक आचार्य बालकृष्ण देश की शीर्ष अदालत के निर्देशों का ही उल्लंघन करते रहे हैं। बाबा के आयुर्वेद बनाम एलोपैथी की यह लड़ाई, 'इंडियन मेडिकल एसोसिएशन' के जरिए, बीते दो सालों से सर्वोच्च अदालत के विचाराधीन है। अब बात बाबा के माफीनामे से भी आगे निकल चुकी है। मौजूदा दौर जीवन-शैली के रोगों का है, लिहाजा योग, आयुर्वेद, शरीर को विष-मुक्त करना और हर्बल थेरेपी आदि ज्यादा लोकप्रिय हैं। लोग उनके जरिए स्वास्थ्य-लाभ पा रहे हैं। देश की मोदी सरकार ने भी आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी, योग और सिद्ध आदि चिकित्सा प्रणालियों का एक ही मंत्रालय-आयुष-में विलय कर दिया है। 'जन औषधि केंद्रों' के जरिए जेनरिक दवाएं भी लोगों को उपलब्ध कराई जा रही हैं। बेशक स्वास्थ्य की देखभाल में इन प्राचीन चिकित्सा प्रणालियों की अपनी महत्वपूर्ण भूमिका रही है, लेकिन बाबा जैसे पैरोकार आधुनिक चिकित्सा प्रणाली 'एलोपैथी' को गालियां देते हुए अथवा जहर बेचने वाले करार देकर अपने 'आयुर्वेद' को नहीं बेच सकते। जिस देश में नीमहकीमी और विज्ञान-विरोधी मानसिकता अनियंत्रित हो, उसमें नियामक प्रोटोकॉल से कोई भी समझौता नहीं किया जा सकता। नियामक संस्थाएं पतंजलि की औषधियों की जांच करें। यह उनका संवैधानिक अधिकार भी है। जांच की प्रक्रिया के बाद अपने निष्कर्ष देश के सामने रखें कि पतंजलि की दवाओं का सच क्या है? बाबा रामदेव देश, उसके संविधान और कानून से ऊपर नहीं हो सकते।

कांग्रेस की सोच पर मुस्लिम लीग और वामपंथी हावी : मोदी

सहारनपुर (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यहां कहा है कि शक्ति उपासना हमारी स्वाभाविक आध्यात्मिक यात्रा का हिस्सा है, मगर इंडी एलायंस के लोग खुलेआम चुनौती दे रहे हैं कि उनकी लड़ाई शक्ति के खिलाफ है। उन्हें शायद नहीं पता कि जिन लोगों ने शक्ति को नष्ट करने प्रयास किया है, उनका क्या हाल हुआ है वो इतिहास और पुराणों में अंकित है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सोच पर मुस्लिम लीग और वामपंथी हावी हो चुके हैं। भारत की आजादी की लड़ाई लड़ने वाली कांग्रेस दशकों पहले ही खत्म हो चुकी है। प्रधानमंत्री मोदी शनिवार को सहारनपुर में विशाल जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सहारनपुर से बीजेपी उम्मीदवार राघव लखन पाल और कैराना से उम्मीदवार प्रदीप चौधरी के लिए जनता से रिकॉर्डतोड़ वोटों से जीत दिलाने की अपील की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज भाजपा का स्थापना दिवस है। बहुत कम दशकों में ही भाजपा के साथ रिकॉर्ड संख्या में देशवासी जुड़े हैं। भाजपा ने लोगों का भरोसा जीता है। इसका सबसे बड़ा कारण है कि भाजपा राजनीति नहीं राष्ट्रनीति पर चलती है। हमारे लिए देश और देशहित से बड़ा कुछ नहीं है। उन्होंने कहा कि गरीब कल्याण हमारे लिए चुनावी घोषणा नहीं बल्कि मिशन है। जबकि, कांग्रेस जितने साल सत्ता में रही उसने कमीशन खाने को प्राथमिकता दी। इंडी एलाएंस कमीशन के लिए है और एनडीए व मोदी सरकार मिशन के लिए है। मोदी ने बताया कि अयोध्या में रामलला का भव्य मंदिर चुनावी घोषणा नहीं बल्कि हमारा मिशन था। इस वर्ष रामनवमी में हमारे प्रभु श्रीराम टेंट में नहीं, बल्कि भव्य मंदिर में दर्शन देंगे। ये हमारी पीढ़ी के लिए कितने बड़ा गौरव है। जम्मू कश्मीर से आर्टिकल 370 हटाना हमारा मिशन रहा है। ये मिशन भी पूरा हो चुका है। कश्मीर में पत्थरबाजों ने जो पत्थर फेंके थे वो सारे पत्थर जुटाकर मोदी उन्हीं से विकसित जम्मू कश्मीर का निर्माण कर रहा है। उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार बिना भेदभाव के काम करती है। हमारी सोच यही है कि सरकार की योजनाएं हर वर्ग, हर जाति, हर व्यक्ति तक पहुंचे। लाभार्थियों को उसका हक मिलना ही सच्चा सेक्युलरिज्म और सामाजिक न्याय है। प्रधानमंत्री ने कहा कि तीन तलाक की कुप्रथा का अंत करके करोड़ों मुस्लिम बहनों के हित में काम किया गया। उन्होंने कहा कि कोई भी मुस्लिम महिला किसी की बेटी और किसी की बहन होती है। जब मां बाप बेटी को ब्याह करके भेजते हैं तो भी मन में चिंता रहती थी कि कहीं दामाद तीन तलाक बोलकर वापस न भेज दे। इसलिए तीन तलाक के कानून की परंपरा को खत्म करके सिर्फ मुस्लिम महिला ही नहीं बल्कि पूरे मुस्लिम परिवार को बचाने का काम किया है। ये एक काम इतना बड़ा किया गया है कि आने वाली कई सदियों तक मुस्लिम बेटियां मोदी को आशीर्वाद देती रहेंगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारे योगी जी कानून व्यवस्था के विषय में रत्ती भर भी छूट नहीं देने वाले। भाजपा ने अपराधियों दंगाइयों को काबू किया है। सुरक्षा के साथ साथ निवेश के लिए भी माहौल बनाया है। ये क्षेत्र अपने कृषि उत्पादों के लिए भी जाना जाता है। हमारी सरकार 10 साल से किसान भाइयों के लिए काम कर रही है। किसान की छोटी-छोटी जरूरत को लेकर हमारी सरकार संवेदनशील है। देश में छोटे किसानों को पीएम किसान निधि के जरिए मदद की जा रही है। अकेले सहारनपुर में तीन लाख किसानों के खाते में 860 करोड़ रुपए सीधे भेजे जा चुके हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि हम भारत को विकसित राष्ट्र बनाना चाहते हैं मगर विरोधी सत्ता पाने के लिए तड़प रहे हैं। उन्होंने कहा कि ये देश का पहला चुनाव है जहां विपक्ष जीत का दावा नहीं कर रहा। बल्कि विपक्ष सिर्फ इसलिए चुनाव लड़ रहा है कि भाजपा की सीटें 370 से कम और एनडीए की 400 से कम की जा सके। सपा को तो यहां हर घंटे अपने उम्मीदवार बदलने पड़ रहे हैं और कांग्रेस को तो उम्मीदवार ही नहीं मिल रहे हैं। जिन सीटों को कांग्रेस अपना गढ़ मानती थी वहां भी उम्मीदवार उतारने की हिम्मत नहीं हो रही। हालत ये है कि जिसे उन्होंने टिकट दिया उसने दूसरे दिन अपना इस्तीफा दे दिया। इंडी गठबंधन अस्थिरता और अनिश्चितता का दूसरा नाम बन चुका है। इसलिए देश उनकी एक भी बात को गंभीरता से नहीं ले रहा है। यूपी के लोग बहुत जानकार और समझदार हैं। यहां दो लड़कों की जो फिल्म पिछली बार फ्लॉप हो चुकी है उसे इन लोगों ने फिर से रिलीज किया है। पीएम ने कहा कि काठ की हांडी को इंडी गठबंधन वाले कितनी बार चढ़ाएंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि कभी जिस कांग्रेस ने आजादी की लड़ाई लड़ी थी और देश के दिग्गज नेता कांग्रेस के साथ जुड़े थे, मगर आज देश एक स्वर से कह रहा है कि आजादी की लड़ाई लड़ने वाली वो कांग्रेस दशकों पहले ही समाप्त हो चुकी है। अब जो कांग्रेस बची है उसके पास न देशहित के लिए नीतियां हैं, न राष्ट्र निर्माण का विजन। कांग्रेस ने जिस तरह का घोषणा पत्र जारी किया है उससे साबित हो गया है कि आज की कांग्रेस आज के भारत की आशाओं और आकांक्षाओं से पूरी तरह से कट चुकी है। उसके घोषणा पत्र में वही सोच झलक रही है, जो सोच आजादी के वक्त मुस्लिम लीग में थी। कांग्रेस के घोषणा पत्र में पूरी तरह मुस्लिम लीग की छाप है। इस घोषणापत्र में जो कुछ हिस्सा बचा रह गया उसमें वामपंथी पूरी तरह हावी हो चुके हैं। कुल मिलकार कांग्रेस इसमें दूर-दूर तक नहीं दिखाई पड़ रही। ऐसी कांग्रेस 21वीं सदी में भारत को आगे नहीं बढ़ा सकती। प्रधानमंत्री ने कहा कि आपने मेरा काम देखा है, जोकि हर पल देश के नाम है। ये 24x7 फॉर 2047 है। आपका सपना ही मोदी का संकल्प है। उन्होंने कहा कि जनता के बेहतर भविष्य के लिए ही भ्रष्टाचार पर आज कड़ा प्रहार किया जा रहा है। ये भ्रष्टाचारी गरीब के सपनों को तोड़ते हैं, आपको लूटते हैं, आपके अधिकारों को लूटते हैं। आपको आगे बढ़ने से रोकते हैं। आपका बेटा या बेटी नौकरी के लिए योग्य है, मगर किसी और को नौकरी दे दी जाए तो आपके बेटे बेटी का भविष्य का क्या होगा। आपके बेटे बेटी के भविष्य को बचाने के लिए मोदी इतनी गालियां खा रहा है। ये भ्रष्टाचारी एकजुट होकर मोदी को धमकी दे रहे हैं। मगर हमारा मिशन साफ है, भ्रष्टाचार हटाओ, उनका कमिशन साफ है *भ्रष्टाचारी बचाओ* । लेकिन, ये मोदी है जो पीछे हटने वाला नहीं है। भ्रष्टाचार पर तेज कार्रवाई जारी रहेगी ये मोदी की गारंटी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि 10 साल में जो हुआ है, उसकी सराहना आज बच्चा बच्चा कर रहा है। मगर मोदी के मन में जो सपना है उस हिसाब से ये काम अभी ट्रेलर है। अभी बहुत कुछ करना है और देश को अभी बहुत आगे लेकर जाना है। वो दिन दूर नहीं जब भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति बन जाएगा।

महिला कॉलेज में स्नातक के नामांकन में अवैध वसूली को लेकर छात्राओं का हंगामा

अररिया (हिंस)। फारबिसगंज के जीरा देवी शीतल साह महिला महाविद्यालय के स्नातक पार्ट वन में नामांकन के दौरान अवैध रूप से अधिक पैसे लिए जाने के विरोध में शनिवार को छात्राओं ने हंगामा मचाया और कॉलेज प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी की। महाविद्यालय की छात्रा स्वाती कुमारी, पूजा कुमारी, निशा कुमारी, सा खातून आदि ने बताया कि नामांकन के नाम पर साढ़े तीन सौ रुपए की वसूली की जा रही है। जबकि फॉर्म की कीमत दो सौ रुपए है और छात्राओं के लिए यह निःशुल्क है। बावजूद इसके नामांकन कार्य में लगे कर्मचारी चुन्नीलाल सिंह द्वारा जबरन साढ़े तीन सौ रुपए की वसूल किया जा रहा है। यह वसूली गैर वाजिब होने की बात करते हुए मामले को लेकर छात्राओं ने प्रिंसिपल से भी शिकायत किए जाने की बात कही, जिस पर प्रिंसिपल के द्वारा टालमटोल करने का आरोप लगाया। छात्राओं ने नामांकन में डेढ़ सौ रुपए अवैध लेने के पीछे कर्मचारी के द्वारा चाय पान के लिए पैसे लेने का आरोप लगाया। मामले में कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रामसुंदर साह ने कहा कि छात्राओं ने अवैध वसूली की शिकायत मौखिक तौर पर कहा है, जांच किया गया तो यह गलत पाया गया। उन्होंने किसी तरह की अवैध वसूली की बात से इंकार किया।

मोस्ट वांटेड टॉप टेन अपराधी जावेद हथियार के साथ गिरफ्तार

अररिया (हिंस)। अररिया जिला के टॉप टेन अपराधियों में शामिल जोकीहाट का दुर्दांत मोस्ट वांटेड क्रिमिनल मो. जावेद उर्फ गुड्डू को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके पास से एक लोडेड देशी कट्टा, दो जिंदा कारतूस और मोबाइल बरामद किया है। पुलिस ने जावेद उर्फ गुड्डू को जोकीहाट थाना क्षेत्र के मटियारी के वार्ड संख्या 9 स्थित घर के पास मक्का के खेत से गिरफ्तार किया। एसपी अमित रंजन ने अपने कार्यालय में प्रेस कांफ्रेंस कर यह जानकारी दी। एसपी ने जानकारी देते हुए बताया कि मो. जावेद उर्फ गुड्डू पिता-अयूब के खिलाफ जोकीहाट थाना में आठ संगीन मामलों के केस दर्ज हैं।

सपा विधायक इरफान सोलंकी मामले में 15 को आ सकता है फैसला

कानपुर (हिंस)। सपा विधायक इरफान सोलंकी के खिलाफ दर्ज आगजनी के मामले में छठी बार शनिवार को फैसला टल गया। एमपी/एमएलए कोर्ट के विशेष न्यायाधीश सत्येंद्र नाथ त्रिपाठी अब 15 अप्रैल को फैसला सुना सकते हैं। हालांकि अबकी बार विधायक इरफान सोलंकी को कानपुर नहीं लाया गया और वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश हुए। सीसामऊ सीट से सपा विधायक इरफान सोलंकी व उसके भाई रिजवान समेत एक दर्जन लोगों पर आरोप है कि अपने आवास के पास ही नजीर फातिमा के प्लॉट पर कब्जा करना चाहते थे। इसी को लेकर साजिशन आरोपियों ने प्लॉट पर बनी झोपड़ी में आग लगा दी। मामले की सुनवाई कानपुर एमपीएमएलए कोर्ट में चल रही है और संभावना थी कि 14 मार्च को कोर्ट फैसला सुना देगी और विधायक समेत सभी आरोपी कोर्ट में पेश भी हुए थे। इसके बाद क्रमशः 19, 22 और 28 मार्च की

तारीख कोर्ट ने दी थी, लेकिन इन तारीखों पर फैसला टल गया। इसके बाद अप्रैल माह में चार अप्रैल को विधायक समेत सभी आरोपी कोर्ट में पेश हुए। इस बार भी कोर्ट ने छह तारीख दे दी। इस दौरान विधायक इरफान सोलंकी ने मीडिया के सामने तमाम प्रकार के आरोप लगाये थे कि रोजा में महराजगंज से कानपुर आने में भारी परेशानी होती है। इस पर अबकी बार शनिवार को कोर्ट ने विधायक को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए पेश होने का आदेश दिया और बाकी सीधे कोर्ट में पेश हुए।

प्रधानमंत्री ने आज के दिन संकल्प लिया है कि 2047 तक भारत को सबसे मजबूत देश बनाएंगे : सम्राट चौधरी

पटना (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष-सह डिप्टी सीएम (बिहार) सम्राट चौधरी ने भाजपा के स्थापना दिवस पर अपने संबोधन में यहां कहा कि आज से 43 साल पहले 1980 भाजपा का गठन हुआ था। प्रधानमंत्री ने आज के दिन संकल्प लिया है कि 2047 तक भारत को सबसे मजबूत देश बनाकर रहेंगे। स्थापना दिवस के अवसर पर पटना स्थित प्रदेश कार्यालय में झंडोतोलन के दौरान सम्राट चौधरी ने कहा कि चुनाव आयोग को रोहिणी आचार्य को लेकर शिकायत की है। चुनाव आयोग को हमने शिकायत की है उस पर कार्रवाई होनी चाहिए। रोहिणी आदर्श आचार संहिता का खुलेआम उल्लंघन कर रही हैं। लालू प्रसाद के परिवार का मतलब है गुंडाराज स्थापित करना। भ्रष्टाचार स्थापित करना, लूट खसोट स्थापित करना और कानून को तोड़ना। लालू परिवार की पहचान यही है। रोहिणी आचार्य अपनी मां राबड़ी देवी की सिक्योरिटी का इस्तेमाल अपने चुनावी रोड शो में कर रही हैं। चुनाव आयोग से इसकी शिकायत की गई है। चुनाव आयोग और राज्य निर्वाचन आयोग को इसपर एक्शन लेने चाहिए। प्रधानमंत्री को लेकर राजद की टिप्पणी पर डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने कहा कि राजद ने कहा था प्रधानमंत्री सिर्फ झूठी बातें करते हैं।

आईएनडीआई गठबंधन के दल के नेता अपने परिवार को बढ़ाने में लगे हुए हैं। प्रधानमंत्री देश को बढ़ाने में काम कर रहे हैं। विजय सिन्हा ने कहा कि भाजपा किसी जाति की पार्टी नहीं है। यह सब को अधिकार देती है। विजय सिन्हा ने कहा कि लालू के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज है। लालू प्रसाद यादव से प्रेरणा लेकर केजरीवाल भी चमत्कार कर रहे हैं। राजनीति को समाप्त कर भ्रष्टाचार को बढ़ाने वाले लालू यादव हैं। लालू प्रसाद यादव एवं उनके परिवार के सदस्यों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। मुकेश सहनी को लेकर विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि खंजर भौंकने वाले, नरसंहार करने वाले लोग के साथ जाकर मुकेश सहनी ने गलवहिया किया है। गुंडाराज वाले और नरसंहार करने वाले से जाकर मुकेश साहनी से क्यों मिले जनता उनसे सवाल करेगी। उन्होंने कहा कि सत्ता को कमाई के लिए जिन्होंने चुनाव में चुना है वह इस बार समाप्त होंगे।

झारखंड हाई कोर्ट ने केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा पर लगाया 1.25 लाख रुपए का जुर्माना

रांची (हिंस)। झारखंड हाई कोर्ट ने दायर याचिका में बिना त्रुटि दूर किए मामले को सुनवाई के लिए मेंशन करने पर केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा पर 1 लाख 25 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है। दरअसल हाई कोर्ट अर्जुन मुंडा द्वारा 11 अप्रैल 2023 को रांची में सचिवालय मार्च के दौरान धुर्वा थाना में दर्ज प्राथमिकी को निरस्त करने का आग्रह करने वाली याचिका की सुनवाई के दौरान पाया कि याचिका में त्रुटि अब तक दूर नहीं की गई है। इसके बाद भी मामले को कोर्ट में सुनवाई के लिए मेंशन किया गया। कोर्ट ने याचिका में त्रुटि दूर किए बिना इस याचिका को कोर्ट के समक्ष सुनवाई के लिए मेंशन करने को गंभीरता से लेते हुए अर्जुन मुंडा पर 1 लाख 25 हजार रुपए का जुर्माना लगाया। कोर्ट ने जुर्माना की इस राशि को एडवोकेट क्लर्क एसोसिएशन, झारखंड हाई कोर्ट के पास जमा करने का निर्देश दिया है। हालांकि कोर्ट ने मामले की सुनवाई करते हुए मंत्री अर्जुन मुंडा को तत्काल राहत देते हुए उनके खिलाफ पीड़क कार्रवाई पर रोक लगाई थी। मामले की अगली सुनवाई 8 मई को होनी है। कार्यक्रम के तहत सचिवालय की ओर मार्च कर रहे भाजपा कार्यकर्ताओं की पुलिस के साथ झड़प हो गई थी। मामले को लेकर धुर्वा थाना में कांड संख्या 107/ 2023 दर्ज किया गया था। इसमें केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी और रघुवर दास, चतरा सांसद सुनील कुमार सिंह, विधायक अमित मंडल, समीर उरांव, सांसद निशिकांत दुबे सहित 41 नामजद एवं कई अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। अर्जुन मुंडा की ओर से इसी प्राथमिकी को निरस्त करने का आग्रह हाई कोर्ट से किया गया है।

2022 के पुलिस उप-निरीक्षक घोटाले के मास्टरमाइंड सहित कई आरोपियों की संपत्तियां कुर्क

जम्मू (हिंस)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शनिवार को 2022 के पुलिस उप-निरीक्षक घोटाले में मास्टरमाइंड यतिन यादव सहित कुछ आरोपियों से संबंधित एक करोड़ रुपए की बैंक शेष के रूप में चल संपत्तियां कुर्क की हैं। एजेंसी ने कहा कि जम्मू और कश्मीर सेवा चयन बोर्ड (जेकेएसएसबी) ने मार्च 2022 में परीक्षा आयोजित की थी लेकिन पेपर लीक और कदाचार के आरोपों के बाद प्रशासन ने जुलाई में 1, 200 उम्मीदवारों की चयनित सूची रद्द कर दी थी।

सपा-कांग्रेस गठबंधन की प्रत्याशी रुचि वीरा के खिलाफ आदर्श आचार संहिता उल्लंघन का केस दर्ज

मुरादाबाद (हिंस)। जिले के थाना सिविल लाइन पुलिस ने मुरादाबाद लोकसभा सीट से समाजवादी पार्टी और कांग्रेस गठबंधन की प्रत्याशी रुचि वीरा द्वारा बिना परमिशन के सभा करने के मामले में शनिवार को आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन का मुकदमा दर्ज किया। जिनके घर में सभा की गई, उनके खिलाफ भी मुकदमा दर्ज किया गया हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी जिला अधिकारी मानवेंद्र सिंह ने बताया कि सपा कांग्रेस गठबंधन प्रत्याशी रुचि वीरा द्वारा शुक्रवार को 40 से 50 लोगों को एक जगह एकत्रित कर सभा करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जांच में पता चला कि यह सभा थाना सिविल लाइन क्षेत्र के डिप्टी गंज में उमाकांत गुप्ता के घर पर आयोजित हुई थी, इसमें नाश्ते और खाने का भी इंतजाम किया गया था। यह आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने आगे कहा कि कोई भी प्रत्याशी बिना अनुमति के कोई भी सभा न करें। आदर्श आचार संहिता उल्लंघन के मामले में सिविल लाइन थाने में एफएसटी प्रभारी उमेश कुमार त्रिवेदी की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया है। शुक्रवार को जुम्मा अलविदा पर नमाज के बाद जामा मस्जिद की ओर जा रही सपा-कांग्रेस गठबंधन प्रत्याशी रुचि वीरा को पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों ने रोक दिया था जिसे लेकर गठबंधन प्रत्याशी रुचि वीरा और अधिकारियों के बीच नोक झोंक हुई थी। अधिकारियों ने धार्मिक स्थल पर जाने को लेकर आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन बताया था, वहीं रुचि वीरा ने कहा था कि किसी से मिलना आचार संहिता का उल्लंघन नहीं होता।

असंवेदनशीलता बर्दाश्त नहीं, सख्त कार्रवाई होगी : शुभ्रा सिंह

जयपुर (हिंस)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने कहा कि आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना हमारी जिम्मेदारी है। जनसेवा और जीवन रक्षा का उद्देश्य ही सर्वोपरि है। स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता में किसी भी स्तर पर असंवेदनशील रवैया या लापरवाही सामने आई तो सख्त कार्रवाई होगी। ऐसे मामलों में दोषी अधिकारी या कार्मिक के साथ-साथ संबंधित उच्च अधिकारियों की भी जिम्मेदारी तय की जाएगी। सिंह शनिवार को स्वास्थ्य भवन में मौसमी बीमारियों, चिकित्सा संस्थानों के लिए भूमि की उपलब्धता, फायर एनओसी सहित अन्य विषयों पर आयोजित राज्य स्तरीय वीडियो कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रही थी। उन्होंने कहा कि विगत दिनों में कुछ चिकित्सा संस्थानों में ऐसी घटनाएं सामने आई हैं, जिनमें चिकित्सकों एवं अन्य कार्मिकों का मरीजों के प्रति असंवेदनशील रवैया रहा। ऐसी घटनाएं बर्दाश्त नहीं की जा सकती। उन्होंने चिकित्सा शिक्षा आयुक्त को निर्देश दिए कि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए चिकित्सा प्रबंधन से संबंधित एसओपी और गाइडलाइंस को और सुदृढ़ बनाया

जाए। साथ ही, अस्पताल प्रबंधन पूरी गंभीरता के साथ व्यवस्थाओं की मॉनिटरिंग करे। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने मौसमी बीमारियों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि इस बार मौसमी बीमारियों की रोकथाम और प्रसार को रोकने के लिए पूर्व तैयारियां सुनिश्चित की जा रही हैं। मलेरिया की रोकथाम के लिए प्रदेश में एक अप्रैल से मलेरिया क्रेश प्रोग्राम चलाया जा रहा है, ताकि बारिश के मौसम में इस बीमारी का प्रसार नहीं हो। उन्होंने कहा कि संबंधित अधिकारी जमीनी स्तर पर जिम्मेदारी के साथ काम करें। मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य, संयुक्त निदेशक जोन, सीएमएचओ, पीएमओ सहित पूरा सिस्टम प्रो-एक्टिव एप्रोच के साथ काम करें। सिंह ने कहा कि मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए अंतर्विभागीय समीक्षा साप्ताहिक रूप से की जाएगी। जिला और ब्लॉक स्तर पर भी मौसमी बीमारियों की साप्ताहिक समीक्षा करने के निर्देष दिए। उन्होंने कहा कि जहां भी मलेरिया, डेंगू आदि मौसमी बीमारियों के केस ज्यादा सामने आएं, वहां बीमारी के प्रसार को रोकने के लिए पुख्ता प्रबंध सुनिश्चित करें। स्थानीय निकाय विभाग समझाईश के बाद भी पानी भराव की स्थिति पाए जाने पर चालान की कार्रवाई करें।

অসম লোকসেৱা আয়োগ

ASSAM PUBLIC SERVICE COMMISSION

Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-781022.

No. 73PSC/CON/Exam-14/2023-2024

NOTIFICATION

The Assam Public Service Commission hereby declares today, the 6th April, 2024, the result of the Screening Test (OMR based) for the post of ***Urban Technical Officer (Junior Grade-III) as per Assam Urban Engineering Service cadre under Department of Housing and Urban Affairs, Govt. of Assam*** (Advt. No.: 16/2023 Dtd. 09/05/2023) conducted by the Commission on 08/10/2023. Candidates bearing the following Roll Numbers will have to appear for Interview. The date(s) of Interview will be notified shortly.

Roll Numbers of candidates to be appeared in the Interview are stated below (horizontally):

10044	10091	10098	10115	10135	10140	10149	10158	10162	10170
10179	10196	10202	10226	10227	10228	10235	10241	10255	10260
10266	10273	10300	10301	10322	10348	10367	10373	10387	10397
10405	10440	10450	10473	10490	10500	10502	10506	10522	10555
10573	10575	10595	10596	10610	10611	10616	10617	10642	10682
10688	10689	10698	10718	10734	10737	10768	10777	10790	10797
10804	10810	10811	10814	10827	10830	10848	10859	10865	10871
10883	10903	10904	10905	10911	10912	10921	10922	10927	10933
10940	10955	10957	10960	10965	10981	10994	10998	11007	11040
11058	11066	11067	11068	11070	11109	11111	11135	11136	11151
11159	11186	11195	11196	11197	11222	11228	11232	11239	11267
11274	11275	11323	11366	11367	11373	11399	11479	11483	11484
11530	11547	11573	11581	11589	11613	11634	11645	11694	11699
11700	11708	11729	11734	11759	11771	11786	11787	11791	11793
11798	11808	11809	11812	11826	11831	11840	11849	11874	11882
11884	11897	11905	11915	11932	11935	11965	11994	12004	12011
12020	12030	12061	12075	12077	12088	12093	12094	12101	12106
12117	12133	12156	12167	12190	12192	12199	12217	12228	12245
12271	12285	12287	12291	12298	12336	12340	12342	12373	12392
12408	12416	12434	12444	12448	12452	12467	12468	12484	12485
12509	12516	12525	12528	12532	12559	12565	12576	12580	12606
12614	12622	12635	12659	12665	12670	12681	12692	12699	12703
12710	12718	12721	12730	12737	12742	12749	12751	12763	12777
12778	12783	12785	12786	12793	12799	12818	12819	12825	12826
12828	12860	12896	12924	12940	12943	12963	12968	12974	12984
13026	13059	13061	13062	13064	13071	13136	13138	13190	13205
13238	13275	13295	13302	13309	13311	13329	13334	13336	13337
13353	13376	13388	13397	13406	13414	13421	13429	13441	13462
13468	13471	13478	13488	13504	13514	13522	13523	13529	13582
13583	13630	13633	13649	13662	13663	13666	13682	13684	13716
13742	13749	13750	13751	13752	13753	13756	13759	13761	13762
13767	13771								

N.B.: The Commission will not be responsible for any typing/printing mistakes.

Principal Controller of Examinations,
Assam Public Service Commission,
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-22

-- Janasanyog /D/ 76 / 24/ 7-Apr-24

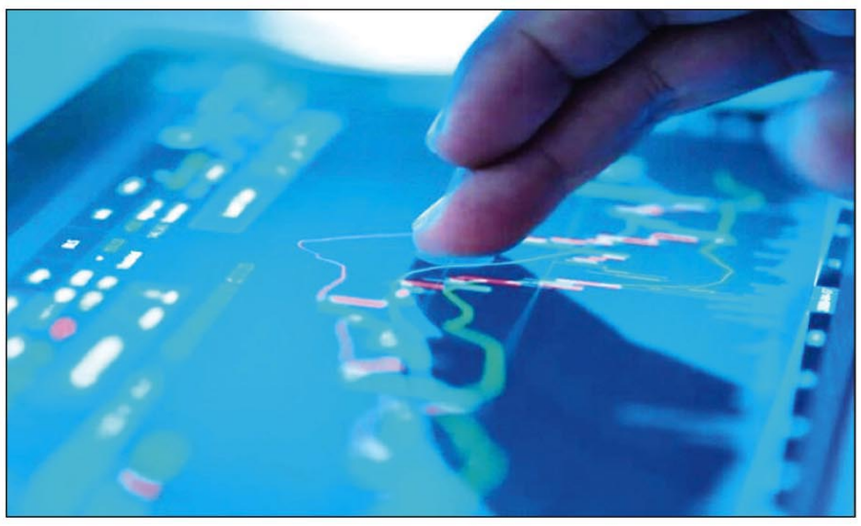

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव भरा कारोबार रहा सेंसेक्स 74,248 और निफ्टी 22,500 पर बंद

मुंबई ।
वैश्विक बाजारों से मिले कमजोर संकेतों और मुनाफावसूली की वजह से बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव भरा कारोबार देखा गया। वहीं आरबीआई की मौद्रिक समिति की बैठक में रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं करने के फैसले से सेंसेक्स में तेजी दिखाई दी और निफ्टी कमजोर होकर बंद हुआ। बीते पांच कारोबारी दिनों में से शेयर बाजार में तीन दिन तेजी और दो दिन गिरावट रही। भारतीय इक्विटी सूचकांक एशियाई बाजारों में तेजी और अमेरिका में महंगाई के आंकड़ों में मामूली राहत के बाद हरे निशान पर खुले। बीएसई सेंसेक्स 533 अंक बढ़कर 74,189 पर खुला और 363.20 अंकों की बढ़त के साथ 74,014.55 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 178 अंक की बढ़त के साथ 22,506 के स्तर पर खुला और 135.10 अंक मजबूत होकर 22,462.00 के स्तर पर बंद हुआ। हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन शेयर बाजार में कमजोर शुरुआत हुई। सेंसेक्स में 57.62 अंकों की मजबूती के साथ 74,043.96 के स्तर पर खुला और 110.64 अंकों की गिरावट के साथ 73,903.91 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 31.71 चढ़कर 22,493.70 पर खुला और 8.71 अंक गिरकर 22,453.30 के स्तर पर बंद हुआ। शेयर बाजार में भी लाल निशान पर कारोबार की शुरुआत हुई। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 146 अंकों की गिरावट के साथ 73758 के स्तर पर खुला और 27.09 अंक टूटकर 73,876.82 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 50 में 67 अंकों की गिरावट के साथ 22385 के स्तर पर खुला और 18.65 अंक गिरकर 22,434.65 पर बंद हुआ। प्रमुख इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी फिर रिकॉर्ड स्तर पर कारोबार करते दिखे। इस दौरान सेंसेक्स 500 अंक उछलकर 74,400 पर खुला और 350.81 अंकों की मजबूती के साथ 74,227.63 के लेवल पर बंद हुआ। निफ्टी भी पहली बार 22,600 के स्तर पर खुला और 80.00 अंक मजबूत होकर नई ऊंचाई 22500 पर बंद हुआ। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शेयर बाजार में एक बार फिर सुस्ती दिख रही है।

न्यूज ब्रीफ

पांच जनवरी की घटना से अभी भी बोइंग के सीईओ सदमे में, 28 लाख डॉलर का बोनस ठुकराया

वॉशिंगटन । अलास्का एयरलाइंस में पांच जनवरी को हुई भयावह घटना हर किसी को याद होगी। जब विमान का विंडो पैनल फ्लाइट टेकऑफ होने के बाद अचानक उड़ गया था। घटना के तुरंत बाद बोइंग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) डेव कैलहौन ने अपनी गलती स्वीकार की थी और कहा था कि घटना की पूरी पारदर्शिता के साथ जांच होगी। तीन महीने बीत जाने के बाद भी शायद बोइंग के सीईओ इस हादसे से नहीं उभर पाए हैं क्योंकि उन्होंने 28 लाख डॉलर बोनस लेने से मना कर दिया है। कंपनी का बयान कंपनी के सुरक्षा दस्तावेजों में बताया गया कि कंपनी को साल 2023 में मुआवजे के रूप में 3.3 करोड़ डॉलर मिले। जबकि डेव कैलहौन ने अलास्का एयरलाइंस की घटना के बाद करीब 28 लाख डॉलर बोनस लेने से मना कर दिया। इसके अलावा, कैलहौन को मूल वेतन 14 लाख डॉलर मिला, जबकि तीन करोड़ डॉलर से अधिक स्टॉक पुरस्कारों से प्राप्त हुआ। बताया जा रहा है कि इस साल के अंत तक ही वह काम करेंगे। बोइंग के वार्षिक प्रॉक्सी स्टेटमेंट में यह पूरी जानकारी दी गई है। यह है पांच जनवरी की घटना अलास्का एयरलाइंस द्वारा संचालित बोइंग 737 मैक्स 9 में उस समय बड़ी खराबी आ गई थी जब पोर्टलैंड, ओरेगन से होनोलूलू, हवाई की उड़ान के दौरान एक आपातकालीन दरवाजा खुल गया था। यह दरवाजा 16,000 फीट की ऊंचाई पर खुलकर गिर गया, जिससे विमान के किनारे में एक बड़ा छेद बन गया और यात्रियों को हवा के दबाव में अचानक गिरावट का सामना करना पड़ा। अलास्का एयरलाइंस की उड़ान संख्या 1282 में 171 यात्री और चालक दल के छह सदस्य सवार थे। विमान की सिएटल-टैकोमा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आपात लैंडिंग कराई गई, गनीमत यह रही कि हादसे में किसी यात्री को गंभीर चोट नहीं आई। संघीय विमानन प्रशासन (एफएए) ने सभी बोइंग 737 मैक्स नौ विमानों को उड़ान फिर से शुरू करने से पहले केबिन डोर एग्जिट प्लग, डोर कंपोनेंट्स और फास्टनरों के निरीक्षण का आदेश दिया था। यूनाइटेड एयरलाइंस और अलास्का एयरलाइंस केवल दो अमेरिकी वाहक हैं जो विमान के इस मॉडल का संचालन करते हैं। दोनों एयरलाइनों ने अपने कुछ मैक्स नौ विमानों में ढीले हार्डवेयर मिलने की सूचना दी है।

जुर्माना वसूलने में मध्य रेलवे सबसे आगे, साल में 300 करोड़ राजस्व; 46.26 लाख बार टूटे नियम

मुंबई । मध्य रेलवे ने 2023-24 में बिना टिकट और अनियमित यात्रा और बिना बुक किए गए सामान के 46.26 लाख मामलों में कार्रवाई की है। 46.26 लाख मामलों में जुर्माने से मध्य रेलवे ने 300 करोड़ रुपये कमाए हैं, जो रेलवे के सभी क्षेत्रों से अधिक है। एक विज्ञप्ति के अनुसार, मध्य रेलवे ने कहा कि इस साल राजस्व के लक्ष्य 265.97 करोड़ में 12.80 प्रतिशत का इजाफा हुआ है तो वहीं, मामलों के लक्ष्य में 8.38 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। इस डिविजन ने कमाया इतना राजस्व मध्य रेलवे ने दावा किया है कि जुर्मानों और राजस्व के मामलों में उन्होंने सभी जोनों में प्रथम स्थान हासिल किया है। मध्य रेलवे के मुंबई डिविजन ने बिना टिकट और अनियमित यात्रा करने वाले 20.56 लाख मामलों से 115.29 करोड़ रुपये कमाए हैं। भुसावल डिवीजन ने 8.34 लाख मामलों से 66.33 करोड़ रुपये कमाए है। वहीं, नागपुर डिविजन ने 5.70 लाख मामलों से 34.52 करोड़ रुपये, सोलापुर डिविजन ने 5.44 लाख मामलों से 34.57 करोड़ रुपये, पुणे डिविजन ने 3.74 लाख मामलों से 28.15 करोड़ रुपये और इसके मुख्यालय ने 2.47 मामलों से 20.96 करोड़ रुपये कमाए हैं। सुनील नैनानी ने वसूला सबसे अधिक जुर्माना मध्य रेलवे के प्रवक्ता ने बताया कि हमारे पास 22 टिकट चेकिंग स्टाफ है, जिसमें दो महिलाएं परीक्षक भी शामिल हैं। टिकट चेकिंग आय के रूप में व्यक्तिगत रूप से उन्होंने 1 करोड़ रुपये से अधिक का योगदान दिया। व्यक्तिगत योगदान के मामले में टिकट निरीक्षक सुनील नैनानी प्रथम स्थान पर हैं, जिन्होंने 20,117 मामलों में 1.92 करोड़ का राजस्व दिया है। दूसरे स्थान पर टिकट निरीक्षक एमएम शिंदे हैं, जिन्होंने 18,223 मामलों से 1.59 करोड़ रुपये कमाए हैं तो वहीं, तीसरे स्थान पर निरीक्षक धर्मेंद्र कुमार है, जिन्होंने 17,641 मामलों से 1.52 करोड़ रुपये कमाए हैं। चैन पुलिंग से भी रेलवे को फायदा थोड़े दिन पहले जारी हुई रिपोर्ट में सामने आया था कि उत्तर प्रदेश के आगरा मंडल में ट्रेन में चेन पुलिंग करने वालों के खिलाफ रेलवे ने 2266 यात्रियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 8,35,165 रुपये जुर्माना वसूला है।

2020 के बाद पहली बार संपत्ति के मामले में मस्क से आगे निकले जुकरबर्ग

नई दिल्ली ।
मार्क जुकरबर्ग एलन मस्क को पीछे छोड़ते हुए दुनिया के तीसरे सबसे अमीर व्यक्ति बन गए। 2020 के बाद पहली बार जुकरबर्ग में संपत्ति के मामले में मस्क को पीछे कर दिया है। मस्क, जो हाल ही में मार्च महीने की शुरुआत में ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स पर पहले स्थान पर थे, रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के बाद चौथे स्थान पर गिर गए जिसमें कहा गया कि टेस्ला ने कम महंगी कार की योजना रद्द कर दी है, इससे इसके शेयरों में गिरावट दर्ज की गई। हालांकि मस्क ने इन खबरों का खंडन किया। इसके बाद सप्ताह की शुरुआत में एक ओश्र खबर आई कि टेस्ला की वाहन डिलीवरी मार्च तक तीन महीनों में गिर गई। कोविड महामारी के शुरुआती दिनों के बाद से वाहनों की डिलिवरी में पहली बार सालाना आधार पर गिरावट दर्ज की गई।

मस्क की संपत्ति इस साल 48.4 बिलियन डॉलर कम हो गई है, जबकि जुकरबर्ग की संपत्ति में 58.9 बिलियन डॉलर जुड़ गए हैं। मेटा के शेयर अपनी नई ऊंचाई पर पहुंच गए। यह पहली बार है जब जुकरबर्ग 16 नवंबर, 2020 के बाद से ब्लूमबर्ग की सबसे अमीर लोगों की रैंकिंग में शीर्ष तीन में शामिल हुए हैं। उस समय उनकी संपत्ति 105.6 बिलियन डॉलर थी वहीं मस्क की संपत्ति 102.1 बिलियन डॉलर थी। समय में मस्क की कुल संपत्ति 180.6 बिलियन डॉलर है जबकि जुकरबर्ग की संपत्ति 186.9 अरब डॉलर है।

मस्क और जुकरबर्ग के बीच संपति का अंतर का नवंबर 2021 में 215 अरब डॉलर तक पहुंच गया था। यह दर्शाता है कि टेस्ला के स्टॉक जो कभी निवेशकों की बड़ी पसंद थे अब मेटा के शेयरों की तुलना में थोड़े नरम पड़े हैं। इस बदलाव में कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़ी चीजों में निवेश भी एक कारण हो सकता है।

टेस्ला के शेयर इस साल 34 प्रतिशत की गिरावट आई है, जिससे यह 500 इंडेक्स पर सबसे खराब प्रदर्शन करने वाला शेयर है। यह ईवी की मांग में वैश्विक मंदी, चीन में बढ़ती प्रतिस्पर्धा और जर्मनी में उत्पादन समस्याओं से प्रभावित हो गया है। इस बीच, मेटा ने मजबूत तिमाही आय और कंपनी की एआई पहल के बाद49 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की है। यह 500 पर पांचवां सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाला शेयर है।

दोनों अरबपति संपत्ति के अलावे अन्य मामलों में भी प्रतिद्वंदी रहे हैं। मस्क और जुकरबर्ग एक सार्वजनिक विवाद में शामिल हैं। यह प्रतिद्वंदिता तब और तेज हो गया जब मेटा ने थ्रेड्स लॉन्च किया। यह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म मस्क के एक्स के साथ प्रतिस्पर्धा करता है। एलवीएमएच मोएट हेनेसी लुई वीटॉन के चेयरमैन बर्नार्ड अरनॉल्ट और अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस ब्लूमबर्ग की संपत्ति रैंकिंग में पहले दो स्थान पर हैं।

आरबीआई ने आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस पर लगाया जुर्माना

मुंबई ।
रिजर्व बैंक ने आईडीएफसी फर्स्ट बैंक पर 1 करोड़ रुपये और एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस पर 49.70 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। केंद्रीय बैंक ने बताया कि इन दोनों वित्तीय संस्थानों ने नियमों की अनदेखी की है।

क्यों लगा जुर्माना

आरबीआई ने एक बयान में कहा कि उसने प्राइवेट सेक्टर के आईडीएफसी फर्स्ट बैंक पर जुर्माना 2016 और 2017 में एक सरकारी कंपनी को इंफ्रास्ट्रक्चर लोन देने के मामले में लगाया है। पर केंद्रीय बैंक के निर्देशों का पालन नहीं किया गया। आरबीआई ने 31 मार्च, 2022 तक बैंक की वित्तीय स्थिति की जांच की। इसमें पता चला कि बैंक ने दिशा-निर्देशों का पालन नहीं किया है। ऐसे में बैंक को आरबीआई ने नोटिस जारी किया और जवाब से संतुष्ट ना होने के बाद जुर्माना लगाया। वहीं, एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस पर जुर्माना आरबीआई के नॉन-बैंकिंग फाइनेंस कंपनीज- हाउसिंग फाइनेंस कंपनी (रिजर्व बैंक) गाइडलाइंस, 2021 के कुछ प्रावधानों का पालन नहीं करने की वजह से लगा है।

क्या ग्राहकों पर होगा असर

दोनों ही वित्तीय संस्थानों पर एक्शन नियमों का सही तरीके से पालन नहीं करने की वजह से लिया गया है। ऐसे में इसका ग्राहकों के साथ किसी भी लेनदेन या समझौते पर कोई असर नहीं होगा। अगर जुर्माना लगाने के अलावा भी आरबीआई दोनों संस्थाओं के खिलाफ कोई एक्शन लेता है, तो उसका ग्राहकों के हितों पर कोई असर नहीं होगा।

चार एनबीएफसी पर भी गिरी गाज

आरबीआई ने चार एनबीएफसी- कुंडल्स मोटर फाइनेंस, नित्या फाइनेंस, भाटिया हायर परचेज और जीवनज्योति डिपॉजिट्स एंड एडवांसेज का सर्टिफिकेट ऑफ रजिस्ट्रेशन भी रद्द कर दिया है। ये चारों कंपनियां अब बतौर नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशन कोई कारोबार नहीं कर सकतीं। वहीं, पांच अन्य एनबीएफसी ने अपना सरेंडर कर दिया है। ये हैं- ग्रोइंग अपॉर्चुनिटी फाइनेंस (इंडिया), इनवेल कॉमर्शियल, मोहन फाइनेंस, सरस्वती प्रॉपर्टीज और क्रिकर मार्केटिंग।

ओला ने पेश किया इलेक्ट्रिक स्कूटर 'ओला सोलो, इलेक्ट्रिक स्कूटर खुद को करेगा बैलेंस

नई दिल्ली ।
अपने लेटेस्ट इलेक्ट्रिक स्कूटर 'ओला सोलो' को कंपनी ओला ने पेश किया है। ये इलेक्ट्रिक स्कूटर पूरी तरह से ऑटोनॉमस कैपेबिलिटीज और एंडवांस एआई टेक्नोलॉजी के साथ अर्बन कम्यूटिंग को बदलने का वादा करता है। सोलो को 'भारत का पहला ऑटोनॉमस इलेक्ट्रिक स्कूटर' कहा जा रहा है। अभी इसकी लॉन्चिंग या कीमत को लेकर जानकारी नहीं मिली है। ये एक प्रोटोटाइप है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से इक्विप्ड, सोलो पूरी तरह से ऑटोनॉमस और ट्रैफिक-सैवी स्कूटर है। इनोवेटिव जेयु-गार्ड एडाप्टिव एल्गोरिदम से पावर्ड, ये स्कूटर हर राइड से सीखता है और एक स्मार्ट और ज्यादा एफिशिएंट ट्रैवल एक्सपीरिएंस सुनिश्चित करता है। इसके अलावा इसमें दिया गया इन-हाउस चिप एलएमए09000 शहर की सड़कों पर सहजता से नेविगेट करने के लिए रियल टाइम ट्रैफिक डेटा का उपयोग करता है। ओला इलेक्ट्रिक के को-फाउंडर भाविश अग्रवाल ने सोलो के लॉन्च की

घोषणा सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए की और इसे इलेक्ट्रिक स्कूटर के सेक्टर में एक माइलस्टोन बताया। उन्होंने राइड-हेलिंग और लोकल कॉमर्स में एक आदर्श बदलाव का संकेत देते हुए इसकी ऑटोनॉमी, एआई कैपेबिलिटीज और डेली कम्यूट में सीमलेस इंटीग्रेशन पर जोर दिया। भाविश अग्रवाल ने एक्स पर शेयर किए गए अपने पोस्ट में ये लिखा है कि ये कोई अप्रैल फूल जोक नहीं है। क्योंकि, वीडियो को 1 अप्रैल को जारी किया गया था। उन्होंने लिखा है कि जारी किए गए वीडियो का उद्देश्य लोगों को हंसाना था। लेकिन इसके पीछे की तकनीक कुछ ऐसी है जिस पर हम काम कर रहे हैं और प्रोटोटाइप बनाया है। यह दर्शाता है कि हमारी इंजीनियरिंग टीमें किस प्रकार का इनोवेटिव काम करने में सक्षम हैं।

टेस्ला जल्द भारत में लगाएगी 2 से 3 अरब डॉलर का ईवी संयंत्र

नई दिल्ली ।
भारत में तीन राज्य ऐसे है जो टेस्ला को पसंद आए है। गुजरात, महाराष्ट्र और तमिलनाडु में से किसी एक राज्य में 2 से 3 अरब डॉलर की लागत से टेस्ला ईवी संयंत्र लगा सकती है। इसकी आहट उसी वक्त आने लगी थी जब 2015 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कैलिफोर्निया के पालो ऑल्टो में टेस्ला सुविधा का दौरा किया था और एलन मस्क उन्हें अपने इलेक्ट्रिक कार प्लांट के दौरे पर ले गए थे और पीएम को आश्वस्त किया था कि इलेक्ट्रिक वाहन बनने जा रहे हैं। लगभग एक दशक बाद टेस्ला भारत में आने और निर्माण करने के लिए तैयार है। टेक अरबपति अंतत: देश में 2-3 अरब डॉलर का ईवी संयंत्र स्थापित करने के लिए संभावित स्थान की तलाश के लिए विशेषज्ञों की एक टीम भेज रहा है। मस्क को टेस्ला गीगाफैक्ट्री स्थापित करने और बाकी दुनिया में ईवी निर्यात करने के लिए भारत को अपने अगले बड़े गंतव्य के रूप में देखने के लिए मनाने में पीएम मोदी के लगातार प्रयासों का श्रेय जाता है। पिछले साल जून में पीएम मोदी ने अमेरिका में मस्क से मुलाकात की थी और विभिन्न क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी को सुलभ और किफायती बनाने के उनके प्रयासों की सराहना की थी। प्रधानमंत्री ने मस्क को इलेक्ट्रिक मोबिलिटी क्षेत्र में निवेश के लिए भारत में अवसर तलाशने के लिए आमंत्रित किया। प्रधानमंत्री से मिलने के बाद मस्क ने भारत में अपनी आपूर्ति श्रृंखला पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित करने की खोज शुरू कर दी, जिससे सस्ती इलेक्ट्रिक कारें तैयार की जा सकें, जिनकी कीमत 20 लाख रुपये से भी शुरू हो सकती है। मस्क के शब्दों में, वह (पीएम मोदी) वास्तव में भारत की परवाह करते हैं, क्योंकि वह हमें भारत में महत्वपूर्ण निवेश करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं, जो कुछ ऐसा है जिसे हम करने का इरादा रखते हैं और हम सिर्फ सही समय का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। अरबपति ने पीएम से मुलाकात के बाद संवाददाताओं से कहा, पीएम मोदी वास्तव में भारत के लिए सही काम करना चाहते हैं। वह यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि निवेश से होने वाला लाभ भारत को लाभ मिले। उन्होंने कहा, दुनिया के किसी भी बड़े देश की तुलना में भारत के पास अधिक संभावनाएं हैं।पिछले नवंबर में केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कैलिफोर्निया में टेस्ला की अत्याधुनिक विनिर्माण संयंत्र का भी दौरा किया था।

मई तक स्थिति सामान्य होने की उम्मीद, पायलट्स की कमी के चलते रद्द हुई उड़ानों पर बोले सीईओ

नई दिल्ली ।
कुछ दिनों से पायलट्स की कमी का असर विस्तारा एयरलाइंस पर खासा दिखाई दे रहा है। बीते कंपनी के पदाधिकारियों और पायलट्स के बीच वर्चुअल बैठक हुई थी। गौरतलब है कि पिछले चार दिनों में विस्तारा एयरलाइंस द्वारा 100 से अधिक उड़ाने रद्द कर दी गई हैं। डीजीसीए ने उड़ाने के रद्द और देरी पर एक दैनिक रिपोर्ट देने के लिए कहा था। इस बीच, विस्तारा एयरलाइंस के सीईओ विनोद कन्नन ने उम्मीद जताई है कि मई महीनें तक परिचालन सामान्य हो जाएगा। उन्होंने कहा कि पायलट्स के बढ़े रोस्टर के कारण उड़ान में बाधा आई।

मई तक स्थिति पूरी तरह सामान्य हो जाएगी- कन्नन - एक साक्षात्कार में विस्तारा एयरलाइंस के सीईओ विनोद कन्नन ने कहा कि हम इस तरह के व्यवधानों के लिए यात्रियों से माफी मांगते हैं। आखिरी मिनट में उड़ान उद्द होने पर चिंता का कोई कारण नहीं है। विस्तारा स्थिति को सामान्य करने पर जोर दे रहा है और ये काफी तेजी से हो रहा है।

विस्तारा के सीईओ विनोद कन्नन का कहना है कि पायलट्स द्वारा उठाई गई चिंताओं की समीक्षा और चर्चा की जा रही है।

इस सप्ताह के बाद उड़ानें रद्द नहीं होगी- विनोद कन्नन - मीडिया एजेंसी को दिए साक्षात्कार में विस्तारा एयरलाइंस के सीईओ विनोद कन्नन ने कहा कि आखिरी समय पर उड़ानें रद्द करने की आवश्यकता इस सप्ताह के बाद नहीं होगी, क्योंकि समस्या को धीरे-धीरे सुलझाया जा रहा है। पायलट्स के लिए बफर स्थिति स्थिर हो रही है। उन्होंने कहा कि जहां तक उड़ानों को लेकर सवाल है कि तो हम सामान्य स्थिति में आ गए हैं।

यात्रियों को हो रही दिक्कत के लिए हमें खेद- विनोद कन्नन -
विनोद कन्नन ने कहा कि सिस्टम में जो भी उड़ानें हैं, वे संचालित होनी चाहिए। उन्होंने यात्रियों को आश्वस्त करना चाहा कि अंतिम समय में उड़ानें रद्द नहीं की जाएंगी। कन्नन ने कहा कि परिचालन में कमी के तहत एयरलाइन ने 20-25 दैनिक उड़ानों में कटौती की है। हम अब मई के शेड्यूल पर काम कर रहे हैं और हम इसे सामान्य प्रकार के परिचालन में लाने के लिए प्रयास करेंगे। सभी 6,500 कर्मचारियों की ओर से, जो कुछ हुआ उसके लिए हमें बहुत खेद है।

पायलट्स की इन बातों को लेकर है शिकायत - बीते विस्तारा एयरलाइंस के पायलट्स ने थकान की शिकायत की थी और इसका सीधा असर सुरक्षा पर पड़ता है। पायलट्स का कहना है कि वह अधिकतम फ्लाइट ड्यूटी की सीमा तक पहुंच गए हैं और थकान की वजह से वे जल्दी जल्दी बीमार हो रहे हैं। विस्तारा एयरलाइंस के कई पायलट बीमार बताए जा रहे हैं। वहीं कई एयर इंडिया के साथ विस्तारा के विलय के बाद लाए जाने वाले सैलरी स्ट्रक्चर से खुश नहीं हैं और इसका विरोध कर रहे हैं। पायलट्स का कहना है कि हर कोई उड़ान से थक गया है। सभी नए फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन नियमों से उम्मीद कर रहे थे कि वे कुछ राहत देंगे, लेकिन फिलहाल ऐसा होता नहीं दिख रहा है। पायलट्स ने इस बात की भी शिकायत की है कि एयरलाइंस पायलट्स से ज्यादा सॉफ्टवेयर पर विश्वास कर रही है। पायलट्स थकान की शिकायत कर रहे हैं और कंपनी बोइंग अलर्टनेस मॉडल पर विश्वास कर रही है।

डीजीसीए की घटनाक्रम पर है नजर - डीजीसीए की भी इस पूरे मामले पर नजर है। यही वजह है कि डीजीसीए ने विस्तारा एयरलाइंस से बड़ी संख्या में फ्लाइट्स कैंसिल होने पर जवाब मांगा था। साथ ही डीजीसीए ने पायलट्स के विरोध को देखते हुए नए फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन नियमों को लागू करने पर फिलहाल रोक लगा दी है और इन पर और चर्चा करने को कहा है। नए नियम 1 जून से लागू होने थे।

शेफील्ड पर जीत से लिवरपूल फिर शीर्ष पर, जीत पाने के लिए करना पड़ा संघर्ष

लंदन ।
लिवरपूल ने अंतिम स्थान पर चल रहे शेफील्ड यूनाइटेड को 3-1 से हराकर इंग्लिश प्रीमियर लीग में एक बार फिर शीर्ष स्थान पर जगह बना ली है। स्कोर लाइन जरूर लिवरपूल के पक्ष में 3-1 से रही, लेकिन उसे जीत के लिए कड़ा संघर्ष करना पड़ा। 76 मिनट तक मुकाबला 1-1 की बराबरी पर थी। अर्जेंटीना के एलेक्सिस मैकएलिस्टर ने 76वें मिनट में गोल कर लिवरपूल को बढ़त दिलाई। कोडी गाक्पो ने 90वें मिनट में तीसरा गोल किया। इस जीत के साथ लिवरपूल के 30 मैचों में 70 अंक हो गए हैं। 68 अंकों के साथ आर्सेनल दूसरे और 67 अंकों के साथ गत विजेता मैनचेस्टर सिटी तीसरे स्थान पर है।

ब्रैडली ने किया आत्मघाती गोल - खेल के 17वें मिनट में डार्विन नुनेज ने लिवरपूल को बढ़त दिलाई, लेकिन 58वें मिनट में कोनर ब्रैडली ने अपनी ही टीम पर आत्मघाती गोल कर स्कोर 1-1 कर दिया। इसके बाद मुकाबला काफी रोचक हो गया। हालांकि मैकएलिस्टर ने बेहतरीन गोल कर लिवरपूल को बढ़त दिला दी। लिवरपूल के कोच जुर्गेन क्लॉप ने कहा कि हमें काफी गहराई तक जाना पड़ा, लेकिन यह सामान्य बात है। हमारा रवैया अच्छा था, लेकिन हमने कई मौकों पर अच्छी फुटबाल नहीं खेली। लिवरपूल का मैनचेस्टर यूनाइटेड के साथ कठिन मुकाबला होगा।

अंतिम क्षणों में दो गोल खाकर यूनाइटेड हारा - मैनचेस्टर यूनाइटेड को चेल्सी के हाथों 3-4 से अविश्वसनीय हार का सामना करना पड़ा। कोले पामर की हैट्रिक की बदौलत चेल्सी को जीत मिली। पामर ने स्टापेज समय में एक मिनट के अंतराल में दो गोल कर यूनाइटेड के डच मैनेजर एरिक टेन हेग की मुश्किलें बढ़ा दीं। ब्रेंटफोर्ड के खिलाफ पिछले मुकाबले में भी यूनाइटेड ने अंतिम क्षणों में गोल खाया था। यह मुकाबला 1-1 की बराबरी पर रहा। टेन हैग ने कहा कि दो मैचों में पांच अंक गंवाना स्वीकार नहीं किया जा सकता है। कोनोर गालेघर (4) और पामर (19) ने पेनाल्टी पर गोलकर चेल्सी को 2-0 की बढ़त दिलाई, लेकिन गारनाचो (34) और ब्रूनो फर्नांडीज (39) ने पहले हाफ में ही यूनाइटेड को बराबरी दिला दी।

न्यूज ब्रीफ

जस्टिन लैंगर ने किया इशारा.....जल्द टूट सकता हैं शोएब अख्तर का रिकॉर्ड

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग में लखनऊ सुपर जाइंट्स के लिए खेल रहे मयंक यादव इन दिनों अपनी तेजतर्रार स्पीड के कारण चर्चा में हैं। सीजन की सबसे तेज गेंद (156.7 किलोमीटर प्रति घंटे) फेंकने का रिकॉर्ड भी उनके नाम हो गया है। उम्मीद है कि वह तेज पिचों पर 100 मील प्रति घंटे की रफ्तार का शोएब अख्तर का रिकॉर्ड तोड़ने में सफल हो सकते है। इसी बीच ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर जस्टिन लैंगर ने शोएब अख्तर या मयंक यादव में कौन तेज है, सवाल पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। बीते दिनों लैंगर ने यादव की प्रशंसा कर पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर को एक हल्का-फुल्का संदेश भी भेजा था। फ्रेंचाइजी द्वारा अपलोड किए गए वीडियो में, पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर को अख्तर की पंच लाइन, फेंटा मार दिया कहते हुए देखा जा सकता है। स्पष्ट है कि लैंगर कहना चाह रहे हैं कि अख्तर का रिकॉर्ड आगामी दिनों में टूट सकता है। वहीं, मयंक यादव ने सीजन में अपनी बेहतरीन गेंदबाजी के लिए इशांत शर्मा और नवदीप सैनी से मिली सलाह का जिक्र किया है। मयंक ने कहा कि मैंने दिल्ली में जितने भी गेंदबाजों से बात की, इशांत भाई और सैनी भाई, उन सभी ने मुझसे कहा कि अगर मैं कुछ नया करना चाहता हूं, तब भी मुझे अपनी गति के आसपास खेलना चाहिए। इस बीच ऑस्ट्रेलियाई ऑलराऊंडर ग्लेन मैक्सवेल ने भी मयंक की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि मुझे लगा कि यह वास्तव में प्रभावशाली था, उन्होंने पंजाब के कुछ बल्लेबाजों पर जल्दबाजी की और मैंने निश्चित रूप से उनके खिलाफ आने से पहले थोड़ा होमवर्क किया। उसके पास कुछ वास्तविक अतिरिक्त गति है जो आप इस समय विश्व क्रिकेट में बहुत अधिक नहीं देखते हैं। आप देखते हैं कि लोग 140 किमी प्रति घंटा के आसपास लगातार गेंदबाजी करते हैं।

टी20 वर्ल्ड कप सबसे ज्यादा रन बनाने वालों में गेल सबसे ऊपर, टॉप-10 खिलाड़ियों 10 में भारत के सुरेश रैना का नाम भी

मुंबई। टी20 वर्ल्ड कप का नौवां एडिशन एक जून से खेला जाएगा। इस मेगा टूर्नामेंट के मैच वेस्टइंडीज और यूएसए में खेले जाएंगे। भारतीय टीम अपना पहला मैच 5 जून को आयरलैंड के खिलाफ खेलेगी। पिछले 9 एडिशन में कई रिकॉर्ड बने हैं और कई टूटे भी हैं। टी20 वर्ल्ड कप में बने रिकॉर्ड की बात करें तो वेस्टइंडीज के ओपनर क्रिस गेल टी20 विश्व कप में दो शतक जड़ चुके हैं. गेल ने पहली बार 2007 में मेजबान साउथ अफ्रीका के खिलाफ 100 रन जड़े थे। गेल ने 117 रन की पारी खेली थी जबकि दूसरी बार उन्होंने 2016 के विश्व कप में इंग्लैंड के खिलाफ नाबाद 100 रन बनाए थे। ओवरऑल टी20 में गेल ने 463 टी20 मैच में 22 शतक जड़े हैं। गेल टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक बनाने वाले बल्लेबाज हैं। इंग्लैंड के पूर्व ओपनर एलेक्स हेल्स ने 2014 में श्रीलंका के खिलाफ चटोग्राम में टी20 विश्व कप में नाबाद 116 रन की पारी खेली थी। हेल्स ने उन्होंने 64 गेंदों पर 11 चौके और 6 छक्के जड़े थे। पाकिस्तान के अहमद शहजाद विश्व कप में सबसे बड़ी पारी खेलने के मामले में चौथे नंबर पर हैं। शहजाद ने 2014 में विश्व कप में बांग्लादेश के खिलाफ नाबाद नाबाद 111 रन बनाए थे। साउथ अफ्रीका के राइली रुसो ने टी20 वर्ल्ड कप में सबसे बड़ी पारी खेलने के मामले में 5वें नंबर पर हैं. रुसो ने 2022 विश्व कप बांग्लादेश के खिलाफ सिडनी में 109 रन बनाए थे।

भारतीय-अमेरिकी भाटिया टेक्सास में आगे, मास्टर्स में जगह बनाने के लिए जीत की जरूरत

सैन एंटोनियो। भारतीय-अमेरिकी अक्षय भाटिया अगले सप्ताह मास्टर्स में पहली शुरुआत से सिर्फ 36 होल दूर हैं। हालांकि, 22 वर्षीय भाटिया को शीर्ष पर बने रहने और वेलेरो टेक्सास ओपन जीतने की जरूरत है, जहां वह दो राउंड बाकी रहते हुए पांच शॉट से मजबूत क्षेत्र में आगे हैं। ऑगस्टा नेशनल में वेलेरो टेक्सास ओपन के विजेता के लिए एक स्थान आरक्षित है। पहले दिन शानदार 63 का शानदार कार्ड खेलने के बाद, उन्होंने दो लेट बर्डीज़ के साथ 2-अंडर 70 का स्कोर जोड़ा, जिससे उनकी बढ़त पांच शॉट तक पहुंच गई। 22 वर्षीय खिलाड़ी ने फ्रंट नौ में दूसरे और आठवें होल पर पार 5 पर बर्डी लगाई और बीच में पार-3 के आठवें होल पर बर्डी लगाई। हवा चलती रही और खिलाड़ी शॉट छोड़ते रहे और भाटिया बढ़त बनाते रहे और उसे बढ़ाते रहे। भाटिया 11-अंडर 133 पर थे। भाटिया ने पिछली गर्मियों में बाराकुडा चैम्पियनशिप जीती थी, लेकिन इसे ओपन चैम्पियनशिप के उसी सप्ताह एक अतिरिक्त कार्यक्रम के रूप में खेला गया था और इससे उन्हें मास्टर्स में प्रवेश नहीं मिला।

आईपीएल में मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मुकाबला आज

मुंबई ।
मुंबई इंडियंस आईपीएल 2024 के एक अहम मुकाबले में अपने घरेलू मैदान पर दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला करेगी। मुंबई का लक्ष्य इस मैच को जीतकर किसी भी प्रकार टूर्नामेंट में पहली जीत दर्ज करना रहेगा। हार्दिक पंड्या के कप्तानी संभालने के बाद टीम को अब तक हुए तीनो ही शुरुआती मुकाबलो में हार का सामना करना पड़ा है जिससे वह अंक तालिका में सबसे नीचे है। पांच बार की विजेता टीम को इस प्रकार एक जीत के लिए तरसता देखकर प्रशंसकों में भी खासी नाराजगी है। इससे पंड्या को भी लोगों के विरोध का सामना करना पड़ रहा है। वहीं दूसरी ओर ऋषभ पंत की कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स का प्रदर्शन भी अब तक अच्छा नहीं रहा है ओर उसे तीन में से केवल एक ही मैच में जीत मिली है। वह भी उसे अपने कप्तान की आक्रामक पारी से मिली। दिल्ली के लिए राहत की बात ये है कि ऋषभ अब अपना पुराना फार्म हासिल करते जा रहे हैं हालांकि टीम की जीत के लिए सभी को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। अब तक दोनो ही टीमों की बल्लेबाजी और गेंदबाजी खास नहीं रही है। इसलिए इस मुकाबले में किसका पलड़ा भारी रहेगा ये कहा नहीं जा सकता है।

वानखेड़े स्टेडियम की पिच बल्लेबाजी के लिए अनुकूल रहती है। ऐसे में जीत के लिए बड़ा स्कोर बनाना होगा। मुंबई की पिच में शुरुआती ओवरों में तेज गेंदबाजों को सहायता रहती है। ऐसे में शुरुआत में बल्लेबाजों को सतर्क होकर खेलने की जरूरत है। मुंबई इंडियंस इस सत्र में एकमात्र टीम है, जो जीत हासिल नहीं कर पाई है पर इस मैच से सूर्यकुमार यादव की वापसी से उसे लाभ हो सकता है। इससे मुंबई की बल्लेबाजी मजबूत होगी। सूर्या के आने से मध्यक्रम मजबूत होगा। दोनो ही टीमों को जीत के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। मुम्बई के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी अब तक अपने नाम के अनुसार गेंदबाजी नहीं कर पाये हैं। अब देखना है कि इस मैच में वह किस प्रकार की गेंदबाजी करते हैं। दिल्ली के गेंदबाज पिछले मैच में विफल रहे थ। अब इस मैच में उन्हें पिछली गलतियों को नहीं दोहराना होगा।

सूर्यकुमार यादव मुंबई इंडियंस के कैंप से जुड़े : टीम के साथ प्रैक्टिस की एमआई का अगला मुकाबला 7 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ

मुंबई इंडियंस के बैटर सूर्यकुमार यादव इंडियन प्रीमियर लीग 2024 में टीम के लिए खेलने के लिए तैयार हैं। यादव नेशनल क्रिकेट एकेडमी में रिहैब करने के बाद अब एमआई के कैंप से जुड़ चुके हैं। सूर्या ने टीम के साथ प्रैक्टिस भी की। फिटनेस प्रॉब्लम के कारण सूर्या शुरुआती तीन मैच नहीं खेल सके थे। सूर्या ने इसी साल जनवरी में जर्मनी में ग्रोइन की सर्जरी कराई थी। सूर्या ने दूसरी बार ग्रोइन इंजरी की सर्जरी कराई, जिसके बाद वे बेंगलुरु स्थित एनसीए में रिहैब से गुजर रहे थे। मुंबई अपना अगला मुकाबला 7 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ वानखेड़े में खेलेगी। हालांकि इस मुकाबले में सूर्या के खेलने पर संशय बना हुआ है। सूर्यकुमार ने 143.32 की स्ट्राइक रेट से आईपीएल में बनाए हैं रन सूर्यकुमार यादव ने आईपीएल में अब तक खेले 139 मैचों में 143.32 की स्ट्राइक रेट से 3249 रन बनाए हैं। पिछले सीजन में उन्होंने मुंबई इंडियंस के लिए खेले 16 मैचों में 43.21 की औसत से 605 रन बनाए थे। साउथ अफ्रीका दौरे पर तीसरे टी-20 में हुए थे चोटिल सूर्या साउथ अफ्रीका के खिलाफ दिसंबर 2023 में में खेले गए टी-20 सीरीज के तीसरे मैच में फील्डिंग के दौरान चोटिल हो गए थे। उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा था। उनके ग्राउंड से बाहर जाने के बाद उप कप्तान रवींद्र जडेजा ने टीम की कप्तानी संभाली थी, तब से वे मैदान से दूर थे। मुंबई को सीजन में अब तक एक भी जीत नहीं मिली, पॉइंट टेबल में आखिरी नंबर पर मुंबई इंडियंस के लिए सूर्यकुमार यादव की गैरमौजूदगी में सीजन की शुरुआत ठीक नहीं मिली।

भगवान शिव की शरण में पहुंचे पंड्या

अहमदाबाद ।
मुम्बई इंडियंस के नये कप्तान हार्दिक पंड्या आजकल अपने करियर के खराब दौर से गुजर रहे हैं। आईपीएल 2024 में उनकी टीम अब तक एक भी मैच नहीं जीत पायी है। ऐसे में निराश पंड्या अब भगवान शिव की शरण में पहुंचे हैं। मुंबई इंडियंस की टीम का मुकाबला रविवार को दिल्ली कैपिटल्स से भिड़ेगी। ऐसे में इस मैच से पहले पंड्या भगवान महादेव के मंदिर में पूजा अर्चना के लिए पहुंचे। पंड्या का एक वीडियो सोशल मीडिया पर आया है। इसमें वह सोमनाथ मंदिर में भगवान शिव की अराधना करते हुए दिख रहे हैं। वह शिवलिंग पर जल चढ़ा रहे हैं जबकि उनके साथ बैठे पंडित जी मंत्र पढ़ रहे हैं। पंड्या अकेले ही यहां पूजा के लिए पहुंचे थे। दिल्ली के खिलाफ मैच से पहले मुम्बई के लिए सकारात्मक बात ये है कि उनके आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव फिट होकर टीम में शामिल हो गये हैं। इससे टीम की बल्लेबाजी मजबूत होने की उम्मीद है। सूर्या ने टीम से जुड़ने के बाद नेट सत्र में भी भाग लिया। वह अभ्यास के दौरान काफी बेहतर शॉट लगाते दिखे। सूर्या पिछले साल दिसंबर से क्रिकेट के मैदान से बाहर रहे हैं। पहले उनके टखने में चोट लगी, फिर स्पोर्टस हर्निया के कारण वह परेशान रहे। उनकी वापसी से टीम की बल्लेबाजी बेहतर होगी।

युकी-ओलिवेट्टी की जोड़ी मराकेश ओपन टेनिस के सेमीफाइनल में, इन्हें दी शिकस्त

मराकेश (मोरक्को)। भारत के युकी भांबरी और फ्रांस के अलबानो ओलिवेट्टी ने तीसरी वरीयता प्राप्त निकोलस बारियेंटोस और रफेल माटोस को हराकर एटीपी मराकेश ओपन पुरुष युगल सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। युकी और अलबानो की गैर वरीय जोड़ी ने दो घंटे चले क्वार्टर फाइनल मुकाबले में कोलंबिया के निकोलस और ब्राजील के रफेल को 7-6, 6-7, 10-7 से हराया। अब उनका सामना दूसरी वरीयता के लुकास मिडलन और ऑस्ट्रिया के एलेक्जेंडर एर्लर से होगा। भांबरी और ओलिवेट्टी ने दस एसेज लगाए जबकि उनकी प्रतिद्वंद्वी जोड़ी ने तीन ही लगाए थे।

आईओए में घमासान चरम पर, नौ सदस्यों ने नोटिस चस्पा कर अनधिकृत व्यक्तियों के प्रवेश पर लगाई रोक

नई दिल्ली।
भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) में सीईओ समेत दो नियुक्तियों को लेकर घमासान चरम पर पहुंच गया है। उपाध्यक्ष राजलक्ष्मी सिंह देव की अगुवाई में आईओए कार्यकारिणी के नौ सदस्यों ने संघ परिसर में नोटिस चस्पा कर अनधिकृत व्यक्तियों के प्रवेश पर रोक लगा दी है।

सीईओ की नियुक्ति निरस्त कर चुकी है कार्यकारिणी

कार्यकारिणी सदस्यों का इशारा जनवरी में नियुक्त किए गए सीईओ रघुराम अय्यर और आईओए अध्यक्ष पीटी उषा के कार्यकारी सहायक कैप्टन अजय नारंग को लेकर है। सीईओ की नियुक्ति को लेकर छह जनवरी से ही पीटी उषा और कार्यकारिणी सदस्यों के बीच टकराव हो रहा है। कार्यकारिणी सदस्यों का कहना है कि सीईओ का भारीभरकम वेतन (20 लाख रुपये प्रति माह, कुल सालाना वेतन तीन करोड़ रुपये) काफी ज्यादा है।

हाल ही में 15 सदस्यीय कार्यकारिणी में से 12 सदस्यों ने सीईओ की नियुक्ति को निरस्त कर दिया था। हालांकि सीईओ अपना कार्यभार संभाले रहे। इसके बाद ही कार्यकारिणी सदस्यों ने बैठक कर नोटिस चस्पा कर दिया। नोटिस पर राजलक्ष्मी सिंह देव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अजय पटेल, कोषाध्यक्ष सहदेव यादव, उपाध्यक्ष गगन नारंग, सदस्य योगेश्वर दत्त, डोला बनर्जी, भूपेंद्र सिंह बाजवा, अमिताभ शर्मा और हरपाल सिंह के हस्ताक्षर हैं।

विरोध पर आईओए हो सकता है निलंबितः उषा

पीटी उषा का कहना है कि कार्यकारिणी सदस्यों ने सीईओ के वेतन पर फिर से विचार करने को कहा था। इसके बाद उनके वेतन में 30 प्रतिशत की कटौती कर दी गई। उषा ने कार्यकारिणी सदस्यों को चेतावनी दी कि अगर सदस्य इसी तरह विरोध जारी रखेंगे तो अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) इस मामले में हस्तक्षेप करते हुए आईओए को निलंबित कर सकती है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में ओलंपिक तैयारियों को पुख्ता करेगा भारत, उम्दा प्रदर्शन की उम्मीद

पर्थ ।
शानदार फॉर्म में चल रही भारतीय पुरुष हॉकी टीम पेरिस ओलंपिक से पहले अपनी तैयारियों को पुख्ता करने के लिए यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू हो रही पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में उम्दा प्रदर्शन करने के इरादे से उतरेगी। इस सीरीज से भारत को पेरिस ओलंपिक से पहले अपनी ताकत और कमजोरियों को आंकने का मौका मिलेगा। भारत और ऑस्ट्रेलिया पूल-बी में शामिल भारत और ऑस्ट्रेलिया को पेरिस ओलंपिक के पुरुष हॉकी टूर्नामेंट में पूल बी में रखा गया है। दोनों टीमें दो अगस्त को अपने अंतिम ग्रुप मैच में भिड़ेंगी। पेरिस ओलंपिक की 16 सदस्यीय टीम में जगह बनाने के लिए युवा खिलाड़ियों के लिए यह सीरीज काफी महत्वपूर्ण होगी। मुकाबले छह, सात, दस, 12 और 13 अप्रैल को खेले जाएंगे। मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, हमारा फोकस अपनी रणनीति पर प्रभावी अमल करके ऑस्ट्रेलिया की चुनौती का माकूल जवाब देने पर होगा। भारत ने विदेशी धरती पर 10 साल पहले जीती थी सीरीज भारत ने आखिरी बार 2014 में विदेश में टेस्ट सीरीज जीती थी। फरवरी में एफआईएच प्रो लीग में शानदार प्रदर्शन के बाद भारतीय टीम आत्मविश्वास से ओतप्रोत है। भारत ने प्रो लीग में भुवनेश्वर में चार में से तीन मैच जीते और राउरकेला में अपराजेय रही। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसे दोनों मैचों में पराजय मिली। दोनों टीमें ओलंपिक में एक ही ग्रुप में हैं लिहाजा टेस्ट सीरीज के जरिये दोनों को एक-दूसरे को आंकने का मौका मिलेगा। हमें अपनी क्षमता पर भरोसा कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा, हम इस चुनौती के लिए तैयार हैं। हमें पता है कि ऑस्ट्रेलिया कठिन प्रतिद्वंद्वी है लेकिन हमें अपनी क्षमता और तैयारियों पर भरोसा है। हमारा लक्ष्य सिर्फ इस सीरीज में अच्छा प्रदर्शन करना नहीं बल्कि एक ईकाई के रूप में खुद को निखारना भी है। वहीं, मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, पेरिस ओलंपिक की तैयारी के लिए यह सीरीज बहुत महत्वपूर्ण है। हमें अपनी रणनीतियों को अंतिम रूप देना है और उन पहलुओं का पता करना है जिनमें सुधार की जरूरत है।

शोएब मलिक से अलग होने के बाद मीडिया के सामने आईं सानिया मिर्जा, बेटे इजहान-डब्लूपीएल को लेकर कही यह बात

नई दिल्ली ।
पिछले कुछ समय से भारत की पूर्व टेनिस स्टार सानिया मिर्जा काफी चर्चा में हैं। दरअसल, उनके पूर्व पति शोएब मलिक ने अचानक से तीसरी शादी रचाई थी। इसके बाद खुलासा हुआ था कि सानिया ने काफी समय पहले ही शोएब को तलाक दे दिया था। हालांकि, इसकी भनक लोगों को नहीं लग सकी थी। इसके बाद सानिया ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर भी कई भावुक कर देने वाले मैसेज पोस्ट किए थे। हालांकि, इस पूरे मुद्दे को लेकर उन्होंने मीडिया में कुछ खास बयान नहीं दिया था। अब वह मीडिया के सामने आई हैं। इस दौरान सानिया ने कई पहलुओं पर बातचीत की।

सानिया ने कहा- हमें, एक राष्ट्र के रूप में, एक समाज के रूप में अधिक से अधिक लड़कियों को उनके सपनों को पूरा करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। हमें अधिक से अधिक लड़कियों को वह करने के लिए प्रोत्साहित करना होगा जो उन्हें पसंद है, चाहे वह लीक से हटकर ही क्यों न हो। मुझे लगता है कि धीरे-धीरे ऐसा हो रहा है, लेकिन सुधार की गुंजाइश हमेशा बनी रहती है।

इसी साल पेरिस में ओलंपिक होना है। भारतीय फैंस अपने एथलीट से कई पदकों की आस लगाए बैठे हैं। बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों और हांगझोऊ एशियाई खेलों में भारतीय एथलीटों की सफलता के बाद फैंस को स्वर्ण पदक की काफी उम्मीद है। 2021 टोक्यो ओलंपिक में नीरज चोपड़ा ने भाला फेंक में भारत को स्वर्ण पदक दिलाया था। हालांकि, सानिया का मानना है कि ओलंपिक सिर्फ एक दिन की मेहनत का नतीजा नहीं है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हर बार जब ओलंपिक आते हैं तो आप स्वर्ण पदक की उम्मीद नहीं कर सकते हैं।

तीन बार की ओलंपियन सानिया ने कहा, अगर आपने पिछले चार वर्षों में उनका समर्थन नहीं किया है तो पदक की उम्मीद करने का हक नहीं रख सकते। मुझे लगता है कि सबसे पहली और सबसे महत्वपूर्ण बात यह समझना है कि स्वर्ण पदक रातोंरात नहीं बनते हैं। स्वर्ण पदक वर्षों और वर्षों के आंसू और पसीने से बने होते हैं। एथलीट कई वर्षों तक इसके लिए मेहनत करते हैं। लोग सिर्फ ओलंपिक से पहले दो से तीन महीने तक इस पर ध्यान देते हैं। पिछले साल टेनिस से संन्यास लेने सानिया ने कहा कि भले ही भारत विश्व खेल में एक नई ऊंचाई पर पहुंच गया है, लेकिन सुधार की हमेशा गुंजाइश है और लोगों को कई वर्षों तक एथलीटों का समर्थन करने की आवश्यकता है। भारत ने अपने एशियाई खेलों 2023 के अभियान को 107 पदकों के रिकॉर्ड के साथ समाप्त किया। इनमें 28 स्वर्ण, 38 रजत और 41 कांस्य पदक शामिल हैं। वहीं, टोक्यो ओलंपिक में भारत ने सात पदक जीते थे, जो कि सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था।

टेनिस से संन्यास लेने के सवाल पर सानिया ने कहा, मेरी रिटायरमेंट का एक कारण मेरे बेटे के साथ समय बिताना था, जो अब मैं करती हूं और मुझे ऐसा करना पसंद है। मैं अभी भी काम करती हूं। हैदराबाद में मेरी टेनिस अकादमी है, दुबई में भी कुछ हैं और मैं खुद को व्यस्त रखती हूं, लेकिन मैं जानबूझकर खुद को ज्यादा व्यस्त नहीं रखना चाहती, क्योंकि मैं अपने बेटे के साथ कुछ समय बिताना चाहती हूं।

सानिया को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने पिछले सीजन महिला प्रीमियर लीग में अपना मेंटर नियुक्त किया था। इस लीग को लेकर सानिया ने कहा- डब्लूपीएल महिला क्रिकेट के लिए बहुत बड़ी चीज है क्योंकि महिला क्रिकेट हमेशा से खेला जाता रहा है। ऐसा नहीं है कि उन्होंने इस तरह का कुछ खेला नहीं है, लेकिन उन्हें वह पहचान नहीं मिल पाई जो पुरुष क्रिकेटरों को मिलती थी। अब इस मंच के साथ, डब्लूपीएल के साथ, मुझे लगता है कि यह उनके लिए वास्तव में बहुत अच्छा हो गया है कि वे अपनी प्रतिभा दिखा सकें और यह भी दिखा सकें कि वे जो करती हैं उसमें वे कितनी अच्छे हैं। जितनी अधिक निगाहें, खेल उतना ही बड़ा हो जाता है।

आंखों की रोशनी तेज करने में बढ़े काम आएंगे ये नुस्खे

आजकल लोग मोबाइल,कंप्यूटर का इस्तेमाल 7-8 घंटे लगातार करते हैं। इसस आंखों पर बहुत बुरा असर पड़ता है। जिससे चश्मे का नंबर भी बढ़ना शुरू हो जाता है। बिना चश्मे या लैंस के देखना मुश्किल होने लगता है। चश्मा पर्सनैलिटी को भी कम करता है। इससे छुटकारा पाने के लिए घरेलू उपायों को उआंखों की रोशनी बढ़ाने के लिए घरेलू तरीके अपना कर चश्में से राहत पाई जा सकती है।

1. रोजाना सुबह आंखों को ठंड़े पानी से धोएं। ठंड़े पानी के छींटे मारने से आंखें सारा दिन फ्रैश रहती हैं।

2. आंखो की थकावट को दूर करने के लिए अपने हाथों की हथेलियों को आपस में रगड़ें। जब हथेली गर्म हो जाए तो इसे आंखों पर रखें।

3. आंवले के पानी से आंखे धोने से यह स्वस्थ रहती हैं। ज्यादा थकावट होने पर गुलाब जल भी आंखो में डाल सकते हैं।

4. रात को पानी में बादाम भिगो कर सुबह दूध के साथ खाने से आंखों की रोशनी बढ़ने लगती है।

5. गाय के देसी घी से कनपटी की मलिश करने से आंखो की रोशनी बढ़ने लगती है।

6. रोजाना खाली पेट तांबे के बर्तन में रखा पानी पिएं।

7. सौंफ,मिश्री और बादाम का मिश्रण रात को दूध के साथ पिएं। ध्यान रखें कि इसके बाद पानी नहीं पीना है।

8. आंवला सेहत और बालों के लिए बहुत अच्छा होता है। दिन में 2 बार आंवले का मुरेबा खाने से आंखों की रोशनी तेज होनी शुरू हो जाती है।

9. आंखों की रोशनी बढ़ाने के लिए अखरोट बहुत असरदार है। आंखों के आसपास अखरोट के तेल की मालिश करें। रोजाना इस उपाय के करने से चश्मा उतर जाएगा।

10.सुबह उठने के बाद बिना कुल्ला किए मुंह की पहली लार अपनी आंखों में काजल की तरह लगाएं। लगातार 4-6 महीने तक यह उपाय करने से आंखों की रोशनी तेज हो जाती है।

हेल्थ अलर्ट

शरीर की सभी नाड़ियों की सफाई करता है नाड़ीशोधन प्राणायाम

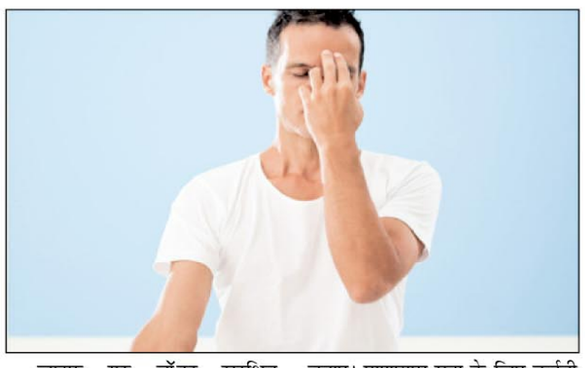

लाइफ गुरु डॉटर सुरक्षित गोस्वामी के अनुसार, नाड़ीशोधन प्राणायाम शरीर की सभी 72 हजार नाड़ियों में प्राण का संचार कराने में सहायक है, जो नर्वस सिस्टम को ताकत देकर उसकी कमजोरी से होने वाले रोगों में लाभ पहुंचाता है।

लाइफ गुरु आगे कहते हैं, नाड़ीशोधन प्राणायाम से हृदय, फेफड़ें व मस्तिष्क के स्नायु को बल मिलता है, जिससे वो स्वस्थ बने रहते हैं। साथ ही यह मन को शांत और एकाग्र करने वाला है। इसके अेयास से तनाव, क्रोध, चिंता, चिड़चिड़ापन, बेचैनी, हाई लड प्रेशर, माइग्रेन, नींद न आना, अंगों में केपन, मल्टिपल सिरॉसिस आदि मन-मस्तिष्क के विकारों में लाभ पहुंचता है। यह हमारे भीतर शान्ति व धैर्य को बढ़ाकर संकल्प शक्ति, निर्णय शक्ति, और संतुलन शक्ति का विकास करता है।

विधि

नाड़ीशोधन प्राणायाम के लिए सुखासन या पद्मासन में कमर, गर्दन सीधी करके आराम से बैठ जाएं, आंखें बंदकर लें। सीधे हाथ की प्राणायाम मुद्रा बनाए। प्राणायाम मुद्रा के लिए तर्जनी और मध्यमा अंगुलियों को माथे पर रख लें और अंगूठे से दाएं नासारंध्र (नास्ट्रिल) को बंद करें, अब बाएं नासारंध्र से धीरे-धीरे पूरा सांस बाहर निकाल दें, फिर बाएं नासारंध्र से ही धीरे-धीरे अधिक से अधिक सांस भरें व तीनों बन्धों का प्रयोग करते हुए यथाशक्ति सांस को रोक लें। फिर सांस निकालने लिए बाएं नासिका रंध्र को बंद कर, दाए नासिका रंध्र से सांस को धीरे-धीरे बाहर निकाल दें । अब दाएं नासिकारंध्र से ही धीरे-धीरे सांस भरें, यथाशक्ति बंधों के माध्यम से सांस रोकें व बाएं नासिकारंध्र से निकाल दें। यह एक चक्र नाड़ीशोधन प्राणायाम कहलाता है। इस प्रकार कम से कम 11 चक्र या यथाशक्ति इसका अेयास कर लें । अंत में बाई नासिका से सांस बाहर निकालकर हाथ नीचे लाएं व शांत भाव से बैठे रहें।

सावधानी

सांस इतना धीमी गति से भरें और निकालें कि यदि नाक के पास रुई रखी हो तो वह भी न हिले।

ऐसा करने पर परिवार में कलह नहीं प्यार बढ़ेगा

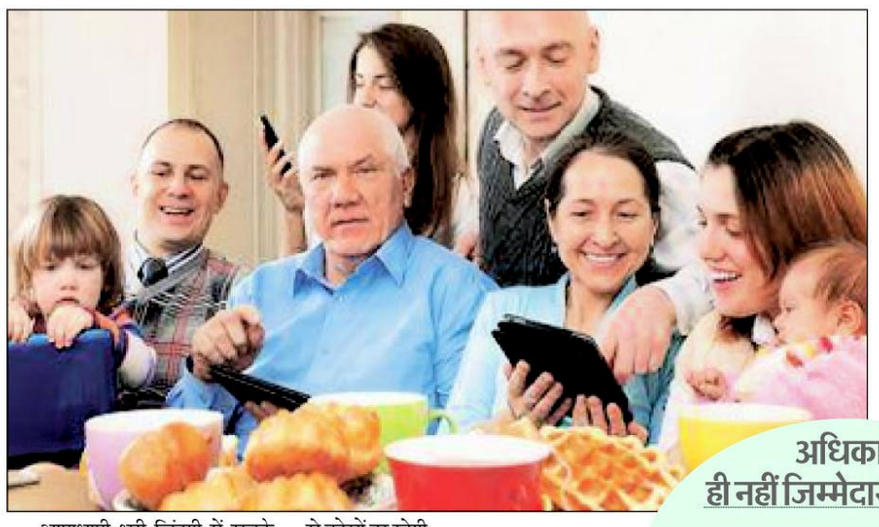

आपाधापी भरी जिंदगी में सबके पास अपने तनाव हैं। यह बात परिवार में भी लागू होती है। हमारा लाइफस्टाइल ही ऐसा हो गया है कि किसी की भावनाएं समझने के लिए हम वक्त नहीं दे पाते। बातें स्ट्रेटफॉरवर्ड होती हैं। ऐसा करते वक्त हम यह भी भूल जाते हैं कि जाने-अनजाने हम अपने ही लोगों को आहत कर रहे हैं। जिसका परिणाम पारिवारिक कलह के रूप में सामने आता है। इन छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखेंगे तो कलह परिवार से कोसों दूर रहेगी...

छोटे-छोटे त्याग

त्याग बहुत बड़ा और गहरा शेद है, लेकिन परिवार के सदस्यों के साथ छोटी-छोटी को लेकर किया गया अजस्टमेंट हमारे जीवन में बड़े सुख का कारक बन सकता है।

अपनी बात थोपने से बचें

जब हम परिवार के बड़े होते हैं तो हमें अेसर लगता है कि हम जो कह रहे हैं, वही सही है। या जो निर्णय हम परिवार या परिवार के किसी सदस्य को लेकर कर रहे हैं, उससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता। दरअसल यह सोच सही नहीं है। जब हम ऐसा व्यवहार करने लगते हैं, तो हमारे अपने लोग हमसे दूसर होने लगते हैं। रिश्तों में दूरियां न आएं, इसके लिए जरूरी है कि परिवार से संबंधित कोई भी डिसिजन लेने से पहले फैमिली के छोटे-बड़े सभी मेंबर्स बैठकर सलाह करें।

इतनी जिद अच्छी नहीं

जब हम परिवार में छोटे होते हैं तो आमतौर पर हमें कई बातों में प्रिवलेज मिलती है। हमारी छोटी-सी जिद और जरूरत को पूरा करने में हमारी फैमिली जुट जाती है। लेकिन उनके प्यार का यह मतलब नहीं कि हम इसका गलत फायदा उठाने लगें। मसलन, अगर परिवार के सदस्य आपकी किसी डिमांड से सहमत नहीं हैं, तो जिद पर अड़ने के बजाय उनकी ना की वजह समझने की कोशिश करें। आखिर परिवार में हमसे बड़े लोगों का जिंदगी से जुड़ा तजुर्बा हमसे कहीं अधिक है।

अधिकार ही नहीं जिम्मेदारी भी जानें

खासतौर पर पारिवारिक रिश्तों में यंग जनरेशन का यह रवैया हो गया है कि वह केवल अपने अधिकारों की बात करने लगे हैं। जबकि ऐसा करते वक्त हम भूल जाते हैं कि अधिकारों की मांग वही उठा सकता है, जिसने अपनी जिम्मेदारियां निभाई हों। इसलिए अधिकार और जिम्मेदारी दोनों को समझें। यह परिवार के साथ तालमेल बैठाने में मददगार रहेगा।

युवा जगत

वॉर्डरोब कलैक्शन खोलती हैं आपके बारे में कई राज

हर किसी को कोई न कोई कलर बेहद पसंद होता है। अपनी पसंद के कलर के हिसाब से ही लोग अपनी वॉडरोब में कपड़े, फुटवियर या फिर बैंग्स की कलैक्शन रखते हैं। आपके पसंदीदा कलर भी आपकी पर्सनैलिटी के बारे में बहुत कुछ बताता है। आज हम आपको बताते हैं कि आपके मनपसंद कलर के पीछे का राज।

1. लाल

लाल रंग पसंद करने वालों को दूसरों के साथ बातचीत करना बहुत पसंद होता है। अगर आपका फेवरेट कलर भी रेड हैं तो आप हमेशा अपनी लाइफ को दिलचस्प बनाने की कोशिश करते है।

2. हरा

अगर आपको हरा रंग पसंद है तो आप सिर्फ एक चीज चाहते हैं कि कि लोग आपके शुक्रगुज़ार हों। इन लोगों को प्यार देना और पाना पसंद होता है।

3. पीला

जिन लोगों को पीला रंग पसंद होता हैं वह हमेशा अपने आसपास की चीजों को परफैक्ट रखना पसंद करते हैं। फैशन के मामले में उनका ड्रैसिंग स्टाइल सिंपल होता है।

4. नीला

अगर आपको नीला रंग पसंद है तो आप अपनी जिंदगी अपने सेत उसूलों के हिसाब से जीते है। ऐसे लोग बिना मेहनत किए लोगों को खुश करना जानते है।

5. ब्लैक

लड़कियों को लैक कलर बहुत पसंद होता हैं। इन लोगों को अकेला रहना और अंधेरा पसंद होता है। जिन लोगों को लैक कलर पसंद होता है वो अपनी भावनाओं को दूसरों के सामने प्रकट नहीं करते।

6. व्हाइट

अगर आपको व्हाइट कलर पसंद हैं तो इसका मतलब आप खुद को लड़ाई-झगड़े और टकराव से दूर रखना चाहती है। ऐसे लोग किसी के प्रति अधिक देर तक नाराजगी नहीं रखते।

ये 6 तरह के अचार, खाने के टेस्ट को कर देंगे दोगुना

खाने के साथ अगर अचार मिल जाए, तो इसका स्वाद दोगुना हो जाता है. भारत में शादी हो, पार्टी हो या अन्य कोई आयोजन, जब तक खाने के साथ अचार न दिया जाए, यहां के लोगों को मजा ही नहीं आता. यहां पर कोई भी खाना अचार के बिना पूरा नहीं होता. भारत अत्यधिक विविधता का देश है और यहां असेंय जायकों के दावे किए जाते हैं. आइए आपको बताते हैं कुछ ऐसे अचारों के बारे में जो भारत में काफी पसंद किए जाते हैं.

कमलककड़ी का आचार : यह अचार सरसों के तेल और मसालों के साथ कमल के पके हुए दानों से बनता है. यह सिंधी और पंजाबी परिवरों में काफी पसंद किया जाता है. इसे आप पराठे के साथ भी खा सकते हैं.

बैंगन का अचार : आपने बैंगन का भरता तो जरूर खाया होगा, पर`या कभी आपने सोचा है कि बैंगन का अचार कैसा होता होगा. यह मसालेदार और टेंगी अचार मिर्च, लहसुन, अदरक, सिरके और बैंगन के मिश्रण से तैयार किया जाता है.

मिस्ती कुलर अचार : अगर आप बंगाली हैं तो इस अचार के बारे में आपने जरूर सुना होगा. मिस्त्री कुलर अचार को तोपा बेरी से तैयार किया जाता है और इसे अे?सर सर्दियों में खाया जाता है.

मुर्घ अचार : अगर आपको चिकन से बहुत प्यार है तो यह अचार आपके लिए ही बना है. इसमें रसदार चिकन में मसाले, जड़ी बूटी और अदरक और लहसुन का पेस्ट मिलाया जाता है.

करेले का अचार : आपको लग रहा होगा करेले का अचार बहुत कड़वा होता होगा. लेकिन यह अचार आपको कड़वा नहीं लगेगा. इसका हल्का स्मोकी स्वाद काफी अनूठा होता है. सरसों के बीज, करी पौ और मिर्च के साथ पकाया गया यह अचार किसी भी डिश के साथ खाया जा सकता है.

ड्रमस्टिक अचार : यह दो महीने तक चलने वाला सुपर टेंगी अचार है. यह बीज रहित ड्रमस्टिक के साथ बहुत आसानी से तैयार किया जा सकता है.

उसकी खुशी के लिए खुद से करें यह वादा

पति-पत्नी के रिश्तों में तालमेल बहुत जरूरी है। यह एक ऐसा रिश्ता है जिसमें नोकझोंक होना आम बात है। ध्यान रखें, यह नोकझोंक बड़े विवाद का रूप न ले। यहां जानिए, कुछ ऐसी जरूरी बातें जिनसे पति-पत्नी के बीच प्रेम और शांति बनी रहती है...

प्यार से जताएं असहमति

शादीशुदा जिंदगी में तर्क-वितर्क होना आम बात है। ऐसे में अगर आप अपने पार्टनर की किसी बात से सहमत नहीं हैं तो नाराज होने के बजाय प्यार से असहमति जता दें। पति-पत्नी द्वारा किसी एक विषय पर अलग-अलग तर्क या नजरिया रखना अपराध नहीं है। ऐसे साथी की बात ध्यान से सुने और प्यार से उस मुद्दे पर अपनी असहमति जता दें। ऐसा करते वक्त सहजता बनाए रखें।

गुस्से पर रखें कंट्रोल

हमने अेसर अपने घरों में देखा है, मेमी-पापा या दादी-दादाजी के बीच कभी किसी बात पर छोटी-मोटी बहस होती है, तो दोनों में से कोई एक शांत हो जाता है। दरअसल यही सुखद वैवाहिक जीवन का राज है। हम सभी इंसान हैं और सभी का गुस्सा कभी न कभी आउट ऑफ कंट्रोल हो जाता है। ऐसे में साथी से उलझने से बेहतर है कि आप चुप रहें और जब पार्टनर का गुस्सा शांत हो जाए, तब उससे बात करें।

यह वादा करें खुद से

आप दोनों अपने आप से और एक-दूसरे से यह वादा कीजिए कि बेडरूम में जाने से पहले किसी भी तरह का मनमुटाव आप सुलझा लेगें। बेड पर किसी तरह की नाराजगी लेकर नहीं जाएंगे। इससे आपके रिश्ते में हमेशा मिठास बनी रहेगी।

एक ही बात न करें बार-बार

गलतियां सभी से होती हैं। अगर आपके पार्टनर से पूर्व में किसी तरह की कोई भी गलती हो गई है, तो उसे भुलाकर आगे बढ़ें। बात-बात पर या हर बार मूड खराब होने पर उसे उस पुरानी गलती को लेकर कमेंट न करें। इससे रिश्तों में ताजगी नहीं रह पाती।

बेडरूम में हो सिर्फ अपनी बात

घर के झगड़े, ऑफिस की टेंशन और बच्चों की फिक्र ऐसी किसी भी बात को बेडरूप में बाहर ही रखें। एक बार बिस्तर पर पहुंचने के बाद आप दोनों केवल अपनी बातें करें। एक दूसरे को कॉमप्लिमेंट दें। इस खास वक्त में किसी और की बात भूलकर भी न छेड़ें।

वास्तु के हिसाब से सजाएं बच्चों का कमरा

बच्चों का कमरा सजाना कोई आसान काम नहीं है। इसमें भी बहुत-सी बातों को ध्यान में रख कर चलना पड़ता है। जैसे कि बैड कहां लगाएं, स्टडी टैबल कहां लगाएं और भी बहुत कुछ। अगर आप भी अपने बच्चों का कमरा सजाने जा रहे हैं और आप कन्फ्यूजन में हैं कि कौन-सी चीज कहां रखें तो इस काम में हम आपकी मदद कर सकते हैं। जी हां, बिल्कुल आज हम आपको कुछ ऐसे वास्तु टिप्स बताएंगे जिन्हें फॉलो करके आप अपन बच्चों का कमरा बड़ी आसानी से सजा सकते हैं।

1. बैडरूम : कमरे में बच्चों का बैड ऊेर-पूर्व दिशा की ओर रखें। ऊेर-पूर्व दिशा का संबंध बल, बुद्धि और शौर्य से होता है। इस दिशा में बैड रखने से बच्चों का मन पढ़ाई में लगा रहता है।

2. स्टडी टेबल : बच्चों के कमरे में स्टडी टेबल ऐसी जगह रखें, जहां बच्चों का मुंह ऊेर या पूर्व दिशा की तरफ हो। इस दिशा में बैठने से बच्चे अपना लक्ष्य जल्दी प्राप्त करते हैं।

3. फोटो फ्रेम : बच्चों के कमरे में फोटोफ्रेम पश्चिम दिशा की ओर लगाएं। इस दिशा में बच्चों की तस्वीर लगाना अति ऊेम माना जाता है।

4. ग्लोब : अपने बच्चों को पढ़ाई में होशियार बनाने के लिए घर की ऊेर-पूर्व दिशा में ग्लोब रखें। इस दिशा में पृथ्वी की प्रतिमा रखने से शिक्षा एवं ज्ञान का संचार होता है।

5. एज्युकेशन टावर : वास्तु के अनुसार एज्युकेशन टावर घर में रखने से बच्चे मन लगाकर प?ाई करते हैं और अच्छे नंबर से पास होते हैं।

रेसिपी

मसाला मशरूम

सामग्री

1 कटा टमाटर, 1 कटी प्याज,1 टुकड़ा दालचीनी, 2 छोटे चम्मच अदरक लहसुन का पेस्ट, 6-7 लौंग,6-7 छोटी इलायची, 2 छोटे चम्मच तेल,1 छोटा चम्मच पिसी लाल मिर्च, नमक स्वादानुसार, 250 ग्राम कटा मशरूम, 1 कटोरी हरा धनिया।

विधि

इस को बनाने के लिए सबसे पहले मिक्सर में टमाटर, प्याज, दालचीनी और अदरक-लहसुन का पेस्ट, लौंग, इलायची और थोड़ा पानी डालकर पीस लें। अब एक पैन में तेल गर्म होने के बाद इस पेस्ट को डालकर कुछ देर भूनें फिर उसमें पिसी लाल मिर्च और नमक मिलाएं। सब चीजों को अच्छी तरह से मिला लेने के बाद उसमें मशरूम डालें। फिर से सब सामग्रियों के साथ मशरूम को मिलायें और अब 5—7 मिनट तक ढक कर पकाएं। अब उसको सर्विंग बाउल में ढालकर धनिया पत्ता से गार्निश करें और गरमागरम सर्व करें।

चॉकलेट लावा केक

सामग्री

200 ग्राम चॉकलेट
110 ग्राम मक्खन
3 अंड़े
60 ग्राम चीनी
1 टीस्पून वैनिला एक्सट्रेक्ट
30 ग्राम मैदा

विधि

एक पैन लेकर उसमें पानी डाल दें और इसमें चॉकलेट डालकर गर्म करें। इसमें मक्खन डालकर अच्छे से मिलाएं ताकि यह पिघल जाए। एक अलग बाऊल लेकर उसमें 2 अंड़े और1अंड़े का पीला भाग मिलाकर फैट लें। इसमें अब वनीला एसैंस और चीनी डालकर मिक्स कर लें। इसमें मैदा डालकर मिला लें। इसके बाद इसमें पिघली हुई चॉकलेट और मक्खन का मिक्सचर डालकर मिला लें। ध्यान रखें इसमें गांठ न पड़े। अब कप केक के पेपर सांचों पर मक्खन लगाएं ताकि केक इस पर चिपके न और इस पर थोड़ा मैदा छिड़क दें। इसमें अब केक का मिक्सचर डाल दें। ओवन को 350एस्न/180एष्ट पर प्री हीट करें और इसमें 5-10 मिनट के लिए कप केक को रखें। बेकिंग के बाद केक को सांचे से निकाल कर प्लेट में रखें और इसे चॉकलेट सिरप से गार्निश करें। वनिला आइसक्रीम के साथ इसे सर्व करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**